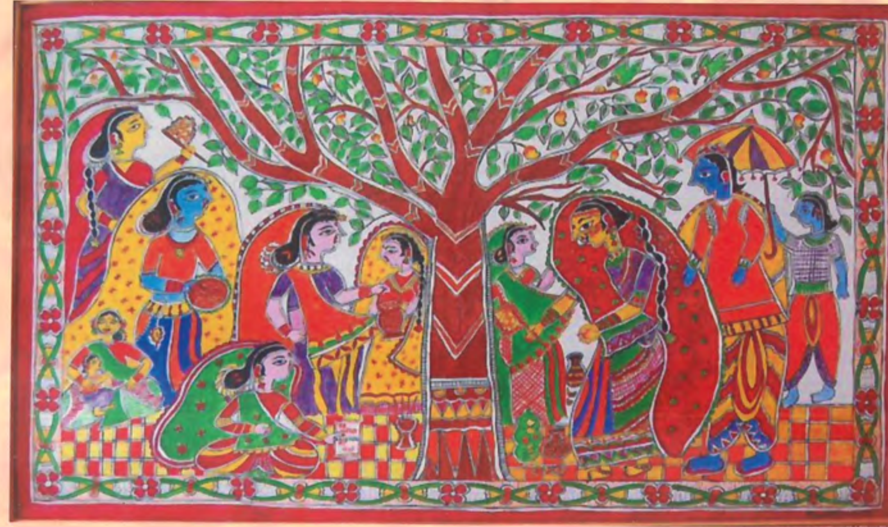



# मैथिली-हिंदी-मैथिली वार्तालाप पुस्तक






केंद्रीय हिंदी निदेशालय
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार
CENTRAL HINDI DIRECTORATE
Department of Higher Education
Ministry of Education
Government of India

# मैथिली-हिंदी
# वार्तालाप पुस्तक




**केंद्रीय हिंदी निदेशालय**
उच्चतर शिक्षा विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

**Central Hindi Directorate**
Department of Higher Education
Ministry of Education
Government of India

111 CHD/21—1A

प्रकाशन संख्या - 500 प्रतियाँ
प्रथम संस्करण - 2021


No. of copies – 500
First Edition 2021

मैथिली-हिंदी वार्तालाप पुस्तक

मूल्य - 20/- (बीस रुपये)
Price – Rs. 20/- (Twenty Rupees)

प्रकाशक
केंद्रीय हिंदी निदेशालय
पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम
नई दिल्ली - 110066

Published by
Central Hindi Directorate
Department of Correspondence Courses
West Block-7, Ramakrishnapuram
New Delhi - 110066

111 CHD/21—1B

# प्रस्तावना

केंद्रीय हिंदी निदेशालयक पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग गत 45 वर्षसँ हिंदीतरभाषी भारतीय एवं विदेशी व्यक्तिकें विभिन्न भाषा-माध्यम द्वारा हिंदी सिखा' रहल अछि। एहि कार्यकें सुगम बनेबाक लेल सन् 1976 ई. सँ वार्तालाप पुस्तक एवं स्वयं शिक्षक पुस्तक प्रकाशित करबाक क्रम चलि रहल अछि। एही क्रममे 'मैथिली-हिंदी वार्तालाप पुस्तक'क प्रथम संस्करण प्रकाशित कएल जा' रहल अछि।

एहि पुस्तकक निर्माणमे ध्यान राखल गेल अछि जे मैथिली भाषी छात्र एवं पर्यटक हिंदीक ओहि आधारभूत वाक्य संरचनासँ परिचित भ' सकथि जे हिंदी क्षेत्रमे यात्रा (पर्यटनक) समय उपयोगी अछि। मैथिली भाषाक लिपि सेहो हिंदीक लिपि जेकाँ देवनागरीए अछि। एहि पुस्तकमे मैथिली वाक्यक अनुवाद हिंदी सिखबाक उद्देश्यक पूर्ति करबाक सङ-सङ, हिंदी भाषीकें मैथिली भाषा सिखबाक अवसर सेहो प्रदान करैत अछि।

अन्य वार्तालाप पुस्तके जकाँ एहि पुस्तककें दू भागमे बाँटल गेल अछि। प्रथम भागमे बार्तालाप आ अभिव्यक्तिकें प्रयोक्ताक सुविधा तथा आवश्यकताकें ध्यानमे रखैत परिचय, यात्रा, बाजार, मनोरंजन आदि शीर्षकमे विभक्त कएल गेल अछि। एहिमे संबंधित क्षेत्र/राज्य विशेषक भौगोलिक एवं सांस्कृतिक परिवेशकें ध्यानमे राखि वाक्यक चयन कएल गेल अछि। पोथीक दोसर भागमे व्यावहारिक शब्दावलीमे दैनंदिन प्रयोगमे आब'बाला शब्द फल-फूल, तरकारी, वस्त्र, आभूषण, संख्या, ऋतु एवं मास आदि शीर्षकसँ अकारादि क्रममे देल गेल अछि।

पुस्तकक दूहू खंडमे मूल भाषाक वाक्य/शब्दक ओकर लक्ष्य भाषामे अनुवाद देल गेल अछि।

प्रस्तुत प्रथम संस्करणक निर्माणमे डॉ. नोदनाथ मिश्र आ डॉ. गोपाल कुमार झाक यथेष्ट सहयोग भेटल अछि। केंद्रीय हिंदी निदेशालय हिनका सभक आभारी अछि।



आशा अछि 'मैथिली-हिंदी वार्तालाप पुस्तक' प्रयोक्ताक लेल उपयोगी सिद्ध होएत। एहि पुस्तककें आओर अधिक उपयोगी एवं रुचिकर बनेबाक हेतु पाठक तथा भाषाविज्ञक परामर्श आमंत्रित अछि।

प्रोफेसर रमेश कुमार पाण्डेय
निदेशक

# प्रस्तावना

केंद्रीय हिंदी निदेशालय का पत्रांचार पाठ्यक्रम विभाग गत 45 (पैंतालीस) वर्षों से हिंदीतर भाषी भारतीयों एवं विदेशियों को विभिन्न भाषा-माध्यमों द्वारा हिंदी सिखा रहा है। इस कार्य को सुगम बनाने के लिए सन् 1976 ई. से वार्तालाप पुस्तकें एवं स्वयं शिक्षक पुस्तकें प्रकाशित करने का क्रम जारी है। इसी क्रम में 'मैथिली-हिंदी वार्तालाप पुस्तक' का प्रथम संस्करण निकाला जा रहा है।

इस पुस्तक का निर्माण इस बात को ध्यान में रख कर किया गया है कि मैथिली भाषी छात्र एवं पर्यटक हिंदी की उन आधारभूत वाक्य संरचनाओं से परिचित हो सकें जो हिंदी क्षेत्र में यात्रा (पर्यटन) के दौरान उपयोगी है। मैथिली भाषा की लिपि भी हिंदी की लिपि की भाँति देवनागरी ही है। इस पुस्तक में मैथिली वाक्यों का अनुवाद हिंदी वाक्यों में दिया गया है। यह पुस्तक मैथिली भाषियों के हिंदी सीखने के उद्देश्य की पूर्ति करने के साथ-साथ हिंदी भाषियों को मैथिली भाषा सीखने का अवसर भी प्रदान करती है।

अन्य वार्तालाप पुस्तकों के समान ही इस पुस्तक को दो भागों में बाँटा गया है। प्रथम भाग में वार्तालाप और अभिव्यक्तियों को प्रयोक्ता की सुविधा एवं आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए परिचय, यात्रा, बाजार, मनोरंजन आदि शीर्षकों में विभक्त किया गया है। इसमें संबंधित क्षेत्र/राज्य विशेष के भौगोलिक एवं सांस्कृतिक परिवेश को ध्यान में रख कर वाक्यों का चयन किया गया है। भाग दो में व्यावहारिक शब्दावली में दैनंदिन प्रयोग में आने वाले शब्दों को फल-फूल, सब्जियाँ, वस्त्र, आभूषण, संख्या, ऋतु एवं महीने आदि शीर्षकों में अकारादि क्रम से दिया गया है।

पुस्तक के दोनों खंडों में मूल भाषा के वाक्यों/शब्दों का उसके लक्ष्य भाषा में अनुवाद दिया गया है।

प्रस्तुत प्रथम संस्करण के निर्माण में डॉ. नोदनाथ मिश्र और डॉ. गोपाल कुमार झा का भी पूरा सहयोग मिला है। केंद्रीय हिंदी निदेशालय इनके प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करता है।



आशा है कि 'मैथिली-हिंदी वार्तालाप पुस्तक' प्रयोक्ताओं के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। इस पुस्तक को और अधिक उपयोगी एवं रुचिकर बनाने के लिए पाठकों एवं भाषाविदों के सुझाव आमंत्रित है।

प्रोफेसर रमेश कुमार पाण्डेय
निदेशक

## विशेषज्ञक अभिमत

भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त बाइस (22) भाषामे मैथिली, एक गोट इंडो आर्यन भाषा परिवारक भाषा अछि जे बिहार, वर्तमानक झारखंड आ' नेपालमे बाजल जाइत अछि। एकर अतिरिक्त जीविका प्रसंगमे मिथिलासँ अन्यत्र तथा विदेशमे रहनिहार लाखो प्रवासी मैथिल सभक मातृभाषाक रूपमे मैथिली व्यवहारक अनन्य माध्यम बनल अछि।

एहि तरहे आइ मैथिली भाषीक संख्या लगभग तीन करोड़ (3,00,00,000) मानल गेल अछि।

मैथिली त्रेता युगमे, मिथिला नरेश राजा जनक'क राज्यभाषा छल। एवम् प्रकारे प्राचीनतम भाषा सबमे ई महत्वपूर्ण मानल जाइत अछि।

सन् 2007 ई. मे नेपालक अंतरिम संविधानमे एकरा मान्यता प्रदान कयल गेल।

संघ लोक सेवा आयोग मे सेहो एक वैकल्पिक विषयक रूपमे मैथिलीकें मान्यता प्राप्त अछि।

प्रसिद्ध अंग्रेज विद्वान ग्रियर्सन महोदय एकरा एक गोट विशिष्ट भाषाक रूपमे मान्यता देल, आ' एकर पहिल व्याकरण 1881 ई. मे प्रकाशित भेल।

मैथिली मे 'वर्ण रत्नाकर'कें प्रारंभिक गद्य टेक्स्टकें रूपमे जानल जाइत अछि जे 1507 ई. सँ सुरक्षित अछि। ई मिथिलाक्षर वा' तिरहुतामे लिखल गेल अछि।

मैथिली भाषाक साहित्य अत्यंत समृद्ध छै। एकर अपन लिपि छै, जे आब पुनः लोकक ध्यान आकर्षित क' रहल अछि।

एकर प्रमुख स्रोत संस्कृत भाषा अछि जेकर शब्द तत्सम वा तद्भव रूपमे मैथिलीमे प्रयुक्त होइत अछि।

बाङ्ला, असमिया आ' ओड़ियाकें सङ-सङ एकर उत्पत्ति मागधी प्राकृतसँ भेल अछि। किछु अंशमे ई बाङ्ला आ' किछु अंशमे हिन्दीसँ मिलैत-जुलैत अछि।



विद्यापतिकें मैथिली भाषाक आदिकवि अथवा सर्वाधिक ज्ञात कवि मानल जाइत अछि।

1965 ई. मे एकरा साहित्य अकादमीमे गौरवपूर्ण स्थान भेटल। वर्ष 2003 ई. मे भारतीय संविधानक अष्टम अनुसूचीमे प्रमुख भारतीय भाषाक रूपमे सम्मिलित क' मैथिलीकें मान्यता प्रदान कयल गेल। कलकत्ता विश्वविद्यालयमे सन् 1917 ई. सँ मैथिली भाषाकें मान्यता भेटल छल।

पहिने तिरहुता लिपि वा वैदेही लिपिमे मैथिलीक साहित्य लिखल जाइत छल। पछाति कैथी लिपि सेहो विकसित भेल। वर्तमानमे देवनागरी लिपि चलि रहल अछि।

**हिंदी तथा मैथिली वर्णमाला एवं**
**मिथिलाक्षर (तिरहुतालिपि)**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी | अ | आ | इ | ई | उ | |
| तिरहुता | অ | আ | ই | ঈ | উ | |
| हिंदी | ऊ | ऋ | ॠ | ऌ | ॡ | |
| तिरहुता | ঊ | ঋ | ৠ | ঌ | ৡ | |
| हिंदी | ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः |
| तिरहुता | এ | ঐ | ও | ঔ | অং | অঃ |
| हिंदी | क | ख | ग | घ | ङ | |
| तिरहुता | ক | খ | গ | ঘ | ঙ | |
| हिंदी | च | छ | ज | झ | ञ | |
| तिरहुता | চ | ছ | জ | ঝ | ঞ | |

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी | ट | ठ | ड | ढ | ण |
| तिरहुता | 𑒙 | 𑒚 | 𑒛 | 𑒜 | 𑒝 |
| हिंदी | त | थ | द | ध | न |
| तिरहुता | 𑒞 | 𑒟 | 𑒠 | 𑒡 | 𑒢 |
| हिंदी | प | फ | ब | भ | म |
| तिरहुता | 𑒣 | 𑒤 | 𑒥 | 𑒦 | 𑒧 |
| हिंदी | य | र | ल | व | |
| तिरहुता | 𑒨 | 𑒩 | 𑒪 | 𑒫 | |
| हिंदी | श | ष | स | ह | |
| तिरहुता | 𑒬 | 𑒭 | 𑒮 | 𑒯 | |
| हिंदी | क्ष | त्र | ज्ञ | | |
| तिरहुता | 𑒏𑓂𑒭 | 𑒞𑓂𑒩 | 𑒖𑓂𑒘 | | |

अनुस्वार हिंदी आ तिरहुतामे - ं

चंद्रबिंदु हिंदी आ तिरहुतामे - ँ

मानक अंक-

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी अंक | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| तिरहुता अंक | 𑓐 | 𑓑 | 𑓒 | 𑓓 | 𑓔 | 𑓕 | 𑓖 | 𑓗 | 𑓘 | 𑓙 |

# विशेषज्ञ का अभिमत

भारतीय संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त बाइस (22) भाषाओं में मैथिली एक इंडो आर्यन भाषा परिवार की भाषा है, जो बिहार, वर्तमान के झारखंड और नेपाल में बोली जाती है। इसके अलावा यह जीविका के लिए मिथिला से अन्यत्र तथा विदेश में रहने वाले लाखों प्रवासी मैथिलों की मातृभाषा के रूप में व्यवहार का अनन्य माध्यम बनी हुई है। इस प्रकार आज मैथिली भाषियों की संख्या लगभग तीन करोड़ (3,00,00,000) मानी गई है।

मैथिली त्रेतायुग में मिथिलानरेश राजा जनक के राज्य की भाषा थी। यह इतिहास की प्राचीनतम भाषाओं में महत्वपूर्ण मानी जाती है। सन् 2007 ई. में नेपाल के अंतरिम संविधान में इसे मान्यता प्रदान की गई। संघ लोक सेवा आयोग में भी एक वैकल्पिक विषय के रूप में मैथिली को मान्यता प्राप्त है।

प्रसिद्ध अंग्रेज विद्वान ग्रियर्सन ने इसे एक विशिष्ट भाषा के रूप में मान्यता दी और इसका प्रथम व्याकरण 1881 ई. में प्रकाशित हुआ। 'वर्णरत्नाकर' को मैथिली के प्रारंभिक गद्य ग्रंथ के रूप में माना जाता है जो 1507 ई. से सुरक्षित है। यह ग्रंथ मिथिलाक्षर (तिरहुता) में लिखा गया है।

मैथिली भाषा का साहित्य अत्यंत समृद्ध है। इसकी अपनी लिपि है, जिसकी ओर अब पुनः लोगों का ध्यान आकृष्ट होने लगा है।

मैथिली का प्रमुख स्रोत संस्कृत भाषा है जिसका तत्सम या तद्भव रूप मैथिली में प्रयुक्त होता है। बांग्ला, असमिया और ओड़िया के साथ-साथ मैथिली की उत्पत्ति मागधी प्राकृत से हुई है। कुछ अंशों में यह बांग्ला और कुछ अंशों में हिंदी से मिलती-जुलती है।

विद्यापति को मैथिली भाषा का आदिकवि अथवा सर्वाधिक ज्ञात कवि माना जाता है। 1965 ई. में मैथिली को संविधान की अष्टम अनुसूची में प्रमुख भारतीय भाषा के रूप में सम्मिलित कर मान्यता प्रदान की गई। कलकत्ता विश्वविद्यालय में भी सन् 1917 ई. से मैथिली भाषा को मान्यता दी गई थी।

पहले मैथिली भाषा का साहित्य तिरहुता लिपि या वैदेही लिपि में लिखा जाता था। बाद में कैथी लिपि भी विकसित हुई। वर्तमान में देवनागरी लिपि चल रही है।

**हिंदी तथा मैथिली वर्णमाला एवं**
**मिथिलाक्षर (तिरहुतालिपि)**

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी | अ | आ | इ | ई | उ | |
| तिरहुता | 𑒁 | 𑒂 | 𑒃 | 𑒄 | 𑒅 | |
| हिंदी | ऊ | ऋ | ॠ | ऌ | ॡ | |
| तिरहुता | 𑒆 | 𑒇 | 𑒈 | 𑒉 | 𑒊 | |
| हिंदी | ए | ऐ | ओ | औ | अं | अः |
| तिरहुता | 𑒋 | 𑒌 | 𑒍 | 𑒎 | 𑒁𑓀 | 𑒁𑓁 |
| हिंदी | क | ख | ग | घ | ङ | |
| तिरहुता | 𑒏 | 𑒐 | 𑒑 | 𑒒 | 𑒓 | |
| हिंदी | च | छ | ज | झ | ञ | |
| तिरहुता | 𑒔 | 𑒕 | 𑒖 | 𑒗 | 𑒘 | |
| हिंदी | ट | ठ | ड | ढ | ण | |
| तिरहुता | 𑒙 | 𑒚 | 𑒛 | 𑒜 | 𑒝 | |
| हिंदी | त | थ | द | ध | न | |
| तिरहुता | 𑒞 | 𑒟 | 𑒠 | 𑒡 | 𑒢 | |
| हिंदी | प | फ | ब | भ | म | |



| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| तिरहुता | 𑒣 | 𑒤 | 𑒥 | 𑒦 | 𑒧 | |
| हिंदी | य | र | ल | व | | |
| तिरहुता | 𑒨 | 𑒩 | 𑒪 | 𑒫 | | |
| हिंदी | श | ष | स | ह | | |
| तिरहुता | 𑒬 | 𑒭 | 𑒮 | 𑒯 | | |
| हिंदी | क्ष | त्र | ज्ञ | | | |
| तिरहुता | 𑒏𑓂𑒭 | 𑒞𑓂𑒩 | 𑒖𑓂𑒘 | | | |

अनुस्वार हिंदी और तिरहुता में - ं

चंद्रबिंदु हिंदी और तिरहुता में - ँ

मानक अंक-

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| हिंदी अंक | ० | १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ | ८ | ९ |
| तिरहुता अंक | 𑓐 | 𑓑 | 𑓒 | 𑓓 | 𑓔 | 𑓕 | 𑓖 | 𑓗 | 𑓘 | 𑓙 |

## भाषासँ संबंधित किछु वक्तव्य

समय आ समाजमे परिवर्तन हेबाक कारणे प्राचीन मैथिलीक अनेक शब्द आ ध्वनि लुप्तप्राय भ' गेल अछि आ जे किछु बचल अछि ओकरा आधुनिक युगक आवश्यकतानुसार बनेवाक लेल मैथिलीक उद्भट विद्वान विगत कतेको वर्षसँ प्रयासरत छथि जे एकरा कोना न'व रूप द' सुगम आ प्रवाहमान बनाओल जाय। कृषिप्रधान समाजक समयमे प्रचलित अनेक शब्द आइ असामयिक भ' चुकल अछि। समाज बड़ तेजीसँ बदलि रहल अछि। पाश्चात्य संस्कृति आ शहरीकरणक बढ़ैत प्रभाव आ कंप्यूटरयुगक मुद्रण सुविधोक लेल भाषाकें किछु सरल आ सुविधाजनक बनाओल जाए रहल अछि।

वर्तमानमे शहरी आ ग्रामीण भाषामे स्पष्ट अंतर देखल जा सकैत अछि। ई अंतर मात्र भाषे टा मे नहि अपितु ध्वनियोमे (Phonetic sound) परिलक्षित भ' रहल अछि।

मैथिली भाषाक क्षेत्रमे व्याकरण संबंधी किछु नियमक पालन करब वांछनीय अछि। जेना-

(1) पंचमाक्षर आ अनुस्वार

वर्गक पंचमाक्षरमे ङ, ञ, ण, न एवं म अबैत छैक। संस्कृत भाषाक अनुसार शब्दक अंतमे जाहि वर्गक अक्षर होइछ ओही वर्गक पाँचम अक्षर अवैत छै। जेना अङ्कमे कवर्गक रहबाक कारणे ङ, खण्डमे टवर्गक रहबाक कारणे ण, सन्धिमे तवर्गक रहबाक कारणे न आदि अवैछ। परंतु आइ-काल्हि नागरी लिपिक प्रयोगवश अधिकांश स्थान पर पंचमाक्षरक स्थान पर अनुस्वारक (ं) प्रयोग देखल जाइछ। उदाहरणस्वरूप अंक, पंच, खंड, संधि आदि।

(2) व आ ब

मैथिलीमे 'व' अक्षरक उच्चारण 'ब' कएल जाइछ किंतु ओकरा 'ब' रूपमे लिखल नहि जेबाक चाही। जेना - उच्चारण- बैद्यनाथ, बिद्या, नब, देवता आदिक स्थान पर क्रमशः वैद्यनाथ, विद्या, नव, देवता आदि लिखल जेबाक चाही।



मैथिलीमे सामान्यतः 'व'केर उच्चारणक लेल 'ओ'क प्रयोग होइछ। जेना- वकील आ वजहक लेल ओकील आ ओजह आदि।

(3) 'ए' आ 'य'

मैथिलीक वर्तनीमे 'ए' वा 'य' दुनू लिखल जाइत छैक। जेना-

प्राचीन वर्त्तनी - कएल जाए, होएत, माए आदि।

नवीन वर्त्तनी- कयल जाय, होयत, माय, भाय इत्यादि।

(4) सामान्यतः जत' शब्दक प्रारंभमे केवल 'ए' अवैत छैक। जेना- एहि, एना, एकर, एहन आदिमे उक्त शब्दक स्थान पर यहि, येना, यकर, यहन आदिक प्रयोग नहि करबाक चाही।

(5) हि, हू तथा एकार, ओकार

मैथिलीक प्राचीन लेखनपरंपरामे कोनो बातपर बल दैत काल शब्दक अंतमे हि, हु लगाओल जाइछ। उदाहरण - हुनकहि, अपनहु, ओकरहु, तत्कालहि, चोट्टहि, आनहु आदि। किंतु आधुनिक लेखनमे 'हि'क स्थान पर 'एकार' एवं 'हु'क स्थान पर ओकारक प्रयोग करैत देखल जाइछ। उदाहरणस्वरूप हुनको, अपनो, तत्काले, चोट्टे, आनो आदि।

(6) ष तथा ख

मैथिली भाषामे अधिकांशतः 'ष'केर उच्चारण ख होइछ। जेना- संतोष (संतोख), षड्यंत्र (खड्यंत्र), षोड़शी (खोड़शी), षट्कोण (खट्कोण) आदि।

(क) वर्त्तमान कृदंतक अंतिम 'त' लुप्त भ' जाइछ। जेना- पूर्णरूप- पढ़ैत अछि, बजैत अछि, गबैत अछि।

अपूर्णरूप - पढ़ै अछि, बजै अछि, गबै अछि।

(ख) क्रियापदक अवसान इक, उक, ऐक तथा हीकमे 'क' लुप्त भ' जाइत छैक। जेना- पूर्णरूप- छियौक, छियैक, छहीक, छौक, छैक, अबितैक, होइत। पूर्णरूप- छियौ, छियै, छही, छौ, छै, अबितै, होइ।

(ग) क्रियापदीय प्रत्यय न्ह, हू तथा हकारक लोप भ' जाइछ। जेना-

पूर्णरूप- छन्हि, कहलन्हि, कहलहुँ, नहि। अपूर्णरूप - छनि, कहलनि, कहलौं, नइ, नञि, नै।

(घ) मैथिलीकरण भेल शब्दक मध्य वा अंतमे जे ह्रस्व 'इ' वा 'उ' आबि जाइत छैत त' ओकर ध्वनि स्थानांतरित भ' एक अक्षर आगाँ आबि जाइछ। जेना- शनि (शइनि), पानि (पाइन), दालि (दाइल), माटि (माइट), काछु (काउछ), मासु (माउस) आदि। किंतु तत्समशब्दमे ई नियम नहि लगैछ। उदाहरण- रश्मिकें- रइश्म, सुधांशुकें- सुधांउस नहि कहल जा सकैछ।

(घ) हलंतक ( ् ) प्रयोग - मैथिलीभाषामे सामान्यतया हलंतक ( ्) आवश्यकता नहि होइछ। किंतु संस्कृत भाषासँ मैथिलीमे आएल तत्सम शब्दमे हलंतक प्रयोग कएल जाइत अछि।

(च) प्राचीन मैथिलीक 'न्ह' ध्वनिक स्थानपर 'न' लिखल जा' सकैछ। जेना- गेलखिन्ह, खेलखिन्ह आदिकें गेलखिन, खेलखिन आदि।

कारकविभक्ति निम्नलिखितरूपमे ग्राह्य अछि- हाथके, हाथसँ, हाथक, हाथमे आदि।

(छ) 'मे' शब्दमे अनुस्वार सर्वथा त्याज्य अछि। 'क' के वैकल्पिकरूप 'केर' राखल जा' सकैछ। 'कय' के लेल क' प्रयोग कएल जा' सकैछ।

(ज) अनुनासिक चंद्रबिंदु द्वारा व्यक्त कएल जाइछ।

(झ) तिरहुता लिपिक आब सामान्यतया पढ़बा-लिखबामे प्रयोग नहि होइत छैक।

संक्षेपमे उपर्युक्त नियमसभकें ध्यानमे राखि प्राथमिकस्तर पर नवीन मैथिली देवनागरी लिपिमे सिखबाक लाभ उठाओल जा' सकैछ।

एहि पुस्तकमे व्यावहारिक मैथिली भाषाकें बजबामे शब्द आ वाक्यक भिन्न-भिन्न रूपक सेहो समावेश कएल गेल अछि।

# भाषा संबंधी वक्तव्य

समय और समाज के बदलने के कारण प्राचीन मैथिली के अनेक शब्द और ध्वनि अब लुप्तप्राय हो चुके हैं, और जो कुछ बचे हैं उन्हें आधुनिक युग के आवश्यकतानुसार बनाने के लिए मैथिली के उद्भट विद्वान् विगत कई वर्षों से प्रयासरत हैं कि इसे कैसे नया रूप देकर सुगम और प्रवाहमान बनाया जाय।

कृषि प्रधान समाज के समय में प्रचलित अनेक शब्द आज असामयिक हो चुके हैं। समाज बड़ी तेजी से बदल रहा है। पाश्चात्य संस्कृति और शहरीकरण के बढ़ते प्रभाव तथा कम्प्यूटर युग की मुद्रण सुविधा के लिए भी भाषा को थोड़ा सरल और सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

वर्तमान में शहरी और ग्रामीण भाषा में स्पष्ट अंतर देखा जा सकता है। यह अंतर मात्र भाषा में ही नहीं अपितु ध्वनि (Phonetic Sound) में भी परिलक्षित हो रहा है।

मैथिली भाषा के क्षेत्र में व्याकरण संबंधी कुछ नियमों का पालन करना वांछनीय है। जैसे-

(1) पंचमाक्षर और अनुस्वार

वर्ग के पंचमाक्षर के अंतर्गत ङ, ञ, ण, न एवं म आते हैं। संस्कृत भाषा के अनुसार शब्द के अंत में जिस वर्ग का अक्षर रहता है उसी वर्ग का पाँचवाँ अक्षर आता है। जैसे अङ्क में कवर्ग का रहने के कारण ङ, खण्ड में टवर्ग का रहने के कारण ण्, सन्धि में तवर्ग का रहने के कारण न् आदि आते हैं। परंतु आजकल नागरी लिपि के प्रयोगवश अधिकांश स्थान पर पंचमाक्षर के स्थान पर अनुस्वार ( ं ) का प्रयोग देखा जाता है। उदाहरणस्वरूप- अंक, पंच, खंड, संधि आदि।

(2) व और ब

मैथिली में 'व' का उच्चारण 'ब' किया जाता है किंतु उसे 'ब' रूप में नहीं लिखा जाना चाहिए। जैसे उच्चारण- बैद्यनाथ, बिद्या, नब, देबता आदि के स्थान पर क्रमशः वैद्यनाथ, विद्या, नव, देवता आदि लिखा जाना चाहिए।

मैथिली में सामान्यतः 'व' के उच्चारण के लिए 'ओ' का प्रयोग किया जाता है। जैसे वकील और वजह के लिए - ओकील, ओजह आदि।

(3) ए और य

मैथिली की वर्तनी में ए या य दोनों लिखा जाता है। जैसे- प्राचीन वर्तनी- कएल जाए, होएत, माए आदि।

नवीन वर्तनी - कयल जाय, होयत, माय, भाय इत्यादि।

(4) सामान्यतया जहाँ शब्द के प्रारंभ में केवल 'ए' आता है। जैसे एहि, एना, एकर, एहन आदि।

इन शब्दों के स्थान पर "यहि, येना, यकर, यहन" आदि का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

(5) हि, हु, तथा एकार, ओकार

मैथिली की प्राचीन लेखन परंपरा में किसी बात पर बल देते समय शब्द के अंत में हि, हु, लगाया जाता है। उदाहरण - हुनकहि, अपनहु, ओकरहु, तत्कालहि, चोट्टहि, आनहु आदि। लेकिन आधुनिक लेखन में 'हि' के स्थान पर 'एकार' एवं 'हु' के स्थान पर 'ओकार का प्रयोग करते देखा जाता है। उदाहरण स्वरूप - हुनके, अपनो, तत्काले, चोट्टे, आनो आदि।

(6) ष तथा ख

मैथिली भाषा में अधिकांशतः 'ष' का उच्चारण 'ख' होता है। जैसे संतोष (संतोख), षड्यन्त्र (खड्यंत्र), षोड़शी (खोड़शी), षट्कोण (खट्कोण) आदि।

(क) वर्तमान कृदंत के अंतिम 'त' लुप्त हो जाता है। जैसे-

पूर्णरूप - पढ़ैत अछि, बजैत अछि, गबैत अछि।

अपूर्ण रूप- पढ़ै अछि, बजै अछि, गबै अछि।

(ख) क्रियापदक अवसान इक, उक, ऐक तथा हीक मे 'क' लुप्त हो जाता है जैसे-

पूर्णरूप - छियौक, छियैक, छहीक, छौक, छैक अबितैक, होइत।





अपूर्ण रूप - छियौ, छियै छही, छौ, छै, अबितै / होइ।

(ग) क्रियापदीय प्रत्यय न्ह, हु तथा हकार का लोप हो जाता है। जैसे

पूर्णरूप- छन्हि, कहलन्हि, कहलहुँ, नहि।

अपूर्ण रूप - छनि, कहलनि, कहलौं, नइं, नत्रि, नै।

(घ) मैथिलीकरण हुए शब्द के मध्य वा अन्त में जो ह्रस्व 'इ' या 'उ' आ जाता है तो उसका ध्वनि स्थानांतरित हो एक अक्षर आगे आ जाता है। जैसे - शनि (शइन), पानि (पाइन), दालि (दाइल), माटि (माइट), काछु (काउछ), मासु (माउस) आदि। लेकिन तत्सम शब्द में यह नियम लागू नहीं होता है। उदाहरण - रश्मि के - रइश्म आ सुधांशु के सुधांउस नहीं कहा जा सकता।

(ङ) हलन्त (्) का प्रयोग - मैथिली भाषा में सामान्यतया हलन्त (्) की आवश्यकता नहीं होती। लेकिन संस्कृत भाषा से मैथिली में आए (तत्सम) शब्द में हलन्त का प्रयोग किया जाता है।

(च) प्राचीन मैथिली की 'न्ह' ध्वनि के स्थान पर 'न' लिखा जा सकता है। जैसे- गेलखिन्ह, खेलखिन्ह आदि को गेलखिन, खेलखिन आदि।

कारक की विभक्ति निम्नलिखित रूप में ग्राह्य है-

हाथ के : हाथसँ, हाथक, हाथमे।

(छ) 'मे' में अनुस्वार सर्वथा त्याज्य है। 'क' का वैकल्पिक रूप 'केर' रखा जा सकता है। 'कय' के लिए क' प्रयोग किया जा सकता है।

(ज) अनुनासिक चन्द्रबिंदु द्वारा व्यक्त किया जाता है।

(झ) तिरहुता लिपि का अब सामान्यतया पढ़ने-लिखने में प्रयोग नहीं होता है।

संक्षेप में इन नियमों को ध्यान में रख कर प्राथमिक स्तर पर नवीन मैथिली देवनागरी लिपि में सीखने का लाभ उठाया जा सकता है।

इस पुस्तक में व्यावहारिक मैथिली भाषा के बोलने में शब्दों/वाक्यों के अलग-अलग रूपों का समावेश भी किया गया है।

# विषय सूची

भाग - एक

# वातार्लाप आ अभिव्यक्ति

भाग - एक

# वातार्लाप और अभिव्यक्तियाँ

## 1. शिष्टाचार

| | शिष्टाचार |
|---|---|
| 1. आउ, पधारू। (अपनेक स्वागत अछि) | आइए, पधारिए। |
| 2. कोना / केना छी? | कैसे / कैसी हैं? |
| 3. निकें छी / अहाँ कोना / केना छी? | ठीक हूँ। आप कैसे / कैसी हैं? |
| 4. की हालचाल अछि? कुशल क्षेम कहू। | क्या हाल-चाल है? |
| 5. नीक छै। अहाँक की समाचार? अपन कहू? | ठीक है। आपका क्या हाल है? |
| 6. नीके छै, बैसू। | ठीक ही है, बैठिए। |
| 7. अहाँ सँ भेंट क' / कएकें प्रसन्नता भेल। | आपसे मिल कर प्रसन्नता हुई। |
| 8. धन्यवाद | धन्यवाद/शुक्रिया |
| 9. हमरो बड़ / अपार प्रसन्नता भेल। | मुझे भी बहुत खुशी हुई। |
| 10. घरमे सब कियो कुशल छथि ? | घर में सब सकुशल हैं ? |
| 11. हम कहि रहल छलौं जे.... | मैं कह रहा था / रही थी कि.... |
| 12. बेस भाय/ भाइ जी, बेस बहिन जी.... | अच्छा भाई साहब, अच्छा बहन जी.. |
| 13. खराप नै / नइ बुझी त'.... | बुरा न मानें तो..... |
| 14. क्षमा करब। | माफ कीजिए / क्षमा कीजिए। |



| | |
|---|---|
| 15. (नै - नै/ नइ-नइ) ठीक छै। | नहीं, नहीं, ठीक है। |
| 16. निधोख भ' क' कहू / बाजू। | निस्संकोच कहिए। |
| 17. अपने आज्ञा दी त'.... | आप आज्ञा दें तो.... |
| 18. बेस, आब हम चली / चलैत छी। | अच्छा, अब मैं चलूँ / चलता हूँ। |

## 2. परिचय परिचय

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अपनेक / अहाँक' की नाम भेल? | आपका नाम? |
| 2. | हमर नाम अमल / भारती अछि। | मेरा नाम अमल / भारती है। |
| 3. | अहाँ / अपने कत'सँ आबि रहल छी? | आप कहाँ से आ रहे / रही हैं? |
| 4. | हम पटनासँ आबि रहल छी। | मैं पटना से आ रहा / रही हूँ। |
| 5. | अहाँ / अपने कोन काज करैत छी? | आप क्या काम करते / करती हैं? |
| 6. | हम व्यापार करैत छी। | मैं व्यापार करता / करती हूँ। |
| 7. | हमर एक गोट व्यवसाय अछि। | मेरा एक व्यवसाय है। |
| 8. | हम नोकरी करैत छी / चाकरी करैत छी। | मैं नौकरी करता / करती हूँ। |
| 9. | अहाँ कतए काज करैत छी? | आप कहाँ काम करते / करती हैं? |
| 10. | हम स्टेट बैंकमे छी। | मैं स्टेट बैंक में हूँ। |
| 11. | हम एक गोट सरकारी दफ्तरमे छी। | मैं एक सरकारी दफ्तर में हूँ। |
| 12. | हम एक गोट प्राइभेट दफ्तरमे छी। | मैं एक प्राइवेट ऑफिस में हूँ। |
| 13. | हम विद्यार्थी छी। | मैं विद्यार्थी हूँ। |
| 14. | हम लेखक / लेखिका छी। | मैं लेखक / लेखिका हूँ। |
| 15. | कि/की अहाँ कतहु जा रहल छी? | क्या आप कहीं जा रहे / रही हैं? |



| | | |
|---|---|---|
| 16. | नहि, नहि हम एतहि छी। (नै-नै हम / एहीठाम छी) | नहीं - नहीं मैं यहीं हूँ। |
| 17. | हम एक बेर अपनेसँ भेंट कर' चाहैत छी। | मैं एक बार आपसे मिलना चाहता / चाहती हूँ। |
| 18. | हम कनी/कनेक बाहर जा रहल छी। | मैं जरा बाहर जा रहा / रही हूँ। |
| 19. | कखन घुरबै / एबै? / कखन आपस एबै? | कब लौटेंगे? |
| 20. | हम आध घंटामे आपस / घुइर आयब। | मैं आधे घंटे में लौट आऊँगा। |
| 21. | हम फेर कखन आउ? | मैं फिर कब आऊँ? |
| 22. | अहाँ काल्हि भिनसर आउ। | आप कल सुबह आएँ। |
| 23. | काल्हि / कालि त' हम व्यस्त रहब। | कल तो मैं व्यस्त रहूँगा। |
| 24. | अहाँ / अपने कतए ठहरल छी? | आप कहाँ ठहरे / ठहरी हैं? |
| 25. | हम होटल दरबारमे ठहरल छी। | मैं होटल दरबार में ठहरा / ठहरी हूँ। |
| 26. | अहाँ कतए रहैत छी? | आप कहाँ रहते / रहती हैं? |
| 27. | हम दरभंगामे रहैत छी। | मैं दरभंगा में रहता / रहती हूँ। |
| 28. | की अपने / अहाँ मैथिली भाषी छी? | क्या आप मैथिली भाषी हैं? |
| 29. | हँ, हम मैथिली भाषी छी। | हाँ, मैं मैथिली भाषी हूँ। |
| 30. | अपनेक / अहाँक घर / ऑफिसक पता की अछि? | आपके घर / ऑफिस का पता क्या है? |

| | | |
|---|---|---|
| 31. | अहाँक / अपनेक घरक / ऑफिसक / होटलक फोन नंबर की अछि? | आपके घर / ऑफिस / होटल का फोन नंबर क्या है? |
| 32. | बड़ दिनक बाद भेंट भेल। | बहुत दिनों बाद मुलाकात हुई। |
| 33. | अहाँ / अपने किनकासँ भेंट करए चाहैत छी? | आप किससे मिलना चाहते / चाहती हैं? |
| 34. | हम श्रीमान ठाकुरसँ भेंट करए चाहैत छी। | मैं मिस्टर ठाकुर से मिलना चाहती हूँ। |
| 35. | ओ' त' बाहर गेल छथि।/ अनतए गेल छथि। | वे तो बाहर गए हैं। |
| 36. | अपनेक / अहाँक परिचय? | आपका परिचय? |
| 37. | आउ! आउ! अहाँके परिचय करा दिअ'। | आइए! आपका परिचय करा दूँ। |
| 38. | कहू, हम अपनेक / अहाँक की सेवा करि (कैर) सकैत छी? | कहिए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता / सकती हूँ? |
| 39. | अपनेक / अहाँक परिवारमे के सब छथि? | आपके परिवार में कौन - कौन है? |
| 40. | अपनेक / अहाँक कएक टा धिया पुता छथि? | आपके कितने बेटे / बेटियाँ हैं? (कितनी बेटियाँ/ कितने बेटे हैं? |
| 41. | बेस ! हम आब चलैत छी। | अच्छा ! अब मैं चलता / चलती हूँ। |
| 42. | आब फेर कहिया आबि रहल छी? | अब फिर कब आ रहे / रही हैं? |
| 43. | 'कोनो नव' खबरि (खबैर) अछि? | कोई नई खबर है? |
| 44. | अपनेक / अहाँक मातृभाषा की अछि? | आपकी मातृभाषा क्या है? |



| | | |
|---|---|---|
| 45. | की अहाँ / अपने मैथिली बाजि सकैत छी? | क्या आप मैथिली बोल सकते हैं? |
| 46. | कनी-कनी बाजि सकैत छी। | कुछ - कुछ बोल सकता /सकती हूँ। |
| 47. | की अपने / अहाँ / कोनो दोसरो भाषा (भाखा) जनैत छी? | क्या आप कोई अन्य भाषा भी जानते / जानती हैं? |
| 48. | नहिं.... मुदा बूझि (बूझ्झ) सकैत छी। | नहीं ! पर समझ सकता हूँ। |
| 49. | किछु बूझि (बूझ्झ) नहिं सकलहुँ। | कुछ समझा / समझी नहीं। |
| 50. | की एक बेर फेरसँ कहब? | क्या एक बार फिर से कहेंगे? |
| 51. | कनी (नहू- नहू), स्पष्ट भ' क' बाजू। | थोड़ा धीरे - धीरे, साफ-साफ बोलिए। |
| 52. | हिंदीमे एकरा की कहैत छी? / हिंदीमे एकरा की कहल जाय छैक? | हिंदी में इसे क्या कहते हैं? |
| 53. | अहाँ त' मैथिली नीक जकाँ बाजि लइत छी। | आप तो मैथिली अच्छी बोल लेते / लेती हैं। |
| 54. | हम किछु दिन दरभंगामे रहल छी। | मैं कुछ दिन दरभंगा में रहा / रही हूँ। |

## 3. शुभेच्छा / आशीर्वचन — शुभकामनाएँ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | नमस्कार / गोड़ लगैत छी / प्रणाम। | नमस्कार, प्रणाम। |
| 2. | अपनेक स्वागत अछि। | आपका स्वागत है। |
| 3. | सुखी रहू/ प्रसन्न रहू। (दनदनाइत रहू) | खुश रहें/ खुश रहिए। |
| 4. | न'व वर्ष मुबारक हो। / (नव वर्ष मंगलमय होअय) | नया साल मुबारक हो। |
| 5. | शुभ दीवाली / दीयाबाती। | शुभ दीपावली। |
| 6. | विवाहक वर्षगाँठक बधाइ'। | शादी की सालगिरह पर बधाई। |
| 7. | अपनेक यात्रा (जतरा) मंगलमय होअय। | आपकी यात्रा शुभ हो। |
| 8. | शुभकामनाक लेल धन्यवाद। (मंगलकामनाक लेल) | शुभकामना के लिए धन्यवाद। |
| 9. | अपनेक / अहाँक नीक स्वास्थ्यक लेल हमर शुभकामना। | आपके सुस्वास्थ्य के लिए मेरी शुभकामनाएँ। |
| 10. | हम भगवतीसँ अपनेक / अहाँक शीघ्र स्वस्थ हेबाक (होएबाक) लेल प्रार्थना / मिनती करैत छी। | मैं ईश्वर / भगवती से आपके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता / करती हूँ। |
| 11. | जन्मदिनक लेल हार्दिक शुभेच्छा। | जन्मदिन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ। |





## 4. अभिव्यक्ति — अभिव्यक्तियाँ

### (i) हर्ष, प्रशंसा आ' दुखद — हर्ष, प्रशंसा और खेद सूचक

| | | |
|---|---|---|
| 1. | वाह ! बड़ नीक ! | वाह ! बहुत खूब ! |
| 2. | सुन्नर ! अति सुन्नर / सुन्दर, बड़ दिब! | सुंदर ! अति सुंदर! |
| 3. | शाबास ! (चाब्बास) | शाबाश ! |
| 4. | अपने / अहाँ हमर बड़ मदति (मदैद) कयलहुँ। | आपने मेरी बहुत सहायता की। |
| 5. | अपनेक / अहाँक' कोनो तुलने नहि। | आपकी कोई तुलना (बराबरी) नहीं। |
| 6. | सत्ते / सरिपहुँ ! अपनेक काज बड़ सराहनीय / प्रशंसनीय अछि। | सचमुच आपका काम प्रशंसनीय है। |
| 7. | ई त' बड़ प्रसन्नताक गप्प अछि। | यह तो बड़ी खुशी की बात है। |
| 8. | सत्ते / सरिपहुँ ! ई बड़ दुखद गप्प अछि। | सचमुच, यह तो बड़े दुख की बात है। |
| 9. | वाह ! तोहर कंठस्वर त' बड़ सुरगर / मधुर छौ। | वाह ! तुम्हारा गला तो बहुत सुरीला है। |
| 10. | अपने बड़ साहसक / हिम्मतिक काज कयल। | आपने बड़े साहस का काम किया है। |
| 11. | हम अहाँक सफल / विजयी होएबाक / शुभेच्छा करैत छी। | मैं आपकी सफलता की कामना करता / करती हूँ? |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | ई बड़ चिन्ताजनक गप्प अछि। | यह बहुत चिंता की बात है। |
| 13. | अपनेकें कष्ट देलहुँ। क्षमा करब। | आपको कष्ट दिया, क्षमा कीजिएगा। |
| 14. | इस्स ! बड़ कष्ट भ' रहल छै। | ओह ! बहुत तकलीफ हो रही है। |
| 15. | ऍंह / एहेन होएत ! से त' हम कहियो सोचिओ नहिं सकैत छी। | हाय ! ऐसा होगा यह तो मैं सोच भी नहीं सकता / सकती। |

## (ii) स्नेह - वात्सल्य दर्शक / स्नेह - वात्सल्यसूचक सूचक

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आउ बाबू / बुची / एम्हर आउ। | आओ बेटा / बेटी ! इधर आओ। |
| 2. | तोहर की नाम छौ? अहाॅक की नाम अछि? | तुम्हारा नाम क्या है? |
| 3. | वाह ! बड़ नीक / बड़ दिब नाम छै। | वाह ! बहुत प्यारा नाम है। |
| 4. | जाउ, अपन बाबा / दादा लग चलि जाउ। | जाओ, अपने दादाजी के पास जाओ। |
| 5. | बड़ नीक बेटा (पूत) छै। | बड़ा अच्छा बेटा है। |
| 6. | बेस ! की तोरा गीत गेनाए सेहो अबैत छौ। | अच्छा ! क्या तुम गीत गाना भी जानती हो? |
| 7. | तों कोन किलास / कक्षामे पढ़ैत छें, बेटी? | तुम किस कक्षा में पढ़ती हो बेटी? |
| 8. | बड़ दुलारि / प्रियगर बेटी छै। | बहुत प्यारी बेटी है। |



| | | |
|---|---|---|
| 9. | बेटा / बौआ / तोहर स्कूलक की नाम छौ? | बेटा ! तुम्हारे स्कूल का क्या नाम है? |
| 10. | हम आदर्श विद्यालयमे पढ़ैत छी। | मैं आदर्श विद्यालय में पढ़ता / पढ़ती हूँ। |

## (iii) क्रोध - द्वेषदर्शक / क्रोध-द्वेष सूचक सूचक

| | | |
|---|---|---|
| 1. | तों ई नीक नहि (नै) केलें (कएलें)। | तुमने यह अच्छा नहीं किया। |
| 2. | हमरा ई सब एकोरत्ती नीक नहिं लगैत अछि। | मुझे यह सब एकदम पसंद नहीं है। |
| 3. | हम बड़ पितायल / तमसायल छी। | मैं बहुत नाराज हूँ। |
| 4. | निकलि (निकैल) जो एतएसँ। निकैल जो एत्तस'। | निकल जाओ यहाँ से। |
| 5. | हम तोहर कोनो गप्प नै सुनए चाहै छियौ / छी। | मैं तुम्हारी कोई भी बात सुनना नहीं चाहता / चाहती। |
| 6. | बकर - बकर नै / नहि कर। | बकवास मत करो। |
| 7. | मूरुख / बकलेल जकाँ गप्प नै / नहि कर। | मूर्खों की तरह बात मत करो। |
| 8. | तोरा त' काल्हि / कालि अएबा / एबा के चाहैत छलौ। तोरा 'त' काल्हिए एबा के चाहैत छलौ। | तुम्हें तो कल आना चाहिए था। |

| | | |
|---|---|---|
| 9. | हमरा तोरापर बड़ तामस आबि / आइब रहल अछि। | मुझे तुम पर बहुत गुस्सा आ रहा है। |
| 10. | तोरा एकरा लेल दंड भेटबाक चाही। | तुम्हें इसके लिए सजा मिलनी चाहिए। |
| 11. | बहुत भ' चुकल, बस्स ! आब आओर नै! / नहि। | बहुत हो चुका, बस और नहीं ! |
| 12. | तोरा लाज नै होइ छौ? | तुम्हें शर्म नहीं आती? |
| 13. | हमरासँ अपराध / त्रुटि भ' गेल। | मुझसे गलती हो गई है। |
| 14. | हमर क्षमा माँगब उचित छल। | मेरा क्षमा माँग लेना उचित था। |
| 15. | एहिसँ तों बचि नहि सकै छें। | इससे तुम बच नहीं सकते। |
| 16. | हम तोहर कोनो मदति नहि / नै क' सकैत छी। | मैं तुम्हारी कोई मदद नहीं कर सकता / सकती। |
| 17. | तोरा विरुद्ध हम सिकाइति करबौ। | तुम्हारे विरुद्ध मैं शिकायत करुँगा / करुँगी। |
| 18. | ई गपमारबाक स्थान / ठाम नहिं छै।<br>ई गप्प छाँटबाक स्थान नहिं छै। | यह गप्प मारने की जगह नहीं है। |
| 19. | हम तोरा देख लेबौ। | मैं तुमको देख लूँगा / लूँगी। |
| 20. | की चाही? | क्या चाहिए? |
| 21. | तों की कहए / बाजए चाहैत छें? | तुम क्या कहना चाहते / चाहती हो? |



## 5. कोनो परिचित'क घर — किसी परिचित के घर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आउ, आउ! भितर आउ ! | आइए - आइए, अंदर आइए। |
| 2. | ओह! कत्ते दिनक बाद भेंट भेल। | अरे ! कितने दिनों बाद मिले। |
| 3. | कोना / केना छी? | कैसे / कैसी हो? |
| 4. | घर / परिवार में सब कुशल मंगल? | घर में सब अच्छे हैं? |
| 5. | कखन एलौं (अयलहुँ) अहाँ? | आप कब आए? |
| 6. | ओतय सब नीकें त' छथि? | वहाँ सब ठीक तो हैं? |
| 7. | बस ! कहुना के' दिन कैट / कटि रहल अछि। | बस किसी तरह दिन कट रहे हैं। |
| 8. | की लेब? चाय/ चाह कि कॉफी? | क्या लेंगे चाय या कॉफी? |
| 9. | एक गिलास शीतल जल भेटत?<br>एक गिलास ठंढा पानि / पाइन भेटत? | एक गिलास ठंडा पानी मिलेगा? |
| 10. | बहुत दिनसँ भेंट नै भेल छल तें / ताहि लेल चैल / चलि अयलहुँ। | बहुत दिनों से मिलना नहीं हुआ, इसलिए चला आया / चली आई। |
| 11. | एकटा विशेष काजसँ / प्रयोजनसँ आयल छलहुँ। | एक विशेष काम से आया / आई हूँ। |
| 12. | आइ / आजु एतएसँ भोजन करि क' जायब।<br>आय अहिठामसँ भोजन कएकें जायब। | आज यहाँ से खाना खाकर जाइएगा। |
| 13. | नै, आइ किछु हड़बड़ीमे छी। | नहीं, आज कुछ जल्दी में हूँ। |

| | | |
|---|---|---|
| 14. | हमरा ओतए एक दिन आउ। | हमारे यहाँ एक दिन आइए। |
| 15. | दीदी ! प्रणाम ! नीकें छी ने? दीदी ! गोड़ लगैत छी ! नीकें छी ने? | दीदी, नमस्कार ! ठीक हैं? |
| 16. | धिया-पुता देखाय नहिं पड़ि रहल अछि? / धिया-पुता देखाय नै पैड़' रहल अछि?) | बच्चे दिखाई नहीं दे रहे हैं? |
| 17. | अहाँ / अपने कतए ठहरल छी? | आप कहाँ ठहरे हैं? |
| 18. | हम एकटा संबंधीकें घरमे ठहरल / रुकल छी। | मैं एक रिश्तेदार के घर ठहरा / ठहरी हूँ। |
| 19. | अहाँक मकान त' बड़ खुजल आ हवादार अछि। | आपका मकान तो बहुत खुला और हवादार है। |
| 20. | अहाँत' मधुबनीमे रहैत छी ने? | आप तो मधुबनी में रहते हैं, न। |
| 21. | फेर कहिया आयब? | फिर कब आएँगे? |
| 22. | आगाँसँ अही ठाम ठहरब। आगाँ आयब त' अही ठाम ठहरब / रुकब। | अगली बार आएँ तो यहीं ठहरिएगा। |
| 23. | की अहाँ आइये आपस भ' जेबै? की अहाँ आइये घुड़र / घूरि जेबै? | आप क्या आज ही लौट जाएँगे / जाएँगी? |
| 24. | नै, एक दू दिन रुकबै। | नहीं, एक- दो दिन ठहरूँगा / ठहरूँगी। |
| 25. | बेस ! नमस्कार / बेस ! प्रणाम | अच्छा नमस्कार। |



## 6. प्रवास — यात्रा

### (i) टैक्सी, ऑटो रिकसा — टैक्सी / ऑटो

| | | |
|---|---|---|
| 1. | टैक्सी वला / टेम्पो वला ! स्टेशन चलबहक? | टैक्सी वाले / ऑटो वाले ! स्टेशन चलोगे? |
| 2. | एतए टैक्सी मीटरकें की रेट छै? | यहाँ टैक्सी मीटर का रेट क्या है? |
| 3. | मीटरमे कतेक एत्तै? | मीटर में कितना आएगा? |
| 4. | सए टाका द' देब। | सौ रुपए दे दीजिएगा। |
| 5. | रुकू / ठहरू, हम अहीठाम उतरब। | ठहरिए, हम यहाँ उतरेंगे। |
| 6. | कत्तेक भेल? | कितना हुआ? |
| 7. | बामा दिस जा कए सोझे चलू। | बाईं ओर जा कर सीधा चलो। |
| 8. | टावर चौक चलू। | टावर चौक चलो। |
| 9. | लहेरियासराय टीसन जेबाके कतेक लेबहक? | लहेरिया सराय स्टेशन जाने का क्या लोगे? |
| 10. | गाड़ीक समय भ' चुकल छै, जल्दी चलू। | गाड़ी का समय हो गया है, जल्दी चलो। |
| 11. | कने / कनी अस्थिरे चलाब'। | जरा आहिस्ता चलाओ। |
| 12. | पाँच सए टाकाके खुदरा देब? | पाँच सौ रुपए के खुले देंगे? |
| 13. | नाइट चार्ज कखनसँ लगतै? | नाइट चार्ज कब से लगेगा? |
| 14. | बलभद्रपुरके कतेक लेबहक? | बलभद्रपुर का क्या लोगे? |
| 15. | टैक्सीकें दहिना कात रोकू। | टैक्सी को दाईं ओर रोको। |

| | | |
|---|---|---|
| 16. | कने रुकू। तुरंते अबैत छी। | थोड़ा ठहरो। अभी आता / आती हूँ। |
| 17. | टैक्सीकेँ भीतरे आनि / आइन लहक। | टैक्सी को अंदर ले आओ। |
| 18. | की, काल्हि भिनसरे छओ बजे होटलमे आबि सकैत छी / छ? | क्या कल सुबह छह बजे होटल में आ सकोगे? |

## (ii) रेलवे स्टेशन आ' रेलक यात्रा (जतरा) — रेलवे स्टेशन पर और रेल यात्रा

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आरक्षण कक्ष केम्हर छै? | आरक्षण कक्ष किस तरफ है? |
| 2. | बाबू, कुली चाही? | बाबू, कुली चाहिए? |
| 3. | नै, कुली / भरिया, नै चाही। | नहीं, कुली नहीं चाहिए। |
| 4. | पूछताछक' दफ्तर केम्हर छै? | पूछताछ कार्यालय किधर है? |
| 5. | गरीबरथ एक्सप्रेस कत्तेक नंबर प्लेटफार्मसँ छुटतै? | गरीबरथ एक्सप्रेस कितने नंबर प्लेटफार्म से जाएगी? |
| 6. | एगारह नंबर प्लेटफार्म केम्हर छै? | ग्यारह नंबर प्लेटफॉर्म किधर है? |
| 7. | कुली, ई सब पाँच नंबर प्लेटफार्मपर ल' चलू। | कुली, यह सब पाँच नंबर प्लेटफॉर्म पर ले चलो। |
| 8. | स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस कतेक विलंब छै? | स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस कितनी लेट है? |
| 9. | प्री-पेड टैक्सी स्टैंड केम्हर छै? | प्री-पेड टैक्सी स्टैंड किधर है? |
| 10. | की 'नीलांचल एक्सप्रेस' आबि / आइब गेलइ? | क्या 'नीलांचल एक्सप्रेस' आ गई है? |



| | | |
|---|---|---|
| 11. | की एतय 'आम्रपाली एक्सप्रेस' रुकै छै? | क्या यहाँ 'आम्रपाली एक्सप्रेस' रुकती है? |
| 12. | एतय कतेक काल धरि गाड़ी रुकतै? | यहाँ गाड़ी कितनी देर तक रुकेगी? |
| 13. | 'गंगासागर एक्सप्रेस' की इलाहाबादमे रुकै छै? | 'गंगासागर एक्सप्रेस' क्या इलाहाबाद में रुकती है? |
| 14. | पटना जेबा लेल कोन - कोन गाड़ी सब छै? | पटना जाने के लिए कौन-कौन सी गाड़ियाँ हैं? |
| 15. | 'राजधानी एक्सप्रेस' आइ दू घंटा विलंबसँ चलतै। | राजधानी एक्सप्रेस आज दो घंटे देर से चलेगी। |
| 16. | टिकस / टिकट घर केम्हर / कोन दिस छै? | टिकट घर किस ओर है? |
| 17. | अमानती समान घर केम्हर / कोन दिस छै? | अमानती सामान घर किस ओर है? |
| 18. | विश्राम घर / विराम घर केम्हर छै? | विश्राम घर किधर है? |
| 19. | प्लेटफारम टिकस कत्त भेटतै? | प्लेटफॉर्म टिकट कहाँ मिलेगा? |
| 20. | मुंबईकेँ ए. सी. फर्स्ट किलासक कतेक भाड़ा हेतै? | मुंबई का ए. सी. फर्स्ट क्लास का किराया कितना है? |
| 21. | 'पवन एक्सप्रेस'मे ए.सी. चेयर कार छै की? | क्या 'पवन एक्सप्रेस' में ए. सी. चेयर कार है? |
| 22. | प्रतीक्षा-कक्ष कोन दिस छै? | प्रतीक्षा कक्ष किस ओर है? |
| 23. | की, पंजाब मेलमे बीस तारीखक टिकस / टिकट भेट जेतै? | क्या पंजाब मेल में बीस तारीख का टिकट मिलेगा? |

| | | |
|---|---|---|
| 24. | नै, वेटिंग लिस्टमे हेतै। | नहीं, वेटिंग लिस्ट में होगा। |
| 25. | टाइम - टेबुल कत्त' भेटतैक? / टाइम - टेबुल कत्त' भेटतै? | टाइम-टेबल कहाँ मिलेगा? |
| 26. | 'बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस'मे दरभंगासँ दिल्ली धरिकें ए.सी.टू टीयरक भाड़ा कतेक हेतै? | 'बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस' में दरभंगा से दिल्ली के लिए ए.सी. टू टीयर का किराया कितना है? |
| 27. | की अपनेक / अहाँक आरक्षण अछि? | क्या आपका आरक्षण है? |
| 28. | नहि, हमर आरक्षण नै / नहि अछि। / नै, हमर आरक्षण नै ऐछ। | नहीं, मेरा आरक्षण नहीं है। |
| 29. | एहि कंपार्टमेंटमे जगह नहि छै / ऐ कंपार्टमेंटमे जगह नै छै। | इस कंपार्टमेंट में जगह नहीं है। |
| 30. | हँ, हमर आरक्षण अछि। | हाँ, मेरा आरक्षण है। |
| 31. | एस सिक्स कोच केम्हर पड़तै?/ एस सिक्स कोच केम्हर छै? | एस सिक्स कोच किधर पड़ेगा? |
| 32. | ई कोन टीसन छै? | यह कौन-सा स्टेशन है? |
| 33. | एकरा बाद कोन टीसन औतै? | इसके बाद कौन-सा स्टेशन आएगा? |
| 34. | कनी, खिड़की खोलि दियौ / कनी खिड़की खोइल दियौ। | जरा खिड़की खोल दीजिए। |
| 35. | कनी खिड़की बंद कए दियौ / कनी खिड़की बंद कैर दियौ। | जरा खिड़की बंद कर दीजिए। |
| 36. | निचुलका बर्थ हमर अछि / नीचुलका बर्थ हमर ऐछ। | नीचे की बर्थ मेरी है। |



| | | |
|---|---|---|
| 37. | की, पंखा बंद क' दिअ'? | क्या पंखा बंद कर दूँ? |
| 38. | अपने / अहाँ कत्त' धरि जेबै? / अपने / अहाँ कतए धैर जेबै? | आप कहाँ तक जाएँगे? |
| 39. | बरौनी, धरि। अपने / अहाँ? | बरौनी, आप? |
| 40. | हम जमशेदपुर धरि जायब। | मैं जमशेदपुर तक जाऊँगा। |
| 41. | की अपने / अहाँ ओही (ओतए) ठाम रहैत छी? | क्या आप वहीं रहते हैं? |
| 42. | नहि, हमर बालक ओतए नोकरी करैत छथि। | नहीं, मेरा बेटा वहाँ नौकरी करता है। |
| 43. | हम त' समस्तीपुरमे रहैत छी। | मैं तो समस्तीपुर में रहता हूँ। |
| 44. | बेटीकें सासुर, पटना गेल रही। | बेटी की ससुराल पटना गया था। |
| 45. | कतेक दिन पटनामे रहलहुँ? | कितने दिन पटना में थे? |
| 46. | एक सप्ताह ! बड़ दिनक बाद आयल छी ने। | एक सप्ताह ! बहुत दिनों बाद आया हूँ, न। |
| 47. | बड़ बदलि (बदैल) गेल छै, पटना। | बहुत बदल गया है पटना। |
| 48. | पटना, आब पहिलुका सन नहि रहल / पटना आब पहिलुका सन नै रहल। | पटना अब पहले जैसा नहीं रहा। |
| 49. | ट्रैफिक जाम आ प्रदूषण अहिठाम किछु बेसिए बढ़ल छै। हमरा सबसन बृद्धक लेल चलबा - फिरबामे बेसी दिक्कति भ' गेलइए। | ट्रैफिक जाम और प्रदूषण यहाँ कुछ ज्यादा ही बढ़ गया है। हम जैसे बुजुर्गों के लिए तो चलना - फिरना मुश्किल हो गया। |

| | | |
|---|---|---|
| 50. | जमशेदपुर अहाँके केहेन लगैत अछि? | जमशेदपुर आपको कैसा लगता है? |
| 51. | पटनाकें तुलनामे त' ओतएकें ट्रैफिक नीक छइए / छै। | पटना की तुलना में तो वहाँ ट्रैफिक अच्छा ही है। |
| 52. | हमरो सएह विचार अछि। | मेरा भी यही विचार है। |
| 53. | आउ! भोजन कए लइत छी / आउ! भोजन क', लइत छी। | आइए, खाना खा लेते हैं। |
| 54. | अहाँ / अपने भोजन करू। हम अपन खेनाइ सङ अनने छी। | आप खाइए, मैं अपना खाना साथ लाया हूँ। |
| 55. | बेस ! ट्रेन कतेक लेट चलि रहल छै? | अच्छा, ट्रेन कितनी लेट चल रही है? |
| 56. | एक घंटा तीस मिनट / डेढ़ घंटा। | एक घंटा तीस मिनट / डेढ़ घंटा। |
| 57. | रातिमे किंसाइत् मेक-अप कए लेतै / राइतमे, किंसाइत् मेक-अप करि लेतै। | रात में शायद मेक - अप कर लेगी। |
| 58. | अहाँ समस्तीपुरमे की करैत छी? | आप समस्तीपुर में क्या करते हैं? |
| 59. | सरकारी नोकरीमे छलहुँ, आब सेवानिवृत्त भ' गेल छी। | सरकारी नौकरी में था, अब सेवानिवृत्त हो गया हूँ। |

## (iii) मेट्रोरेल — मेट्रो रेल

| | | |
|---|---|---|
| 1. | दिल्लीमे पब्लिक यातायातक कोन-कोन सुविधा अछि? | दिल्ली में पब्लिक ट्राँसपोर्ट की कौन-कौन सी सुविधाएँ हैं? |



| | | |
|---|---|---|
| 2. | दिल्लीमे एक ठामसँ दोसर ठाम जेबालेल ऑटो रिक्सा, डी.टी.सी. बस, टैक्सी आ' मेट्रोकें उपयोग क' सकै छी। | दिल्ली में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने के लिए आप डी.टी. सी. बस, टैक्सी, ऑटो एवं मेट्रो रेल आदि का उपयोग कर सकते हैं। |
| 3. | की, सम्पूर्ण शहरमे मेट्रोक सुविधा छैक? | क्या यहाँ पूरे शहर में मेट्रो की सुविधाएँ हैं? |
| 4. | हँ, सम्पूर्ण शहरमे रेड, येलो, ग्रीन, पर्पल एवं ब्लू लाइनक उपयोग कएल जा सकैत अछि। | हाँ, पूरे शहर में रेड, येलो, ग्रीन, पर्पल एवं ब्लू लाइन का उपयोग किया जा सकता है। |
| 5. | भाइजी, हमरा एयरपोर्ट जेबाक अछि। की हम मेट्रोसँ एयरपोर्ट जा सकैत छी? | भाई जी / साहब, मुझे एयरपोर्ट जाना है, क्या मैं मेट्रो द्वारा एयरपोर्ट जा सकता हूँ? |
| 6. | हँ, हँ, एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेससँ हवाई अड्डा जा सकैत छी। | हाँ, एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस द्वारा हवाई अड्डे जा सकते हैं। |
| 7. | मेट्रोक लेल टिकट कत्त' भेटतै? | मेट्रो के लिए टिकट कहाँ से मिलेगी? |
| 8. | अहाँ मेट्रो स्टेशनके टिकट काउंटरसँ, एबा-जेबाके टिकट एके बेर ल' सकैत छी। | आप मेट्रो स्टेशन के टिकट काउंटर से आने-जाने का टिकट एकसाथ ले सकते हैं। |
| 9. | मेट्रो रेल पूर्णतया वातानुकूलित छैक। | मेट्रोरेल पूरी तरह से एयरकंडीशन्ड है। |
| 10. | मेट्रो रेलसँ यात्राक लेल टिकट आ स्मार्ट कार्ड दूनू प्रकारक सुविधा छैक। | मेट्रो रेल से यात्रा करने के लिए टिकट और स्मार्ट कार्ड दोनों प्रकार की सुविधाएँ हैं। |
| 11. | आइ-काल्हि जनता मेट्रो रेलक विदेश सन सुविधाक बड़ लाभ उठा रहल अछि। | आज कल जनता मेट्रो रेल की विदेश जैसी सुविधा का भरपूर लाभ उठा रही है। |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | मेट्रो रेलसँ द्वारकासँ - नोएडा धरिकें दूरी घंटा भरिमे तय भ' जाइ छै। | मेट्रो रेल से द्वारका से नोएडा तक की दूरी एक घंटे में तय हो जाती है। |
| 13. | मेट्रो रेलसँ यात्रा करबासँ समय आ' द्रव्यके बचत होइत अछि। | मेट्रो रेल से यात्रा करने से समय और पैसे की बचत होती है। |
| 14. | मेट्रो रेल त' अजुका समयमे दिल्लीके लाइफ-लाइन बनि गेल अछि। | मेट्रो रेल तो आज के समय में दिल्ली की 'लाइफ लाईन' बन गयी है। |

## (iv) बसक यात्रा (जतरा) बस यात्रा

| | | |
|---|---|---|
| 1. | बस अड्डा कोन दिस छै? / बस अड्डा केम्हर छै? | बस अड्डा किस तरफ है? |
| 2. | कतए जेबै? / कत्त' जायब? | कहाँ जाएँगे / जाएँगी? |
| 3. | मधुबनी जेबा लेल बस अहाँकें अही ठामसँ भेटत। | मधुबनी जाने के लिए बस आपको इसी जगह से मिलेगी। |
| 4. | मधुबनी के एक टा टिकस / टिकट दिअ'। | मधुबनी का एक टिकट दीजिए। |
| 5. | जनकपुर कोन बस जेतै? | जनकपुर कौन-सी बस जाएगी? |
| 6. | अहि / अइ ठामसँ जनकपुरके बस नहि भेटत। | यहाँ से जनकपुर के लिए बस नहीं मिलेगी। |
| 7. | कोनो आन बससँ जयनगर धरि चलि जाउ, ओत'सँ बड़ सवारी छै, जनकपुरक' लेल। | किसी और बस से जयनगर तक चले जाइए। वहाँ से जनकपुर के लिए बहुत सी गाड़ियाँ हैं। |



| | | |
|---|---|---|
| 8. | कुशेशर स्थानक बस कत्त'सँ भेटतै? | कुशेश्वर स्थान के लिए बस कहाँ से मिलेगी? |
| 9. | बूझल नहि अछि, सोझाँ / सामने जा' क' पता करु / पूछि लिअ'। | पता नहीं, सामने जाकर पूछिए। |
| 10. | टिकस घर कोम्हर छै? | टिकट घर किधर है? |
| 11. | बसमे जा' क' बैसू, आ कंडक्टरसँ टिकस लिअ'। | बस में जाकर बैठिए और कंडक्टर से टिकट लीजिए। |
| 12. | कमतौल के टिकस / भाड़ा कतेक छै? | कमतौल का टिकट / किराया कितना है? |
| 13. | कंडेक्टर साहब ! कमतौल एला पर हमरा कहि देब। | कंडक्टर साहब ! कमतौल आने पर मुझे बता दीजिएगा। |
| 14. | हमरा अगिलका स्टॉप पर उतारि दिअ' / हमरा अगुलका स्टॉप पर उतारि दिअ'। | मुझे अगले स्टॉप पर उतार दीजिए। |
| 15. | बोकारो जेबा लेल बस कत्त'सँ भेटतै? | बोकारो जाने के लिए बस कहाँ से मिलेगी? |
| 16. | कैदराबादसँ सबतरिक बस भेटत। | कैदराबाद से सब जगह जाने के लिए बसें मिलेंगी। |
| 17. | सिलीगुड़ी जेबाक लेल कत्त'सँ बस पकड़बै? | सिलीगुड़ी जाने के लिए कहाँ से बस पकड़ेंगे? |
| 18. | कृपया, अपन पाँतिमे ठाढ़ रहू। | कृपया अपनी लाइन में खड़े हो जाइए। |
| 19. | नेपालक' लेल कत्तसँ सवारी भेटतै? | नेपाल के लिए बस (सवारी) कहाँ से मिलेगी? |

20. जयनगर चलि जाउ। ओही ठामसँ सब प्रकारक सवारी भेटत। | जयनगर चले जाइए। वहीं से सभी तरह की सवारियाँ मिल जाएँगी।

## (v) विमान यात्रा / हवाई जहाजक यात्रा (जतरा) — विमान यात्रा

1. इंडियन एअर लाइंसक कार्यालय कत्त' छै? बता सकैत छी? | इंडियन - एअर लाइंस का कार्यालय कहाँ है बता सकते / सकती हैं?

2. पटनामे एकटा कार्यालय छै। | पटना में एक कार्यालय है।

3. बेंगलुरुक उड़ान कत्ते बजे क' छै? | बेंगलुरू की उड़ान कितने बजे की है?

4. दिल्ली जाय बला विमान उड़बामे विलंब होयत। | दिल्ली जाने वाले विमान को जाने में विलंब होगा।

5. दिल्लीके भाड़ा कतेक छै? | दिल्ली का किराया कितना है?

6. की जहाज सोझे चैन्नै जेत्तै ? | क्या जहाज सीधे चेन्नै जाएगा?

7. नै, भुवनेश्वर भ' क' जेतै। | नहीं, भुवनेश्वर होकर जाएगा।

8. हँ, सीधे चेन्नै जेतै। | हाँ, सीधा चेन्नै जाएगा।

9. चेन्नैसँ एबा - जेबाके (दूनू पीठक) भाड़ा कतेक छै? | चेन्नै से आने - जाने का किराया कितना है?

10. हम तत्काल टिकस कखन ल' सकैत छी? | हम तत्काल टिकट कब ले सकते हैं?

11. आब यात्रा (जतरा)के तारीखसँ दू दिन पहिनहि अहाँ तत्काल टिकस ल' सकैत छी। | अब यात्रा की तारीख से दो दिन पहले आप तत्काल टिकट ले सकते हैं।





12. कोलकाताक उड़ान' आइ की विलंबसँ जेतइ? | कोलकाता की उड़ान क्या आज देर से जाएगी?

13. दिल्लीके जहाज कखन जेतइ? | दिल्ली का जहाज कब जाएगा?

14. मुंबईसँ आब' वला हवाई जहाज आइ चालीस मिनट विलंबसँ पहुँचत / आयत। | मुंबई से आने वाला विमान आज चालीस मिनट देरी से पहुँचेगा।

## (vi) जल प्रवास / यात्रा / परिवहन / पानि / पाइनक यात्रा (जतरा) — जल यात्रा

1. एतय 'शिपिंग कार्पोरेशनक' ऑफिस कतए छै? | यहाँ शिपिंग कॉर्पोरेशन का ऑफिस कहाँ है?

2. पोर्ट - ब्लेयर जेबामे जहाजसँ कतेक समय (काल) लगतै? | पोर्ट - ब्लेयर जाने में जहाज से कितना समय लगेगा?

3. एतएसँ गोवा जेबा के, केबिनक किराया कतेक लगतैक? | यहाँ से गोवा जाने का केबिन किराया कितना लगेगा?

4. अगिला जहाज कखन जेतै, की एकर अग्रिम (अगुबार) सूचना भेटतैक? | अगला जहाज कब जाएगा, क्या इसकी अग्रिम सूचना मिलेगी?

5. ई जहाज कोलकाता कखन घुरतै / आपस हेतै। | यह जहाज कोलकाता कब लौटेगा?

6. की 'एम.वी.हर्षवर्धन' जहाजक टिकस अग्रिम (अगुबार) भेट सकैत छै? | क्या 'एम.वी.हर्षवर्धन' जहाज का टिकट अग्रिम मिल सकता है?

| | | |
|---|---|---|
| 7. | हम 'डेक'पर जाय रहल छी। | मैं 'डेक'पर जा रहा / रही हूँ। |
| 8. | की एतए नेबो भेटतै? | क्या यहाँ नींबू मिलेगा? |
| 9. | अहाँकें उपरका (उपरबला) डेकपर नेबो भेटत। | आपको ऊपर के डेक पर नींबू मिलेगा। |
| 10. | हम पहिल श्रेणीके यात्री छी / हम पहिल कोटिक यात्री छी। | मैं पहले दर्जे में यात्रा कर रहा हूँ। |
| 11. | बंदरगाहक लगमे / लग-पासमे कोनो नीक होटल छै? | बंदरगाह के समीप क्या कोई अच्छा होटल है? |
| 12. | उतरलाक बाद दाहिना कात एकटा नीक होटल भेटत। | उतरकर दाहिनी ओर एक अच्छा होटल मिलेगा। |
| 13. | नै, एतय कोनो नीक होटल नै छै। | नहीं, यहाँ कोई अच्छा होटल नहीं है। |
| 14. | नहि, (नै) मुदा एकटा नीक रेस्तराँ छै। | नहीं, लेकिन एक अच्छा रेस्तराँ है। |

## (vii) रास्ता पर / बाट पर — सड़क पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की, एकटा गप्प पूछि सकैत छी? | क्या एक बात पूछ सकता / सकती हूँ? |
| 2. | कहू ! हम अहाँके की मदति क' सकैत छी / कहू ! हम अहाँके की मदैत कय सकैत छी। | कहिए मैं आपकी क्या मदद कर सकता / सकती हूँ? |
| 3. | बेला, कोना गेल जेतै? | बेला कैसे जाना होगा? |
| 4. | बेलामे अहाँ कतए जेबइ? | बेला में आप कहाँ जाएँगे / जाएँगी? |



| | | |
|---|---|---|
| 5. | हम 'मिथिला यूनिवर्सिटी' जायब। | मैं 'मिथिला यूनिवर्सिटी' जाऊँगा / जाऊँगी। |
| 6. | अहिठामसँ 'मिथिला यूनिवर्सिटी' के लेल अहाँके बस नहि भेटत। | यहाँ से 'मिथिला यूनिवर्सिटी' के लिए आपको बस नहीं मिलेगी। |
| 7. | बस कतएसँ भेटतै? | बस कहाँ से मिलेगी? |
| 8. | सोझाँ जाक' दाहिना कात 'दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल' छै, ओहि ठामसँ भेटत। | सामने जाकर दाईं ओर 'दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल' है, वहाँ से मिलेगी। |
| 9. | धन्यवाद! | धन्यवाद! |
| 10. | की, ई रस्ता (रास्ता) नरगौना पैलेस जाइत छै? | क्या यह रास्ता नरगौना पैलेस जाता है? |
| 11. | हँ', सीधे जा' क' बाम दिस मुड़ि जाउ। | हाँ, सीधे जाकर बाईं ओर मुड़ जाइए। |
| 12. | एहि रास्ता के की नाम छै? / एहि बाट के की नाम छै? | इस रास्ते का क्या नाम है? |
| 13. | ई महराजी पुल वाला बाट छै। | यह महराजी पुल वाला रास्ता है। |
| 14. | 'पीपुल्स बुक हाउस' की अही / एही रस्तामे छै? | 'पीपुल्स बुक हाउस' क्या इसी रास्ते पर है? |
| 15. | हँ', 'साड़ी घर'के सोझाँमे छै। | हाँ, साड़ी घर के सामने है। |
| 16. | शहीद भगत सिंह चौराहा केम्हर छै? | शहीद भगत सिंह चौराहा किधर है? |
| 17. | दाहिना दिस मुड़ि क' सीधे चलैत जाउ! | दाईं ओर मुड़कर सीधे चले जाइए। |

| | | |
|---|---|---|
| 18. | लगीचे छै। पाएरें सेहो जा सकैत छी। | नजदीक ही है। पैदल भी जा सकते / सकती हैं। |
| 19. | एतए सँ टैक्सीमे जा सकैत छी। | यहाँ से टैक्सी में जा सकते / सकती हैं। |
| 20. | लग -पासमे कोनो चाहक दोकान छै? | आस - पास में कोई चाय की दुकान है? |
| 21. | पाछाँ छोड़ि आयल छी। | पीछे छोड़ आए हैं। |
| 22. | 'पीपुल्स बुक हाउसक' बाहरे एक टा चाहक दोकान छै। | 'पीपुल्स बुक हाउस' के बाहर ही एक चाय की दुकान है। |
| 23. | की'ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी'आजु (आइ) बन्द छै? | क्या 'ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी' आज बंद है? |



## 7. पूछताछ / पुछारि — पूछताछ

### (i) कत्त' (कतए), कोम्हर — कहाँ, किधर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | पूछताछ कक्ष कत्त' (कतए) छै? | पूछताछ कक्ष कहाँ है? |
| 2. | हमरा एकटा रोड - मैप चाही, कत्त' भेटतै? | मुझे एक रोड-मैप चाहिए, कहाँ मिलेगा? |
| 3. | सोझाँ एकटा किताबक दोकान छै, ओहीठाम भेटत। | सामने एक पुस्तक की दुकान है, वहीं मिलेगा। |
| 4. | सेंट्रल लाइब्रेरी कोन दिस पड़तै?/ सेंट्रल लाइब्रेरी कोम्हर छै? | सेंट्रल लाइब्रेरी किस ओर पड़ेगी? |
| 5. | आजाद मैदान कोन दिस पड़तै? | आजाद मैदान किस ओर पड़ेगा? |
| 6. | कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय कोन दिस पड़ैत छै ? | कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय किस ओर पड़ेगा ? |
| 7. | राम जानकी अस्पताल कतए (कत्त') छै? | राम जानकी अस्पताल कहाँ है? |
| 8. | डॉक्टर साहब / कत्त' गेलखिन?/ कतए /कत्त' गेल छथिन्ह ? | डॉक्टर साहब कहाँ गए हैं? |
| 9. | ओकील साहब कखन औथिन्ह?/ ओकील साहब कखन घुरथिन्ह? | वकील साहब कब लौटेंगे? |
| 10. | पुलिस चौकी (नाका) एत'सँ कोन दिस छै? | पुलिस चौकी यहाँ से किस ओर है ? |
| 11. | एतए सब्जीमंडी / तरकारी मंडी कत्त' छै? | यहाँ सब्जी - मंडी कहाँ है? |

## (ii) कोना, कतेक, कखन — कैसे, कितना, कब

| | | |
|---|---|---|
| 1. | दरभंगासँ लहेरियासराय कतेक दूर छै? | दरभंगा से लहेरिया सराय कितनी दूर है? |
| 2. | एत्त' बजार कखन खुजै छै? | यहाँ बाजार कब खुलता है? |
| 3. | आलूके की भाओ / मोल छै? / की भाओ आलू? | आलू क्या भाव है? |
| 4. | टमाटर कोना दै छहक? / टमाटर कोना दै छियै? | टमाटर कैसे दिए? |
| 5. | आम कतेक टाका दर्जन / किलो छै? | आम कितने रुपए दर्जन / किलो हैं? |
| 6. | अहाँक / अपनेक बाबूजी कोना छथि? | आपके पिताजी कैसे हैं? |
| 7. | बाबूजीक' स्वास्थ्य नीक नै छन्हि। चिकित्सा चलि रहल छन्हि। / दवाइ-दारू चलि (चैल) रहल छन्हि। | पिताजी का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। चिकित्सा चल रही है। |
| 8. | आब अहाँ / अपने कोना छी? | अब आप कैसे / कैसी हैं? |
| 9. | पटना जेबाक' लेल अंतिम बस कखन खुजतै? | पटना जाने के लिए आखिरी बस कब जाती है? |
| 10. | नाटक केहेन लागल? | नाटक कैसा लगा? |
| 11. | किताब पढ़ि क' (पैढ़) केहेन लागल? | किताब पढ़ कर कैसा लगा? |
| 12. | शॉल कतेकमे मोल लेलहुँ? | शॉल कितने में खरीदी? |



| | | |
|---|---|---|
| 13. | माला कतेक दाममे भेटल? | माला कितने में मिली? |
| 14. | पोलाव कोना बनबै छियै? / पोलाव कोना बनै छै? | पुलाव कैसे बनाते हैं? |
| 15. | एहि (अइ) कमीजक दाम कतेक? | इस कमीज का क्या दाम है? |
| 16. | कतेक बेर भेलै? / कतेक (कत्ते) बजलै? | क्या समय हुआ है? / कितने बजे हैं? |
| 17. | दवाइखाना कखन खुजै छै? | दवाखाना कब खुलता है? |
| 18. | भिनसरे दस बजे खुजै छै आ' राति (रैत) नौ बजे बन्न भ' जाय छै। | सुबह दस बजे खुलता है और रात नौ बजे बंद होता है। |
| 19. | की चाही? | क्या चाहिए? |
| 20. | ई स्मारक केकर छै? | यह स्मारक किसका है? |
| 21. | ई महल के बनौने छल? | यह महल किसने बनवाया था? |
| 22. | एत्त' कोन - कोन दर्शनीय स्थल छै?/ देखबा योग्य स्थान छै ? | यहाँ कौन - कौन से दर्शनीय स्थान हैं? |
| 23. | आजुक समारोहमे के सब आबि (ऐब) रहल छथि ? | आज के समारोह में कौन - कौन आ रहे हैं? |
| 24. | ओइ / ओहि घरमे कतेक लोक छै? | उस घर में कितने लोग हैं? |

## 8. धर्मशाला / धरमसाला धर्मशाला

| | | |
|---|---|---|
| 1. | एत' ल'ग-पासमे कोनो धरमसाला छै? | यहाँ नजदीक में कोई धर्मशाला है? |
| 2. | नै, अहि / एही ठाम, कोनो धरमसाला नै छै। | नहीं, यहाँ कोई धर्मशाला नहीं है। |
| 3. | हँ, पुअर होम ल'ग एकटा धरमसाला छै। | हाँ, पुअर होम के पास एक धर्मशाला है। |
| 4. | अग्रवाल धरमसाला कतए छै? | अग्रवाल धर्मशाला कहाँ है? |
| 5. | बाम दिस चारितल्ला मकान छै / बामा कात चाइरतल्ला मकान छै। | बाईं ओर चार मंजिला मकान है। |
| 6. | कहू! की चाही? | कहिए क्या चाहिए? |
| 7. | की, दू दिनक लेल एकटा कोठरी (कोठली) भेटतै? | क्या, दो दिनों के लिए एक कमरा मिलेगा? |
| 8. | आजु राति भरिक' लेल एकटा कोठरी (कोठली) भेट सकैत अछि? | आज रात के लिए एक कमरा मिल सकता है? |
| 9. | नै, कोनो कोठरी त' खाली नै छै। | नहीं, कोई कमरा खाली नहीं है। |
| 10. | एकटा विछाओन / विछान खाली छै। | एक बेड खाली है। |
| 11. | की, अहाँ एसगरे / एकसरे छी वा, सङ्मे कियो आओर छथि? | क्या आप अकेले / अकेली हैं, या साथ में कोई और है? |
| 12. | नै, हम एसगरे / एसकरे छी। | नहीं, मैं अकेला / अकेली हूँ। |



| | | |
|---|---|---|
| 13. | नै, सङ्मे हमर स्त्री / पत्नी छथि। | नहीं, साथ में मेरी पत्नी है। |
| 14. | नै, सङ्मे हमर एकटा मित्र छथि / नै, सङ्मे हमर एकटा संगी छथि। | नहीं, साथ में मेरे एक मित्र हैं। |
| 15. | हम एकटा बिछाओन / बिछान द' सकैत छी। | हम एक बेड दे सकते हैं। |
| 16. | धन्यवाद ! एखन त' हमर काज चलि जायत। | धन्यवाद, फिलहाल हमारा काम चल जाएगा। |
| 17. | बिछाओनक / बेडक/भाड़ा कतेक लगतै? | बेड का भाड़ा / किराया कितना लगेगा? |
| 18. | एक गोटे के 50 टाका आ' अतिरिक्त लोकक लेल 25 टाका प्रतिदिन। | एक व्यक्ति के लिए 50 रुपए / अतिरिक्त व्यक्ति के लिए 25 रुपए प्रतिदिन। |
| 19. | हॉलमे जगह छै। ओतए ठहरि सकैत छी। | हॉल में जगह है, वहाँ ठहर सकते हैं। |
| 20. | हॉलक भाड़ा / किराया कतेक छै? | हॉल का भाड़ा / किराया कितना है? |
| 21. | हॉलमे किराया नै लगैत छै / हॉल नि:शुल्क छै। | हॉल में किराया नहीं लगेगा। हॉल नि:शुल्क है। |
| 22. | भाड़ा त' नै लागत, किछु दान द' सकैत छी। | भाड़ा तो नहीं लगेगा। कुछ दान दे सकते हैं। |
| 23. | की अहिठाम भोजनके सेहो व्यवस्था छै? | क्या यहाँ खाने की भी व्यवस्था है? |
| 24. | हँ, शाकाहारी (वैष्णव भोजन) भेटत। | हाँ, शाकाहारी भोजन मिलेगा। |

| | | |
|---|---|---|
| 25. | नै, अहि / एहि ठाम भोजनक कोनो व्यवस्था नहिं छै। | नहीं, यहाँ खाने की कोई व्यवस्था नहीं है। |
| 26. | वैष्णव भोजनक लेल 15 टाका एक व्यक्तिक खेनाइ के लागत। | शाकाहारी भोजन के लिए प्रति व्यक्ति 15 रुपए लगेंगे। |
| 27. | गेटक' बाहरि एकटा भोजनालय छै। | गेट के बाहर एक भोजनालय है। |
| 28. | धरमसालामे कोनो तरहक निसाँ केनाइ मना छै। | धर्मशाला में किसी भी प्रकार का नशा करना मना है। |
| 29. | गंगास्नान करय चाहै छी त' धरमसालाक' पाछाँ दिस जा सकैत छी। | गंगा स्नान करना चाहें तो धर्मशाला के पीछे की ओर जा सकते हैं। |
| 30. | धरमसालाक' मुख्य दरबज्जा / दरबाजा रातिमे बन्न (बन्द) भ' जाइत छै। | धर्मशाला का मुख्य द्वार रात में बंद हो जाता है। |



## 9. होटल — होटल

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मैनेजर साहब कत्त' / कतए छथि? | मैनेजर साहब कहाँ हैं? |
| 2. | आबि रहल छथि, कने प्रतीक्षा करू। | आ रहे हैं, जरा इंतजार कीजिए। |
| 3. | हँ, कहू। | हाँ, कहिए। |
| 4. | एकटा कोठरी (कोठली) चाही। | एक कमरा चाहिए। |
| 5. | सिंगल बेड वा डबल बेड वाला? | सिंगल बेड या डबल बेड वाला? |
| 6. | सिंगल बेड वाला कोठरी (कोठली) चाही। | सिंगल बेड वाला कमरा चाहिए। |
| 7. | नै, कोनो सिंगल बेड वाला कोठरी (कोठली) खाली नै छै। | नहीं, सिंगल बेड वाला कमरा खाली नहीं है। |
| 8. | दू बिछाओन / बिछान बला कोठरीक रेट / भाड़ा की ? | दो बिस्तर वाले कमरे का रेट क्या है? |
| 9. | कॉमन बाथ छै वा अटैच? | कॉमन बाथ या अटैच बाथ? |
| 10. | अटैच बाथक 300 / टाका प्रतिदिनक। | अटैच बाथ का 300 / रुपए प्रतिदिन। |
| 11. | आ' कॉमन बाथ'क? | और कॉमन बाथ का? |
| 12. | कॉमन बाथके 180 टाका प्रतिदिन। | कॉमन बाथ का 180 / रुपए प्रतिदिन। |
| 13. | कतेक दिनक लेल चाही? | कितने दिनों के लिए चाहिए ? |
| 14. | तीन दिनक लेल। | तीन दिन के लिए। |

| | | |
|---|---|---|
| 15. | नै, आजु (आइ) त', कोनो कोठरी खाली नै छै। | नहीं, आज कोई कमरा खाली नहीं है। |
| 16. | अहाँ सबहक 'चेक आउट' टाइम की अछि? | आप लोगों का चेक आउट टाइम क्या है? |
| 17. | भिनसर नौ बजे। | प्रात: नौ बजे। |
| 18. | बेस , हम काल्हि भिनसरे आयब। | ठीक है, मैं कल सवेरे आऊँगा / आऊँगी। |
| 19. | कने, कोठरी देख सकैत छी? | जरा, कमरा देख सकता हूँ? |
| 20. | हँ, अवस्य। बैरा, साहेबकें / श्रीमानकें चारि नंबरक कोठरी देखा दहुन। | हाँ, अवश्य। बैरा, साहब को 4 नंबर का कमरा दिखा दो। |
| 21. | आर कोनो नीक कोठरी नै छै? | और कोई अच्छा कमरा नहीं है? |
| 22. | तखन त' अहाँके तेसर महला (तिमंजिला) पर लिअ' पड़त (लेब' पड़त)। | तब तो आपको तीसरी मंजिल पर लेना होगा। |
| 23. | कोठरी देखलौं, नीके छै, सामान पठा दियौ। | कमरा देखा, ठीक ही है, सामान भिजवा दीजिए। |
| 24. | ई लिअ' चाभी / कुंजी। | यह लीजिए चाबी। |
| 25. | बाथरूममे गरम पानि भेटतै? / बाथरूममे गरम पाइन भेटतै? | बाथरूम में गरम पानी मिलेगा? |
| 26. | हँ,' बाथरूममे गीजर छै। | हाँ, बाथरूम में गीजर है। |
| 27. | श्रीमान / साहब, भोजन की कोठरीएमे / कोठलीएमे लेबै, वा, नीचा डाइनिंग हॉलमे? | साहब, खाना क्या कमरे में ही लेंगे या नीचे डायनिंग हॉल में लेंगे? |



| | | |
|---|---|---|
| 28. | दिनका खेनाय / खेनाइ (लंचमे) की खेबै श्रीमान? | लंच में क्या खाएँगे, सर? |
| 29. | मांसाहारी भोजनमे की सब भेटतै? | मांसाहारी भोजन में क्या - क्या मिलेगा? |
| 30. | फिश, चिकेन (माछ, मुर्गा) | फिश, चिकेन। |
| 31. | वैष्णव भोजन ल''आब' / आनू। | शाकाहारी भोजन ले आइए। |
| 32. | की, एत्त' मैथिली समाचार - पत्र भेटतै? | क्या यहाँ मैथिली समाचार - पत्र मिलेगा? |
| 33. | हँ 'मिथिला टाइम्स' भेटत। | हाँ, 'मिथिला टाइम्स' मिलेगा। |
| 34. | की, एत्त' कत्तौ (कतहु) कोनो 'लांड्री' छै? | क्या यहाँ कहीं कोई लांड्री है? |
| 35. | हँ,' ल'गेमे छै। | हाँ, पास में ही है। |
| 36. | हम आब बाहर जा रहल छी, साँझमे घूरब। | मैं अब बाहर जा रहा / रही हूँ, शाम को लौटूँगा / लौटूँगी। |
| 37. | मि. दास आबैथ / आबथि त' हुनका सीधा (सोझे) यूरोपीयन गेस्ट हाउस चलि अबै लेल कहबैन्ह। | मि. दास लौटें तो उन्हें सीधा यूरोपीयन गेस्ट हाऊस चले जाने को कहिए। |
| 38. | एकटा साहब अहाँ सँ भेंट करबा लेल आयल छलाह, अपन पता द' गेलाह'। | एक साहब आपसे मिलने आए थे अपना पता दे गए हैं। |
| 39. | रातिके भोजन की भेटतै? | रात को खाना क्या मिलेगा? |
| 40. | सोहारी, पूड़ी, दालि (दैल), भात, तरकारी, दही, पापड़ भेटत। | रोटी, पूरी, दाल, चावल, सब्जी, दही, पापड़ मिलेगा। |

| | | |
|---|---|---|
| 41. | की एत्तए (एतए) इडली वा दोसा भेटतै? | क्या यहाँ इडली या दोसा मिलेगा? |
| 42. | नै, अहि ठाम, नै भेटत। | नहीं, यहाँ नहीं मिलेगा। |
| 43. | भिनसर जलखैमे सूजीके हलुआ वा उपमा भेटतै? | सुबह नाश्ते में सूजी का हलवा या उपमा मिलेगा? |
| 44. | काल्हि भिनसरे हम चलि जायब / कैल भिनसरे हम चैल जायब। | कल सुबह ही मैं चला जाऊँगा। |
| 45. | हमर बिल तैयार क' देब। | मेरा बिल तैयार कर दीजिए। |
| 46. | बेस, बरौनी पसेंजर दरिभंगासँ कखन खुजतै? | अच्छा, बरौनी पसेंजर दरभंगा से कब खुलती है? |
| 47. | की अहाँ ल'ग रेलवे टाइम टेबुल अछि? | क्या आपके पास रेलवे टाइम टेबल है? |
| 48. | आइ (राति) रैतक' भोजन हम नै करब। | आज रात को मैं खाना नहीं खाऊँगा। |
| 49. | हम भिनसरे छौ / छओ बजे जायब एकटा टैक्सीके लेल कहि देबै। | मैं सुबह छह बजे जाऊँगा / जाऊँगी एक टैक्सी के लिए बोलकर रखना। |
| 50. | नीचा किओ (क्यो) अहाँ / अपनेसँ भेंट करबालेल आयल छथि, की पठा दियन्हि? | नीचे कोई आपसे मिलने आए हैं, क्या भेज दूँ? |
| 51. | हँ,' पठा दियौन्ह। | हाँ, भेज दीजिए। |
| 52. | हमर समान / सामान टैक्सीमे रखवा दियौ। | मेरा सामान टैक्सी में रखवा दीजिए। |
| 53. | एत' (एत्तए)सँ हवाइ अड्डा धरि जेबामे कतेक समय लगतै? | यहाँ से हवाई अड्डे तक जाने में कितना समय लगेगा? |



## 10. रेस्तराँ / जलपान गृह — रेस्तराँ / जलपान गृह

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की, ई सीट खाली छै? | क्या यह सीट खाली है? |
| 2. | हँ, खालिएछै, बैसू। | हाँ, खाली है, बैठिए। |
| 3. | बैरा, मेनू ल' आ'/ आब'। | बैरा, मेनू ले आओ। |
| 4. | की, एतए मांसाहारी भोजन भेटतै? | क्या यहाँ मासाहारी भोजन मिलेगा? |
| 5. | गरम की छौ / छ'? | गरम क्या है? |
| 6. | एखन गरम किछुओ नहि छै? | अभी गरम कुछ नहीं होगा। |
| 7. | कचौड़ी, सिंघाड़ा, कचरी, मीठ समोसा, छोले - भटूरे गरम छै। | कचौड़ी, समोसा, पकौड़े, मीठा समोसा, छोले - भटूरे गरम हैं। |
| 8. | सोहारी, परोठा, रोटी, फुल्की, भाकरी (चाउरक रोटी) मे सँ की छै? | रोटी, पराँठा, चपाती, भाकरी (चावल की रोटी) में से क्या है? |
| 9. | सोहारी, परोठा छै, रोटी, फुल्की, भाकरी (चाउरक रोटी) नै छै। | रोटी, पराँठा है। चपाती, भाकरी (चावल की रोटी) नहीं है। |
| 10. | दू टा गुलाब जामुन दिअ'। | दो गुलाब जामुन दीजिए। |
| 11. | बैरा, मेज साफ करि / कए दही / दहक। | बैरा, मेज साफ कर दो। |
| 12. | ठंढा पानि नै छै? ठंढा पानि दे / दहक। (ठंढा पानि दे)। | ठंडा पानी नहीं है? ठंडा पानी दो। |
| 13. | दू टा गरम कचौड़ी दिअ'। | दो गरम कचौड़ियाँ दो। |
| 14. | कचौड़ी त' गरम नै हेतै, समोसा (सिंघाड़ा) दिअ'? | कचौड़ी तो गरम नहीं होगी, समोसा दूँ? |

| | | |
|---|---|---|
| 15. | नै ठंढे द' दिअ'। | नहीं, ठंढा ही दे दीजिए। |
| 16. | एहिमे पियौज त' नै छै? | इसमें प्याज तो नहीं है? |
| 17. | एकटा तरल माछ आ'रुमाली रोटी दिअ'। | एक फिश फ्राइ और रुमाली रोटी दीजिए। |
| 18. | रुमाली रोटी त' नै छै, चाउरक रोटी छै। | रुमाली रोटी तो नहीं है चावल की रोटी होगी। |
| 19. | भात भेटतै? | चावल (भात) मिलेगा? |
| 20. | नै, फ्राइड राइस, जीरा राइस, दही राइस छै। | नहीं, फ्राइड राइस, जीरा राइस, दही राइस है। |
| 21. | एक कप चाह / चाय / कॉफी दिअ'। | एक कप चाय / कॉफी दीजिए। |
| 22. | बिल ल'आब'। | बिल ले आओ। |
| 23. | तिरानवे टाका पचास पैसा | तिरानवे रुपए पचास पैसे। |
| 24. | ई ले' सौ / सए टाका। | यह लो, सौ रुपए। |
| 25. | पेमेंट काउंटर पर करू, श्रीमान। | पेमेंट काउंटर पर कीजिए, सर। |
| 26. | पाँच सए टाका के खुदरा त' नै छै। | पाँच सौ रुपए का छुट्टा तो नहीं है। |
| 27. | सौ / सए के नोट दिअ'/ नमरी दिअ'। | सौ का नोट दीजिए। |
| 28. | हमरो लग सए के नोट नहि अछि। | मेरे पास भी सौ का नोट नहीं है। |
| 29. | ई नोट फाटल छै, एकरा बदलि दिअ'। | यह नोट फटा हुआ है इसे बदल दीजिए। |





## 11. ऋतु / वातावरण मौसम

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आय (आजु) काल्हि दार्जिलिंगके मौसम केहेन छै? | आजकल दार्जिलिंग का मौसम कैसा है? |
| 2. | एखन दार्जिलिंगमे बड़ ठंढा छै की? | दार्जिलिंग में क्या अभी बहुत ठंड है? |
| 3. | दिसंबरमे हम पूर्णिया वा पोखरा (नेपाल) जेबै। | दिसंबर में मैं पूर्णिया या पोखरा (नेपाल) जाऊँगा। |
| 4. | आय / आजु बड़ जाड़ छै / आय बड़ ठंढी छै। | आज बहुत ठंड है। |
| 5. | की एखन मसूरी गेल जा सकैत अछि? | क्या अभी मसूरी जाया जा सकता है? |
| 6. | मसूरीमे त' एखन बरफ खसैत छै। | मसूरी में अभी बर्फ पड़ रही है। |
| 7. | नागपुरमे एखन गरमी केहेन छै? | नागपुर में अभी गरमी कैसी है? |
| 8. | आय / आजु बड़ धूप छै / आय बड़ रौद छै। | आज बहुत धूप है। |
| 9. | दार्जिलिंग, गंगतोकमे सितंबर, अक्टूबर मासमे मौसम सोहनगर रहैत छैक। | दार्जिलिंग, गंगतोक में सितंबर - अक्टूबर में मौसम सुहावना रहता है। |
| 10. | दिसपुरमे एखन बड़ गरमी छै। | दिसपुर में अभी बहुत गरमी है। |
| 11. | एखन जयपुर जेबा योग्य (जोग) मौसम नै छै। | अभी जयपुर जाने योग्य मौसम नहीं है। |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | धौन्ह (धुंध) लागल छै, बस छुटबामे विलंब हेतए। | कोहरा घना है, बस चलने में देर होगी। |
| 13. | एखन ऋतु परिवर्तनक' कारणें सावधानी सँ रहू। | अभी ऋतु परिवर्तन के कारण सावधानी से रहें। |
| 14. | धुन्धक खातिर (कारण) किछुओ नै देखाय पड़ि रहल छै / अछि | कोहरे के कारण कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। |
| 15. | कड़गर मेघ लागल छै / घनगर बादरि पसरल छै। | घने बादल छाए हैं। |
| 16. | बरखा होमए वला छै, छाता ल'जाउ। | बारिश होने वाली है, छतरी ले जाइए। |
| 17. | टिपिर - टिपिर भ' रहल छै। | बूँदा - बाँदी हो रही है। |
| 18. | भीषण बरखा भ' रहल अछि। | जोर की बारिश हो रही है। |
| 19. | बरफसँ रास्ता सब झँपा गेल छै। | बर्फ से रास्ते ढँक गए हैं। |
| 20. | चारू दिस गाछ बरफसँ झाँपल छै। | चारों ओर पेड़ बर्फ से ढँके हैं। |
| 21. | बरखामे भिजबासँ ठंढा लागि गेलए। | बारिश में भीगने से ठंड लग गई है। |
| 22. | बिजुरी बड़ तेज चमैक रहल छै। | बिजली तेज चमक रही है। |
| 23. | एखन बरखा नहि थम्हलै। | अभी बारिश रुकी नहीं। |
| 24. | दुपहरि धरि रौदे नै निकललै। दुपहैर धैर रौद नहिए ने निकललै। | दोपहर तक तो धूप ही नहीं निकली। |



| | | |
|---|---|---|
| 25. | दिल्लीकें कल्हुका तापमान कतेक छल? | दिल्ली में कल तापमान कितना था? |
| 26. | रौदसँ आबिक' पैन (पानि) नै पिअब / पिउब। | धूप से आकर पानी मत पिओ। |
| 27. | बनारसमे दिल्लीसँ कम ठंढी छै। | बनारस में दिल्ली से कम ठंड है। |
| 28. | आसमान / आकाश एखन तुरंते साफ भेलै। | आसमान अभी - अभी साफ हुआ है। |
| 29. | सोझाँ बला गाछ फूलसँ लुधकल छै। | सामने वाला पेड़ फूलों से लदा है। |
| 30. | भिनसरेसँ बादरि गरजि रहल छै/ भिनसरेसँ मेघ गरैज रहल छै। | सुबह से बादल गरज रहे हैं। |
| 31. | भीषण बरखाक'कारण ट्रैफिक जाम भ' गेलए। | भारी वर्षा के कारण ट्रैफिक जाम हो गया है। |
| 32. | बरखा नै भेलाक कारणे सुखाड़/ रौदी पड़ि गेल छै। | बारिश न होने के कारण सूखा पड़ गया है। |
| 33. | बरखा नै भेलाक कारण खेती-बाड़ी के बड़ नोकसान भेलैए (क्षति भेलय)। | बारिश न होने के कारण खेती को बड़ी हानि पहुँची है। |
| 34. | खेतिहर (किसान) सब बड़ व्याकुल भ' बरखाक बाट ताकि रहल छैक। | किसान बड़ी बेचैनी से बारिश की प्रतीक्षा कर रहे हैं। |

## 12. समय, दिन आ' हफ्ता (सप्ताह) समय, दिन और सप्ताह

| | | |
|---|---|---|
| 1. | कत्ते बजलै? | कितने बजे हैं? / क्या बजा है? |
| 2. | साढ़े पाँच। | साढ़े पाँच। |
| 3. | एगारह बजबामे दस मिनट बाँचल छै। | ग्यारह बजने में दस मिनट बाकी हैं। |
| 4. | हमरा भिनसरे-भिनसर उठबाके हिसख नै अछि। | मुझे सवेरे जल्दी उठने की आदत नहीं है। |
| 5. | हम भिनसरे जल्दी उठि जाय छी। / हम भिनसरे उठैत छी / हम कौआ बाजएसँ पहिने उठैत छी। | मैं सुबह जल्दी उठता / उठती हूँ। |
| 6. | आजु (आय) कोन दिन छै? | आज कौन-सा वार है? |
| 7. | हम काल्हि आयल छलहुँ। | मैं कल आया था / आई थी। |
| 8. | तों परसू आबह / अहाँ परसू आउ। | तुम परसों आओ। |
| 9. | हम परसू अहाँकें फोन केने छलहुँ। | मैंने परसों आपको फोन किया था। |
| 10. | नै, काल्हि हम घरपर नहि छलहुँ। | नहीं, कल मैं घर पर नहीं था / थी। |
| 11. | हँ,' काल्हि हम घरेपर रहब। | हाँ, कल मैं घर पर ही रहूँगा। |
| 12. | काल्हि (कैल) हम दिल्लीसँ घुरलहुँ। | कल मैं दिल्ली से लौटा / लौटी हूँ। |
| 13. | की, कैल (काल्हि) अपनेक छुट्टी छल? | क्या कल आपकी छुट्टी थी? |



| | | |
|---|---|---|
| 14. | अगिला हफ्ता हम छुट्टीपर रहब। | अगले सप्ताह मैं छुट्टी पर रहूँगा / रहूँगी। |
| 15. | अहि हफ्ता हम बड़ व्यस्त रहब। | इस सप्ताह मैं बहुत व्यस्त रहूँगा / रहूँगी। |
| 16. | कैल (काल्हि) हमर बालकक जन्मदिन अछि। | कल मेरे लड़के का जन्मदिन है। |
| 17. | पछिला हफ्ता एतए बड़ बरखा भेल छलै। | पिछले सप्ताह यहाँ बहुत बारिश हुई थी। |
| 18. | आबएबला (आगामी) 15 अगस्तकें बाबूजी कोलकाता घुरता। | अगले 15 अगस्त को पिताजी कोलकाता लौटेंगे। |
| 19. | अगिला हफ्ता रमन भाय / भाइ नासिक जेता। | अगले हफ्ते रमण भाईसाहब नासिक जा रहे हैं। |
| 20. | अहि बेर दियाबाती / दिवालीक छुट्टीमे हम सब उत्तर भारतक भ्रमणपर जा रहल छी। | इस बार दीपावली की छुट्टियों में हम उत्तर भारत के भ्रमण पर जा रहे हैं। |
| 21. | हम किछु दिनक बाद दिल्ली जा रहल छी। | मैं कुछ दिनों बाद दिल्ली जा रहा / रही हूँ। |
| 22. | जरूरी काजसँ बाबूजी आय बाहर गेल छथि। | जरुरी काम से पिताजी आज बाहर गए हैं। |
| 23. | नै, ओ कालि (काल्हि) दुपहरियामे घुरता। | नहीं, वे कल दोपहर को लौटेंगे। |
| 24. | वैद्यनाथधाम जेबालेल बस प्रतिदिन रातिकें' खुजै छै। | वैद्यनाथधाम जाने वाली बस रोज रात को चलती है। |

| | | |
|---|---|---|
| 25. | 'ताज एक्सप्रेस' नित्यप्रातः दिल्लीसँ आगरा जाइत अछि आ साँझें घुइर / घुरि अबैत अछि। | 'ताज एक्सप्रेस' रोज प्रात: दिल्ली से आगरा जाती है और शाम को लौटती है। |
| 26. | हमर कार्यालयमे प्रत्येक शनि, आ' रवि (शैन आ रैब) के छुट्टी रहैत अछि। | हमारे कार्यालय में हर शनिवार और रविवार को छुट्टी रहती है। |
| 27. | कृपया अपने दू - तीन हफ्ताक बाद भेंट करू। | कृपया आप दो - तीन हफ्ते बाद मिलें। |
| 28. | ओ एखने तुरंत बाहर निकैल / निकलि गेला। | वे अभी - अभी बाहर निकल गए हैं। |



## 13. खेलक मैदानमे — खेल के मैदान में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | ओलंपिकमे भारतीय हॉकी टीमक खेल बड़ नीक / शानदार रहल। | ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का खेल शानदार रहा। |
| 2. | एहि बेर' डूरंड मैचमे कोन-कोन टीम आबि रहल छै? | इस बार डूरंड मैच में कौन–कौन सी टीम आ रही है? |
| 3. | अगिला टेस्ट मैच कखन आ' कत्त' हेतइ (हेतै)? | अगला टेस्ट मैच कब और कहाँ होगा? |
| 4. | क्रिकेट देसी खेल सबकें नास / सत्यानास क' देलकै। | क्रिकेट ने देशी खेलों को बरबाद कर दिया है। |
| 5. | अभिनव बिंद्रा भारत'क लेल निशानेबाजी / शूटिंगमे प्रथम ओलंपिक गोल्ड मेडल जितलक। | अभिनव बिंद्रा ने भारत के लिए निशानेबाजी / शूटिंग का पहला ओलंपिक गोल्ड मेडल जीता है। |
| 6. | गोलकी त' कमाल क' देलकै। | गोल कीपर ने कमाल कर दिया। |
| 7. | फुटबॉलक मैच केकरा–केकरा मध्य भ' रहल छै? | फुटबॉल का मैच किनके-किनके बीच हो रहा है? |
| 8. | पहिल गोल के केलकै? | पहला गोल किसने किया? |
| 9. | आइ 'फ्रेंच ओपन टेनिस'क फाइनल मैच रोजर फेडरर आ' राफेल नडाल मध्य होमए बला छै। | आज 'फ्रेंच ओपन टेनिस' का फाइनल मैच रोजर फेडरर और राफेल नडाल के बीच होने वाला है। |
| 10. | पेस–भूपतीक' जोड़ी 'फ्रेंच ओपन डबल्स टेनिसक' सेमी फाइनल राउंडमे पहुँचल। | पेस–भूपती की जोड़ी 'फ्रेंच ओपन डबल्स टेनिस' की सेमी फाइनल राउंड में पहुँची। |

| | | |
|---|---|---|
| 11. | भारतीय महिला हॉकी टीम ओलंपिकमे, सिल्वर मेडल जितलक। | भारतीय महिला हॉकी टीम ने ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीता। |
| 12. | आइ स्टेडियममे बड़ भीड़ छै। | आज स्टेडियम में काफी भीड़ है। |
| 13. | अहाँके कोन खेल सबसँ बेसी पसिन्न पड़ैत अछि? | आपको कौन-सा खेल सबसे अच्छा लगता है? |
| 14. | हमरा वालीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो–खो सबसँ बेसी पसिन्न अछि। | मुझे वालीबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो–खो सबसे ज्यादा पसंद है। |
| 15. | एहि खेलमे भारतक प्रदर्शन सराहनीय रहल। | इस खेल में भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा। |



## 14. अस्पतालमे — अस्पताल में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अस्पतालक पूछताछ काउंटर केम्हर छै? | अस्पताल का पूछताछ काउंटर किधर है? |
| 2. | एतय कोन रोग सबहक विशेषज्ञ छथि? | यहाँ किन–किन रोगों के विशेषज्ञ हैं? |
| 3. | हम दंत-चिकित्सककें देखाब' चाहैत छी। | मैं दंत चिकित्सक को दिखाना चाहता / चाहती हूँ। |
| 4. | की एतय निःशुल्क चिकित्साक' सुविधा छै? | क्या यहाँ निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा है? |
| 5. | नै, एतय निःशुल्क (खैराती) इलाजक सुविधा नै छै। | नहीं, यहाँ पर निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा नहीं है। |
| 6. | ऑपरेशन थिएटर केम्हर छै? | ऑपरेशन थिएटर किस ओर है? |
| 7. | की हमरा डॉक्टरक बेसी काल धरि प्रतीक्षा करय पड़त? | क्या मुझे डॉक्टर का बहुत देर तक इंतजार करना पड़ेगा? |
| 8. | की विशेषज्ञ चिकित्सक प्रतिदिन अबैत छथि? | क्या विशेषज्ञ चिकित्सक प्रतिदिन आते हैं? |
| 9. | नै, विशेषज्ञ चिकित्सक हफ्तामे दू दिन अबैत छथिन्ह। | नहीं, विशेषज्ञ चिकित्सक सप्ताह में दो दिन आते हैं। |
| 10. | की एतए दवाइ निःशुल्क भेटै छै वा बाहरसँ लेबए पड़तै? | क्या यहाँ दवाइयाँ मुफ्त मिलती हैं या बाहर से लेनी होंगी? |
| 11. | की एत्त' खून / मल / मूत्र' थूकखखारक जाँच करबेबाक' सुविधा छै? | क्या यहाँ रक्त / मल / मूत्र / थूक की जाँच करने की सुविधा है? |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | नै, एत्त' ई सुविधा नै छै। | नहीं, यहाँ यह सुविधा नहीं है। |
| 13. | तखन की, ई सब बाहरसँ करबए पड़तै? | तब क्या ये सब बाहर से कराने होंगे? |
| 14. | हँ', लगहिमे जाँचक बेबस्था छै। | हाँ नजदीक ही जाँच की व्यवस्था है। |
| 15. | ई लिअ प्रिसक्रिप्सन; जल्दी सँ दवाइ ल' क' आउ। | यह लीजिए प्रिसक्रिप्सन जल्दी से दवाइयाँ लेकर आइए। |
| 16. | देखू, रोगीकें दवाइ नीक जकाँ खुआबए पड़त। | देखिए रोगी को दवाइयाँ ठीक प्रकार से खिलानी होंगी। |
| 17. | एहि दवाइके कोनो खराप असरि / साइड इफेक्ट त' नै छै? | इस दवाई का कोई बुरा असर / साइड इफेक्ट तो नहीं है? |
| 18. | डाक्टरी जाँचक रिपोर्ट कखन भेटतै? | डॉक्टरी जाँच की रिपोर्ट किस समय मिलेगी? |
| 19. | एक्स-रे कराबए लेल केम्हर जाए पड़तै? | एक्स-रे कराने के लिए किस ओर जाना होगा? |
| 20. | कनि आगाँ जा' क' बामा कात चलि जाउ। | थोड़ा आगे जाकर बाईं ओर जाइए। |
| 21. | डॉक्टर साहब, हमर गरा' / गलामे दर्द अछि। | डॉक्टर साहब, मेरे गले में दर्द है। |
| 22. | हमरा बोखार सन लागि रहल अछि। | मुझे बुखार–सा लग रहा है। |
| 23. | हमरा घुरमी आबि रहल अछि। | मुझे चक्कर आ रहे हैं। |
| 24. | हमर पेट खराप अछि। | मेरा पेट खराब है। |
| 25. | चिंताके कोनो गप्प नै छै। | चिंता की कोई बात नहीं है। |



| | | |
|---|---|---|
| 26. | हमर बेटाके पयरमे चोट लागि गेल छै। | मेरे बेटे के पैर में चोट लगी है। |
| 27. | हमर बेटीके हाथ कैट (कटि) गेल छै। | मेरी बेटी का हाथ कट गया है। |
| 28. | ओकर पाँजरिमे दर्द छै। | उसकी पसली में दर्द है। |
| 29. | चिंता जुनि करु, सब नीक भ' जेतै। | चिंता न करें, सब ठीक हो जाएगा। |
| 30. | कनि, एक बेर देख लैतियै। | एक बार जरा देख लीजिए। |
| 31. | दवाइ दिनमे कतेक बेर लेबए पड़तै? | दवाई दिन में कितनी बार लेनी होगी? |
| 32. | दिनमे तीन बेर लिअ'। | दिन में तीन बार लें। |
| 33. | ई दवाइ कत्ते दिन धरि खाय पड़तै? | यह दवाई कितने दिन खानी होगी? |
| 34. | खेनाय-पिनायमे कोनो परहेज हेतै की? | खाने के बारे में क्या कोई परहेज है? |
| 35. | हँ,' खटाइ (आमिल), मिर्ची, आ' तरल-भुजल चीज नै खायब। | हाँ, खटाई, मिर्ची और तली हुई चीजें मत खाइए। |
| 36. | पट्टी बंधवेबा लेल की काल्हि आबए पड़तै? | पट्टी बँधवाने के लिए क्या कल आना होगा? |
| 37. | हँ,' एक बेर, आउ। | हाँ, एक बार आइए। |
| 38. | की, अहाँ घरपर सेहो मरीज के देखैत छियै? | क्या आप घर पर भी रोगियों को देखते हैं? |
| 39. | हँ,' देखैत छियै। | हाँ, देखता हूँ। |

| | | |
|---|---|---|
| 40. | हमर माताजी दुखित छथिन्ह, की अहाँ आय साँझके घर आबि हुनका देख सकैत छी? | मेरी माताजी बीमार हैं, क्या आप उन्हें देखने आज शाम को घर आ सकेंगे? |
| 41. | हँ', बेस! हम अवस्स आयब। हमरा लेबा लेल अहाँ साँझके एतए आबि जाउ। | हाँ, मैं अवश्य आऊँगा। मुझे लेने आप शाम को यहाँ आइए। |
| 42. | धन्यवाद। | धन्यवाद। |



## 15. वैद्यक (डॉक्टरक') सङ — वैद्य / डॉक्टर के साथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | डाक्टर साहेब हमर कंठ दुखाइ अछि। | डॉक्टर साहब मेरे गले में दर्द है। |
| 2. | हमरा ज'र जकाँ बुझा' पड़ैए। | मुझे बुखार-सा लग रहा है। |
| 3. | हमरा घुरमा लगैत अछि। | मुझे चक्कर आ रहे हैं। |
| 4. | हमर पेट खराप अछि। | मेरा पेट खराब है। |
| 5. | चिंताक कोनो गप्प नहि। | चिंता की कोई बात नहीं है। |
| 6. | हमर बेटाक पएरमे चोट लागि गेल। | मेरे लड़के के पैर में चोट लगी है। |
| 7. | हमर बेटीक हाथ कटिगेल अछि। | मेरी लड़की का हाथ कट गया है। |
| 8. | ओकर कन्हा दुखाइ छै। | उसके कंधे में दर्द है। |
| 9. | चिंता नै करू, सभ ठीक भ' जाएत। | चिंता न करें, सब ठीक हो जाएगा। |
| 10. | एक बेर कनी देख लियौ। | एक बार जरा देख लीजिए। |
| 11. | दवाइ दिनमे कतेक बेर लेबाक छै? | दवाई दिन में कितनी बार लेनी होगी? |
| 12. | दिनमे तीन बेर लिअ'। | दिन में तीन बार लें। |
| 13. | ई दवाइ कतेक दिन खाय पड़तैक। | यह दवाई कितने दिन खानी होगी? |
| 14. | स्वस्थ हेबा तक लैत रहू। | स्वस्थ होने तक लेते रहिए। |
| 15. | खेनाइ-पिनाइमे किछु परहेज? | खाने के बारे में क्या कोई परहेज है? |

| | | |
|---|---|---|
| 16. | हँ', खटाइ, अम्मत, मरिचाइ आ त'रल वस्तु नै खाउ। | हाँ, खटाई, मिर्च और तली हुई चीजें मत खाइए। |
| 17. | पट्टी बन्हवैले की काल्हि आब' पड़त। | पट्टी बँधवाने के लिए क्या कल आना होगा? |
| 18. | हँ', एक बेर आउ। | हाँ, एक बार आइए। |
| 19. | की अहाँ डेरो पर रोगीकें देखैत छिऐक। | क्या आप घर पर भी रोगी देखते हैं? |
| 20. | हँ', देखैत छिऐक। | हाँ, देखता हूँ। |
| 21. | हमर माय दुखीत छथि। की हुनका देखै लेल आइ साँझमे अहाँ हमरा ओत' आबि सकैत छी? | मेरी माताजी बीमार हैं, क्या उन्हें देखने आप आज शाम को घर आ सकेंगें? |
| 22. | हँ', हम आएब। हमरा लेबाक हेतु अहाँ साँझमे आउ। | हाँ, मैं आऊँगा। मुझे लेने आप शाम को यहाँ आइए। |
| 23. | धन्यवाद! | धन्यवाद। |



## 16. ऐनक / चसमाक दोकानदारसँ — ऐनक-साज़ के साथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | चसमाके नीक फ्रेम अछि? | चश्मे का अच्छा फ्रेम है? |
| 2. | हँ,' अछि। | हाँ, है। |
| 3. | की दाम हेतए? / की दाम छै? | क्या कीमत है? |
| 4. | कतेक तरहक छै। आ' फराक-फराक दामक छै। | कई तरह के है और अलग-अलग कीमतों/दाम के हैं। |
| 5. | पहिने अहाँ पसिन्न क' लिअ' फेर दाम कहि देब। | पहले आप पसंद कर लीजिए फिर दाम / कीमत बता देंगे। |
| 6. | की एत्त' आँखिके / नजरिक सेहो जाँच होइत छै? | क्या यहाँ आँखों की जाँच भी करते हैं? |
| 7. | हँ', 'आँख (आँखि) के जाँचकेलाक बादे हम चसमा दैत छियै। | हाँ, आँखों की जाँच करके ही हम चश्मा देते हैं। |
| 8. | जौं अहाँ हमरेसँ चसमा बनबायब, त' आँखिक जाँच मोफतमे क' देब। | अगर आप हमसे ही चश्मा बनवाएँगे तो आँखों की जाँच मुफ्त / निःशुल्क कर देंगे। |
| 9. | फ्रेम हल्लुक हो, मुदा गाढ़ रंगक होए त नीक हेतै। | फ्रेम हल्का हो, पर गाढ़े रंग का हो तो अच्छा होगा। |
| 10. | की अहाँ लग सबटा हलुके रंग'क फ्रेम अछि? | क्या आपके पास सब हल्के रंग के फ्रेम हैं? |
| 11. | नै, गाढ़ रंगके सेहो छै। | नहीं, गाढ़े रंग के भी हैं। |
| 12. | फ्रेम बड़ टाइट (सक्कत) / ढील भ' गेल छै। | फ्रेम बहुत टाइट / ढीला हो गया है। |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | दिअ', ठीक कए दैत छी। | दीजिए, ठीक कर देता हूँ। |
| 14. | की, अहाँ लग ' धूपक' (रौदवला) चसमा सेहो अछि? | क्या आपके पास धूप के चश्मे भी हैं? |
| 15. | हँ', 'ओहो छै। | हाँ, वह भी है। |





## 17. नोकरक' सङ — नौकर के साथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | आलू, परोड़, कोबी, पियौज आ' आदी अनिहे / अनिहक। | आलू, परवल, गोभी, प्याज और अदरक लाना। |
| 2. | कोन बजारसँ आनू? | किस बाजार से लाऊँ? |
| 3. | पेठियासँ ल' आब'/ आनू। | हाट से ले आओ। |
| 4. | बेस, ओही ठामसँ ल' अबै छी/ आनै छी। | ठीक है, वहीं से लाऊँगा। |
| 5. | एत्त' आउ / आब', एम्हर आउ / आब'। | यहाँ आओ। |
| 6. | कहू / बाजू । | कहिए। |
| 7. | बाजार / हाट / पेठियासँ किछु तरकारी ल' आ / आब'। | बाजार से कुछ सब्जी ले आओ। |
| 8. | की सब आन' पड़तै? / की सब आनए के हेतै? | क्या-क्या लाना होगा? |
| 9. | हमरा भिनसरे पाँच बजे उठा दिहें/ दिह'। | मुझे सवेरे पाँच बजे जगा देना। |
| 10. | चिट्ठीके लेटर-बॉक्समे खसा क' आ / आब'। | चिट्ठी को लेटर बॉक्स में डाल आओ। |
| 11. | कपड़ा-लत्ता नीकसँ धोइहें / धोइह'। | कपड़े अच्छी तरह धोना। |
| 12. | चाह बना / बनाब'। | चाय बनाओ। |
| 13. | चीनी बेसी नै दिहै / दिह'। | चीनी अधिक मत डालना। |

| | | |
|---|---|---|
| 14. | की, खेनाइ (भोजन) बनि चुकल अछि? / की भोजन तैयार अछि? | क्या खाना बन गया है? |
| 15. | वर्माजीके ई चेक द' अबहुन। | वर्माजी को यह चेक दे आओ। |
| 16. | की आइ तों घरकें साफ - सुथरा (झाड़ू - बहारु) नहिं केलहक / केलही? | क्या तुमने आज घर की सफाई नहीं की? |
| 17. | कुर्सी, टेबुल पोइछ दही / दहक। | कुर्सी - मेज पोंछ दो। |
| 18. | परदा झीक दही / दहक। | पर्दा खींच दो। |
| 19. | बिछाओन बिछा दही / दहक। | बिस्तर लगा दो। |
| 20. | उलौंच बदलि दही / दहक'। | चादर बदल दो। |
| 21. | एकटा साफ तौलिआ दे। | एक साफ तौलिया दो। |



## 18. टेलीफोन / मोबाइल फोनपर गप्प-सप्प — टेलीफोन/ मोबाइल फोन पर बातचीत

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हम्मर फोन खराप छै। | मेरा फोन खराब है। |
| 2. | कृपा कए क' / कष्ट कय के सिकाइत लिख लिअ'। | कृपया शिकायत लिख लीजिए। |
| 3. | कनी शीघ्र ठीक करबाक व्यवस्था करबै। | जरा जल्दी ठीक कराने की व्यवस्था कीजिएगा। |
| 4. | नई दिल्ली रेल स्टेशन'क पूछ-ताछ कार्यालयक फोन नंबर की छै? | नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पूछताछ कार्यालय का फोन नंबर क्या है? |
| 5. | कनी नंबर मिला दिअ'। | जरा नंबर मिला दीजिए। |
| 6. | लाइन खाली नै छै। | लाईन खाली नहीं है। |
| 7. | कनी प्रतीक्षा करू। | थोड़ी प्रतीक्षा करें। |
| 8. | हैलो ! प्रोफेसर मंडल घरपर छथि? | हैलो ! क्या, प्रोफेसर मंडल घर पर हैं? |
| 9. | अहाँ / अपने के बाजि रहल छी? | आप कौन बोल रहे / रही हैं? |
| 10. | हम प्रोफेसर मंडलजीक शिष्य / शिष्या बाजि रहल छी। | मैं प्रोफेसर मंडल जी का शिष्य / शिष्या बोल रहा / रही हूँ। |
| 11. | अहाँ कतयसँ बाजि रहल छी? | आप कहाँ से बोल रहे / रही हैं? |
| 12. | हम एल. एन. एम. यू सँ बाजि रहल छी। | मैं एल. एन. एम. यू. से बोल रहा / रही हूँ। |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | की श्री / श्रीमती वर्मा घरमे छथि? | क्या श्री / श्रीमती वर्मा घर पर हैं? |
| 14. | हँ' छथिन्ह, कनी रुकू! ओ, आबि रहल छथि। | हाँ, हैं, जरा रुकिए वे आ रहे / रही हैं। |
| 15. | हँ', छथिन्ह त,' मुदा कनी थम' पड़त। | हाँ हैं, पर जरा प्रतीक्षा करें। |
| 16. | हँ', छथिन्ह त' मुदा अपने आध घंटाके बाद फोन करब। | हाँ, हैं लेकिन आप आधे घंटे बाद फोन कीजिएगा। |
| 17. | नै, ओ घरपर नै छथिन्ह / नै, ओ घरमे नै छथिन्ह। | नहीं, वे घर पर नहीं हैं। |
| 18. | तखन फेर अहाँ कहू जे हम कतेक बजे फोन करी। | तो फिर आप बताइए मैं कितने बजे फोन करूँ? |
| 19. | ओ साँझ छौ / छओ बजे के बाद अहाँ / अपनेकें फोनपर भेट सकैत छथि। | वे शाम छह बजे के बाद आपको फोन पर मिल सकेंगे। |
| 20. | की हमरा हुनक मोबाइल फोनक नंबर भेट सकैत अछि? | क्या मुझे उनके मोबाइल फोन का नंबर मिल सकेगा? |
| 21. | हँ', लिअ'। | हाँ, लीजिए। |
| 22. | नै, ओ मोबाइल फोन नै रखैत छथि / ओ मोबाइलके व्यवहार नै करैत छथि। | नहीं, वे मोबाइल फोन का प्रयोग / इस्तेमाल नहीं करते हैं। |
| 23. | हैलो ! कृपया हमरा एल.एन. एम.यू के मैथिली विभागाध्यक्षक फोन नंबर द' दिअ'। | हैलो ! कृपया मुझे एल.एन.एम.यू के मैथिली विभागाध्यक्ष का फोन नंबर दे दें। |
| 24. | की, नेहाजी घरपर छथिन्ह? | क्या नेहाजी घर पर हैं? |



| | | |
|---|---|---|
| 25. | नै, ओ घरपर नै छथि। | नहीं, वे घर पर नहीं हैं। |
| 26. | की हुनका ई खबरि द' देबैन? / ई सूचना द' देबैन्ह? | क्या उन्हें यह खबर दे देंगे? |
| 27. | कृपया हुनका हमरा फोन करए लेल कहबैन्ह। | कृपया, उन्हें फोन करने के लिए कहिए। |
| 28. | अपनेक / अहाँकें बड़ धन्यवाद। | आपका बहुत - बहुत धन्यवाद। |

## 19. जूता बनबए वला / मोचीक सङ — मोची के साथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | जूता सबपर पालिस क' दहक / क' दे। | जूतों पर पॉलिश कर दो। |
| 2. | नीक जकाँ पॉलिस करिहें/ करिह'। | अच्छी तरह पॉलिश करना। |
| 3. | जूताके तल्ली लगबेबाक अछि। | जूते की तली लगवानी है। |
| 4. | चप्पलके औंठा टूईट गेल छै / सी दही / सी दहक। | चप्पल का अँगूठा टूट गया है, सिल दो। |
| 5. | सिलाइ क' दहक / दही। | सिलाई कर दो। |
| 6. | जूतामे काँटी नै ठोकबहक / ठोकिहें। | जूतों में कील मत लगाना। |
| 7. | तोरा ल'ग कारी फित्ता छ'/छौ। | तुम्हारे पास काले तस्मे हैं। |
| 8. | जूता पर क्रीम - पॉलिस कए दहक। | जूतों पर क्रीम - पॉलिश कर दो। |
| 9. | कोल्हापुरी चप्पलके पॉलिस कराबए के कतेक लगतै? | कोल्हापुरी चप्पल की पॉलिश कराने का कितना होगा? |
| 10. | पन्दरह टाका / पनरह टाका। | पंद्रह रुपए। |
| 11. | खूब चमका दही / दहक। | खूब चमका दो। |
| 12. | की तोरा ल'ग नीक सोल छ'? / की तोरा लग नीक सोल होएत? | क्या तुम्हारे पास अच्छा सोल है? |
| 13. | एहि चप्पलके सोल (तल्ली) लगेबाक कतेक पाइ हेतै? | इस चप्पल के सोल लगाने के कितने पैसे होंगे? |



| | | |
|---|---|---|
| 14. | दू सोलके मिला क' तीस टाका। | दो सोल को मिला कर तीस रुपए। |
| 15. | बेसी छै, कनी कम क' दहक। | ज्यादा है, कुछ कम करो। |
| 16. | अट्ठाइस टाका द' दीअ', 'बहिनजी / बहिनी। | अट्ठाईस रुपए दे दो, बहनजी। |
| 17. | नै, पचीस टाकामे करहक। | नहीं, पच्चीस रुपए में कर दो। |

## 20. धोबिया के सङ — धोबी के साथ

| | | |
|---|---|---|
| 1. | सबटा कपड़ा गनि (गैन) ले। | सारे कपड़े गिन लो। |
| 2. | कपड़ा के इस्तरी के की लैत छहक? | कपड़े की इस्तरी करने का क्या लेते हो? |
| 3. | दू टाका, साहब / श्रीमान / मालिक! अहि सलवार कमीजक रंग छुटैत अछि एकरा फराकसँ धोइह'। | दो रुपया, साहब इस सलवार - कमीज का रंग छूटता है, इसे अलग से धोना। |
| 4. | गरम इस्तरी टेरीकॉटक कमीजपर जुनि लगबिहक। | टेरीकॉट की कमीज पर गरम इस्तरी मत लगाना। |
| 5. | नीक जकाँ इस्तरी करिहक। | अच्छी तरह से इस्तरी करना। |
| 6. | कमीज / अंगा सब पर नीक जकाँ कलफ चढ़बिहक। | कमीजों, कपड़ों पर अच्छी तरह से कलफ चढ़ाना। |
| 7. | कमीजसँ चाहक दाग छोड़ा दिहक। | कमीज से चाय के दाग छुड़ा देना। |
| 8. | कपड़ा धोइत काल बुटाम नै तोड़ि दिहक। | कपड़े धोते समय बटन मत तोड़ देना। |
| 9. | कत्ते दिनक बाद कपड़ा देबहक? / कतेक दिनमे कपड़ा देबहक? | कपड़े कितने दिन बाद दोगे? |
| 10. | अगिला रैब (रवि) क' आनि देब। | अगले रविवार को ला दूँगा। |
| 11. | कनी जल्दी द' देबहक त नीक रहितै। | ज़रा जल्दी दे दो तो अच्छा रहेगा। |
| 12. | की तों सब कपड़ा नीकसँ गैन (गनि) क' नहिं अनलहक? | क्या तुम सारे कपड़े ठीक से गिनकर नहीं लाए? |



| | | |
|---|---|---|
| 13. | एक टा तौलिया / गमछा आ' एक टा पैंट कमे छै। | एक तौलिया और एक पैंट कम है। |
| 14. | नै, मैडमजी (दाइ / माइजी) एक बेर फेरसँ गैन (गनि) लिअ'। सबटा अनने छी। | नहीं, मैडमजी एक बार फिर से गिन लो। सब ले आया हूँ। |
| 15. | हँ', हँ', सब ठीक छै। गनबामे त्रुटि भ' गेल छलै माफ करिहक। | हाँ, हाँ, सब ठीक है। गिनने में गलती हो गई थी माफ करना। |
| 16. | सब मिलाक' कतेक भेलै? | कुल कितने हुए? |
| 17. | धोती त' तों एकदमे फाड़ि देलहक। | धोती तो तुमने एकदम फाड़ दी है। |

## 21. लांड्रीमे / लांड्री में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की अहाँ घरमे धोअल कपड़ा सब पर सेहो इस्तरी करैत छी? | क्या आप घर पर धोए कपड़ों पर भी इस्तरी करते हैं? |
| 2. | हँ, करैत छी। | जी हाँ, करते हैं। |
| 3. | इस्तरी करबाके की लइत / (लैत) छियै? | इस्तरी करने का क्या लेते हैं? |
| 4. | की इस्तरी करेबाके ऐछ / अछि? | क्या इस्तरी कराएँगे? |
| 5. | सलवार-कुर्त्ता / पैंट / नूआ/शर्ट। | सलवार-कुर्ता / पैंट / साड़ी / शर्ट। |
| 6. | कमीज इस्तरी करेबाक कतेक लेबै? | कमीज इस्तरी कराने का कितना लेंगे? |
| 7. | एक सलवार / कुर्त्ता / पैंट / शर्ट / कमीज इस्तरी करेबाक दू टाका आ' साड़ीके दस टाका। | एक सलवार / कुर्ता / पैंट / शर्ट / कमीज इस्तरी कराने के दो रुपए और साड़ी का दस रुपये। |
| 8. | सिल्कक नुआके धोआइ आ' इस्तरी करबाके की लगतै? | सिल्क की साड़ी के धोने और इस्तरी करने का क्या लगेगा? |
| 9. | सिल्कक नुआ धोआइ आ' इस्तरीके सत्तरि टाका लागत। | सिल्क की साड़ी धोने और इस्तरी के सत्तर रुपए लगेंगे। |
| 10. | सूटके धोआइके आ' इस्तरी करबाके पचास टाका लागत। | सूट के धोने और इस्तरी करने के पचास रुपए लगेंगे। |
| 11. | कोटक आस्तीनकें रफू करेबाक अछि। | कोट की आस्तीन रफू करवानी है। |
| 12. | हँ', कए देब। दस टाका हैत' (लागत) | हाँ, कर देंगे। दस रुपए लगेंगे। |



| | | |
|---|---|---|
| 13. | लांड्री कत्तेक बजे धरि खुजल रहतै? | लांड्री कितने बजे तक खुली रहेगी? |
| 14. | आठ बजे राति धरि खुजल रहतै। | रात आठ बजे तक खुली रहेगी। |
| 15. | की आइ साँझ धरि कपड़ा भेट जेतै? | क्या आज शाम तक कपड़े मिल जाएँगे? |
| 16. | साँझ धरि भेट जायत, मुदा डबल चार्ज दिअ'पड़त। | शाम तक मिल जाएँगे किंतु डबल चार्ज देना होगा। |
| 17. | एकरा रंगबाके छै/ छैक। | इसको रंगना है। |
| 18. | रंगबामे कतेक समय लगतै? | रंगने में कितना समय लगेगा? |
| 19. | करीब एक हफ्ता त' लागिए जायत। | करीब एक सप्ताह लग जाएगा। |
| 20. | हम एकरा अर्जेंट / तत्काल धोआब' चाहैत छी। | मैं इसे अर्जेंट धुलवाना चाहता / चाहती हूँ। |
| 21. | की ई दाग निकैल जेतै? | क्या यह दाग निकल जाएगा? |
| 22. | हँ,' निकालि देबै। | हाँ, निकाल देंगे। |
| 23. | नै, अहिसँ कपड़ा कमजोर भ' जेतै। | नहीं, इससे कपड़ा कमजोर हो जाएगा। |
| 24. | पैंटपर नीकसँ इस्तरी नै भेल छै। | पैंट पर ठीक से इस्तरी नहीं हुई है। |
| 25. | बेस, ठीक क' देब। | अच्छा, ठीक कर देंगे। |
| 26. | ई दाग कोना रहि गेलइ? | यह दाग कैसे रह गया? |
| 27. | नीकसँ निकललै नै, फेरसँ कोसिस क' के देखबै। | ठीक से निकला नहीं, फिर कोशिश करके देखेंगे। |
| 28. | धियान राखब, कपड़ा हमरा समय पर भेट जेबाक चाही। | ध्यान रखिए, कपड़े हमें समय पर मिल जाने चाहिए। |

## 22. बजारमे — बाजार में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | एतए ल'गमे नीक कपड़ा के बजार कतए छै? | यहाँ पास में अच्छे कपड़ों का बाजार कहाँ है? |
| 2. | ऐ (एहि) शहरमे (की) कोन विशेष (विशेख) वस्तु भेटैत छै? | इस शहर में क्या विशेष वस्तुएँ मिलती हैं? |
| 3. | एतएके सबसँ पैघ दोकान कोन छै? | यहाँ की सबसे बड़ी दुकान कौन–सी है? |
| 4. | एतय नीक चाह कत्त' भेटतै? | यहाँ अच्छी चाय कहाँ मिलेगी? |
| 5. | एतय किताबक प्रसिद्व दोकान कोन छै? | यहाँ पर पुस्तकों की प्रसिद्ध दुकान कौन–सी है? |
| 6. | 'पीपुल्स बुक हाउस' एतए प्रसिद्व छै। मैथिली, हिंदी, अंग्रेजी भाखा सबहक किताब ओतए भेटैत छै। | 'पीपुल्स बुक हाऊस' यहाँ प्रसिद्ध है। मैथिली, हिंदी, अंग्रेजी भाषाओं की पुस्तकें यहाँ मिलती है। |

### (i) दरजीक दोकानपर — दर्जी की दुकान पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हम एक टा कमीज सियाब' चाहैत छी। | मैं एक कमीज सिलवाना चाहता / चाहती हूँ। |
| 2. | सी देब। | सिल देंगे। |
| 3. | सिआइ की हेतै?<br>सिआइ कतेक हेतै? | सिलाई क्या होगी? |
| 4. | डेढ़ सए टाका। | डेढ़ सौ रुपए। |
| 5. | बेस, पैंटक सिआइ की लगतै? | अच्छा, पैंट की सिलाई क्या लगेगी? |



### (ii) नौआ /हजामक दोकानपर — नाई की दुकान पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हमरा केस कटेबाक अछि। | मुझे बाल कटवाने हैं। |
| 2. | कनी, थमि जाउ / कनी, थैम जाउ। | थोड़ा ठहरिए। |
| 3. | केश कटेबाक उपरान्त दाढ़ी सेहो वनबेबाक अछि। | बाल कटवाने के बाद दाढ़ी भी बनवानी हे। |
| 4. | ध्यान राखब केस बेसी छोट नै भ' जाए। | ध्यान रखें बाल ज्यादा छोटे न हो जाएँ। |
| 5. | शैंपू कए दिअ'? | शैंपू कर दूँ? |
| 6. | क' दियौ / कए दियौ। | कर दीजिए। |
| 7. | न'ह कटेबै की? | नाखून कटवाएँगे क्या? |
| 8. | काटि दहक / दिअ'। | काट दो। |
| 9. | कने मालिस सेहो कए दिअ' की? | क्या थोड़ी मालिश भी कर दूँ? |
| 10. | नै, मात्र माथमे कने तेल मालिस कए दहक। | नहीं, सिर्फ सिर में थोड़ी तेल मालिश कर दो। |
| 11. | ओस्तरा नै लगबिहक, कैंचीसँ कटिहक। | उस्तरा ना लगाना, कैंची से काटना। |
| 12. | केसके 'कर्ली' बना दिअ'? | बालों को कर्ली बना दूँ? |
| 13. | नै, पफ कए दिअ'। | नहीं, पफ कर दीजिए। |
| 14. | केसमे मेहदी लगा दिअ'? | बालों में मेहदी लगा दूँ? |
| 15. | अहाँ ल'ग ब्लैक डाय अछि वा नेचुरल मेहदी? | आपके पास ब्लैक डाय है या नेचुरल मेहदी? |

## (iii) ब्यूटीपार्लरमे — ब्यूटीपार्लर में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हमरा आइब्रोज बनेबाक अछि। | मुझे आइब्रोज बनवाने हैं। |
| 2. | बेटीके केस मशरूम कट क'दियौ। | बेटी के बालों को मशरूम कट में कटवाना है। |
| 3. | 'गोल्ड फेशियल' करेबाके कतेक पाइ हेतै? | 'गोल्ड फेशियल' कराने के कितने पैसे होंगे? |
| 4. | की अहाँ नव वधू / नव कनिया / ब्राइड के सजेबाक ऑर्डर सेहो लैत छियै? | क्या आप नववधू / ब्राइड को सजाने का ऑर्डर भी लेती हैं? |
| 5. | हँ, लैत छी। | हाँ, लेती हूँ। |
| 6. | ब्राइडल / नववधूके मेहदी के कतेक लगतै? | ब्राइडल / नववधू की मेहंदी के कितने पैसे लगेंगे? |
| 7. | दूनू / दूहू हाथ आ' पयरपर आगाँ-पाछाँ मेहदी डिजाइन के दू हजार टाका भ' जायत। | दोनों हाथ और पाँवों पर आगे-पीछे मेहंदी लगाने के दो हजार रुपए हो जाएँगे। |
| 8. | की हमर केसपर स्टेप कट नीक लगतै? | क्या मेरे बालों पर स्टेप कट अच्छा लगेगा? |
| 9. | हँ, बेबी केसपर स्टेप कट नीक बनैत छै। | हाँ, बेबी बालों पर स्टेप कट अच्छा बनता है। |
| 10. | नै अहाँके केसपर लेयर कट बेसी नीक लगत / जँचत। | नहीं आपके बालों पर लेयर कट ज्यादा अच्छा दिखेगा। |
| 11. | हमरा जोलन ब्लीच 'आ' गेल्वनिक फेशियल करेबाक अछि। हैंडवैक्सिंग 'आ' लेग वेक्सिंग सेहो करेबाक अछि। | मुझे जोलन ब्लीच और गेल्वनिक फेशियल कराना है। हैंडवैक्सिंग और लेग वेक्सिंग भी करानी है। |



| | | |
|---|---|---|
| 12. | (आजु) त' नहिं भ' सकत। अहाँ काल्हि भिनसरक अपॉइंटमेंट ल' लिअ'। | आज तो नहीं हो पाएगा। आप कल सुबह की अपॉइंटमेंट ले लीजिए। |
| 13. | केसमे नेचुरल मेहदी लगेनाइ नीक छै वा डाइ करेनाइ? | बालों को नेचुरल मेहंदी लगाना अच्छा है या डाई करना? |
| 14. | नेचुरल मेहदी लगेनाइ बेसी नीक छै। | नेचुरल मेहंदी लगाना ज्यादा अच्छा है। |

## (iv) पँसारीके दोकानपर — पंसारी की दुकान पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अहाँक दोकानमे की सब भेटतै? | आपकी दुकान में क्या-क्या मिलेगा? |
| 2. | चाउर, गहूम, दालि, नून, तेल, घी सँ' ल' 'क' पँसारीक दोकानके सबटा वस्तु एतए भेटत। | चावल, गेहूँ, दाल, नमक, तेल, घी से लेकर पंसारी की दुकान का सब सामान यहाँ मिलेगा। |
| 3. | हमरा दुइ किलो बासमती चाउर / गहूमक चिक्कस / बाजरा / खेड़हीके दालि चाही। | मुझे दो किलो बासमती चावल / गेहूँ का आटा / बाजरा / मूँग की दाल चाहिए। |
| 4. | एक किलो वनस्पति घीके डिब्बा कत्ते के छै? | एक किलो वनस्पति घी का डिब्बा कितने का है? |
| 5. | छियासठि टाका। | छियासठ रुपए। |
| 6. | हमरा दू किलो सरिसबक / मूँगफली के / सुरजमुखी के / सोयाबीनक तेल चाही। | मुझे दो किलो सरसों / मूँगफली / सूरजमुखी / सोयाबीन का तेल चाहिए। |
| 7. | चीनी के की भाव छै? | चीनी क्या भाव है? |

| | | |
|---|---|---|
| 8. | चीनी चौआलीस टाका किलो छै। | चीनी चवालीस रुपए किलो है। |
| 9. | चीनी बड महँग भ' गेलैयै। | चीनी बहुत ही महंगी हो गई है। |
| 10. | अहाँक ओतए दिया-सलाइ भेटतै? | आपके यहाँ माचिस मिलेगी? |
| 11. | अहाँ ल'ग नहेबाके आ कपड़ा धोबाके कोन-कोन साबुन अछि? | आपके पास नहाने और कपड़े धोने के कौन से साबुन हैं? |
| 12. | कत्तेक तरहक साबुन छै जे पसिन्न हुए से ल' लिअ'। | कई किस्म के साबुन हैं, जो पसंद हो ले लीजिए। |
| 13. | अहाँ लग पीसल मसाला भेटतै? | आपके पास पिसा हुआ मसाला मिलेगा? |
| 14. | सौ ग्रामसँ ल' 'क' एक किलो धरिके पैकेट भेटत। | सौ ग्राम से लेकर एक किलो तक पैकेट मिलेंगे। |
| 15. | हमरा आध किलो सूजी / चूड़ा / साबुजदाना / दलिया दिअ'। | मुझे आधा किलो सूजी / चिड़वा / साबूदाना / दलिया दीजिए। |
| 16. | एहि वस्तु सबके झोरा में राखि दिऔ। | इन चीजों को थैले में डाल दीजिए। |

## (v) वस्त्रक दोकान पर — कपड़े की दुकान में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की अहाँ ओत' / ल'ग नीक नूआ / साड़ी भेटतै? | क्या आपके यहाँ अच्छी साड़ियाँ मिलेंगी? |
| 2. | हँ, हमरा ओतए अहाँके बाँधनी, बनारसी, कांजिवरम, कश्मीरी, फैंसी साड़ी भेटत। | हाँ, हमारे यहाँ आपको बाँधनी, बनारसी, कांजिवरम, कश्मीरी, फैंसी साड़ियाँ मिलेंगी। |
| 3. | कोन साड़ी देखाउ? | कौन–सी साड़ी दिखाऊँ? |





| | | |
|---|---|---|
| 4. | बाँधनी आ' कश्मीरी साड़ी देखाउ। | बाँधनी और कश्मीरी साड़ियाँ दिखाइए। |
| 5. | एहि साड़ीमे ब्लाउज पीस त' छै न? | इस साड़ी में ब्लाउज पीस तो है न? |
| 6. | बनाना सिल्क साड़ीके की दाम छै? | बनाना सिल्क साड़ी की क्या कीमत है? |
| 7. | तीन हजार एक सए टाका। | तीन हजार एक सौ रुपए। |
| 8. | अहाँ अहिपर कतेक छूट द' रहल छियै? | आप इन पर कितनी छूट दे रहे हैं? |
| 9. | हँ, प्रति साड़ी / नूआपर दस प्रतिशत (पर्सेंट) छूट भेटत। | हाँ, हर साड़ी पर दस प्रतिशत (पर्सेंट) छूट मिलेंगे। |
| 10. | की कमीज आ' पैंटक' पीस भेटतै? | क्या कमीज और पैंट के पीस मिलेंगी? |
| 11. | भेटत। टेरीकॉट, ऊनी, स्पन, कोन देखाउ? | मिलेंगे। टेरीकॉट, ऊनी, स्पन, कौन–सा दिखाऊँ? |
| 12. | ई कपड़ा कतेक टाका मीटर छै? | यह कपड़ा कितने रुपए मीटर है? |
| 13. | एतेक रंगीन नहिं, आओर हल्लुक देखाउ। | इतना गहरा रंग नहीं, हल्के रंग का दिखाइए। |
| 14. | किछु आन रंगक / डिजाइनमे देखाउ। | कुछ और रंग / डिजाइन दिखाइए। |
| 15. | ई, कोन मिलक कपड़ा छै? | यह किस मिल का कपड़ा है? |
| 16. | नामपर जुनि जाउ, चीज देखियौ। | नाम पर मत जाइए, चीज देखिए। |
| 17. | कपड़ा धोलासँ सिकुड़ि त' नै जेतै? | धुलाई से कपड़ा सिकुड़ तो नहीं जाएगा? |

| | | |
|---|---|---|
| 18. | कनी गरम शॉल देखाउ। | जरा गरम शॉल दिखाइए। |
| 19. | सादा वा कढ़ाइबाला? | सादा या कढ़ाईवाला? |
| 20. | पुरुख / लड़का सबहक जीन्स / ट्राउजर / काटराइ पैंट देखाउ। | लडकों की जीन्स / ट्राउजर / काटराइ पैंट दिखाइए। |

## (vi) पोथीक दोकान पर — पुस्तकों की दुकान पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अहाँ ल'ग केवल पोथी अछि वा पत्र-पत्रिका सेहो सब भेटतै? | आपके यहाँ क्या सिर्फ पुस्तकें ही हैं या पत्र-पत्रिकाएँ भी मिलेंगी? |
| 2. | हम दुनू तरहक पुस्तक (पोथी) बेचैत छी। | हम दोनों प्रकार की पुस्तकें / किताबें बेचते हैं। |
| 3. | पिछला हफ्ताके रोजगार समाचारक अंक भेटतै? | पिछले हफ्ते के रोज़गार समाचार का अंक मिलेगा? |
| 4. | की 'आजकल' के न'व अंक आबि गेल छै? | क्या 'आजकल' का नया अंक आ गया है? |
| 5. | अहाँ ल'ग "बाल भारती" अछि? | क्या आपके पास "बाल भारती" है? |
| 6. | की अहाँ ल'ग "रामचरितमानस" भेटतै? | क्या आपके पास "रामचरितमानस" मिलेगा? |
| 7. | कोन आकार'क टीका सहित चाही। | कौन–से आकार का चाहिए? |
| 8. | 'मँझौल आकार'क टीका सहित चाही। | 'मँझौलेआकार का टीका सहित चाहिए। |



| | | |
|---|---|---|
| 9. | एखन ई उपलब्ध नहिं अछि। पैघ आकार'क मूल पोथी चाही त' देखाबी? | इस समय यह उपलब्ध नहीं है। बड़े आकार की मूल पुस्तक चाहिए तो दिखाऊँ? |
| 10. | की अहाँ ल'ग "कैंद्रीय हिंदी निदेशालयक" हिंदी सी. डी. भेटतै? | क्या आपके यहाँ केंद्रीय हिंदी निदेशालय की हिंदी सी. डी. मिलेगी? |
| 11. | की, ई पुस्तक पेपर-बैकमे सेहो भेटतै? | क्या यह पुस्तक पेपर-बैक में भी मिल जाएगी? |
| 12. | अहाँ ओत' मैथिली के कोन-कोन पत्रिका सब अछि? | आपके यहाँ मैथिली की कौन-कौन सी पत्रिकाएँ हैं? |
| 13. | 'मिथिला दर्पण', 'कर्ण कलश', 'मैथिली प्रवाहिका' आ' 'घर बाहरि' अछि। | 'मिथिला दर्पण', 'कर्ण कलश', 'मैथिली प्रवाहिका' और 'घर बाहर' है। |
| 14. | अहाँ अहि पर कत्तेक छूट दइत (दैत) छियै? | आप इन पर कितनी छूट देते हैं? |

## (vii) घड़ी-साजक दोकानपर — घड़ीसाज की दुकान पर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | घड़ी एकाएक बन्न भ' गेलै / घड़ी औचक बन्न भ' गेलै। कनी देखबै? | घड़ी अचानक बंद हो गई है। जरा देखेंगे? |
| 2. | घड़ीके ठीक करेबाक छै। | घड़ी ठीक करवानी है। |
| 3. | घड़ी कनी आगाँ चलि रहल छै। | घड़ी थोड़ी तेज चल रही है। |
| 4. | की, अहाँ ओत्तए एच.एम.टी. के' घड़ी भेटतै? | क्या आपके यहाँ एच.एम.टी. की घड़ी मिलेगी? |

| | | |
|---|---|---|
| 5. | घड़ीक' सेल खराप भ' गेल छै। | घड़ी का सेल खराब हो गया है। |
| 6. | घड़ीके काच / डायल बदलि दियौ। | घड़ी की काँच / डायल बदल दीजिए। |
| 7. | हमरा एकटा नव पट्टा / स्ट्रेप चाही | मुझे एक नया पट्टा / स्ट्रेप चाहिए। |
| 8. | ऐ (अहि) देवार घड़ीके गारंटी कतेक छै? | इस दीवार घड़ी की गारंटी कितनी है? |
| 9. | ई घड़ी देसी / विदेशी छै? | यह घड़ी देशी / विदेशी है? |
| 10. | की घड़ीके चाभी (कुंजी) देबए पड़तै? | क्या घड़ी को चाबी देनी पड़ेगी? |
| 11. | नै, ई घड़ी बैटरीसँ चलैत छै। | नहीं, यह घड़ी बैटरी से चलती है। |
| 12. | हाथक घड़ीके किछु नब मॉडल देखायब? | हाथ की घड़ी के कुछ नए मॉडल दिखाएँगे? |
| 13. | हँ', देखू बड़ नव-नव तरहक घड़ी अइछ / अछि। | हाँ, ये देखिए बहुत सी नई घड़ियाँ हैं। |
| 14. | ई घड़ी हमरा बड़ पसिन पड़ल। एकर दाम की छै? | यह घड़ी मुझे पहुत पसंद आई है। इसका दाम क्या है? |
| 15. | बेसी नै, मात्र अढ़ाइ सए टाका। | ज्यादा नहीं, सिर्फ ढाई सौ रुपए। |
| 16. | की घड़ीके कोनो गारंटी सेहो छै? | क्या घड़ी की कोई गारंटी भी है? |
| 17. | हँ', कंपनी एक बरखक गारंटी कार्ड दै छै। | हाँ, कंपनी एक वर्ष का गारंटी कार्ड देती है। |
| 18. | बेस, तखन ई घड़ी द' दिअ'। | ठीक है, तो यह घड़ी दे दीजिए। |



## 23. बैंकमे — बैंक में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हमरा सौ / सए डालर भारतीय मुद्रामे बदलबेबाक अछि। | मुझे सौ डालर भारतीय मुद्रा में बदलवाने हैं। |
| 2. | ई चेक कोन काउंटरपर दिअ' पड़तै / हेतै | यह चैक किस काउंटर पर देना होगा? |
| 3. | अहिठाम /अइठाम द' सकैत छी। | यहाँ भी दे सकते हैं। |
| 4. | हम नव खाता खोलय चाहैत छी। की करए पड़तै? | मैं नया खाता खोलना चाहता /चाहती हूँ। क्या करना होगा? |
| 5. | ई फारम भरि क'आनू, सङमे एक टा फोटो सेहो देबए पड़त। | यह फार्म भर कर ले आइए, साथ में एक फोटो भी देनी होगी। |
| 6. | बचत खाता 500 टाका जमा कराइए 'क' खोलल जा सकैत अछि। | बचत खाता 500 रुपए जमा करने पर ही खोला जा सकता है। |
| 7. | हमरा दस टाकाके किछु नोट दिअ'। | मुझे दस रुपए के कुछ नोट दीजिए। |
| 8. | क्षमा करब, हमरा लग दसटकही नहि अछि। | क्षमा कीजिएगा, हमारे पास दस रुपए के नोट नहीं हैं। |
| 9. | हम मैनेजरसँ भेंट करए चाहैत छी। | मैं मैनेजर से मिलना चाहता / चाहती हूँ। |
| 10. | की लहेरियासरायमे अहाँके कोनो शाखा अछि? | क्या लहेरियासराय में आपकी कोई शाखा है? |
| 11. | हमर बैंक ड्रॉफ्ट हेरा गेल अछि। हमरा एकरा लेल की करए पड़तै, कृपा करिक' बताओल जाय। | मेरा बैंक ड्रॉफ्ट खो गया है। मुझे इसके लिए क्या करना होगा कृपया बताएँगे? |

| | | |
|---|---|---|
| 12. | हमर चेक बुक सधि (सैध) गेल अछि। हमरा नव चेक बुक चाही। | मेरी चेक बुक समाप्त हो गई है। मुझे नई चेक बुक चाहिए। |
| 13. | हम पछिला हफ्ता हजार टाकाक' चेक जमा कयने छलौं (छलहुँ)। पैसा / टाका आबि गेलै की? | मैंने पिछलेहफ्ते हजार रुपए का चेक जमा किया था। क्या पैसे आ गए हैं? |
| 14. | की चेकक पाछाँ हस्ताक्षर (दस्तखत) कए दिअ'? | क्या चेक के पीछे हस्ताक्षर कर दूँ? |
| 15. | हम एक हजार टाकाके ड्राफ्ट बनाब' चाहैत छी। | मैं एक हजार रुपए का ड्राफ्ट बनवाना चाहती हूँ। |
| 16. | ई फारम भरि क' नकदी काउंटर पर-जमा करबा दियौ। | यह फार्म भर कर नकदी काउंटर पर जमा करवा दें। |
| 17. | ड्राफ्ट कतेक कालमे तैयार भ' जेतै? | ड्राफ्ट कितनी देर में तैयार होगा? |
| 18. | करीब आध घंटा लागि (लैग) जेतै। | लगभग आधा घंटा लग जाएगा। |
| 19: | ई नोट नीक नै छै, एकरा बदलि दिऔ। | यह नोट ठीक नहीं है, इसे बदल दीजिए। |
| 20. | की अहाँक बैंक जीवन - बीमाक किस्त स्वीकार करैत अछि? | क्या आपका बैंक जीवन - बीमा की किश्त स्वीकार करता है? |
| 21. | बिजली, पानिके बिल कत्त' जमा होइत छैक? | बिजली, पानी का बिल कहाँ जमा होता है? |
| 22. | टाका जमा हेबाक प्रविष्टि हमरा अपन पास बुकमे करेबाक अछि। | रुपए जमा होने की मुझे अपनी पास बुक में प्रविष्टि करवानी है। |
| 23. | की हम अपन सावधि जमा राशिकें एखन ल' सकैत छी? | क्या मैं अपनी सावधि जमा राशि को अभी प्राप्त कर सकता /सकती हूँ? |
| 24. | अवधि / समय पूर्ण नहि भेल छै, ताहि लेल किछु कम टाका भेटत। | समय पूरा नहीं हुआ है, इसलिए कुछ रुपए कम मिलेंगे। |



## 24. विवाह अनुष्ठानमे — विवाह समारोह में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | छेका / तिलक / हथधरी कखन हेतै / चढ़तै। | सगाई कब होगी? |
| 2. | बरिआत / बराइत कत्त' सँ एलैये? | बारात कहाँ से आई है? |
| 3. | ओ सब कतेक गोटे हेताह? | वे कितने लोग होंगे? |
| 4. | विवाहक मुहूर्त / शुभ काल कखन के छै? | विवाह का मुहूर्त कब का है? |
| 5. | विवाह कत्त' हेतै? | विवाह कहाँ होगा? |
| 6. | हम वर-कनिआँसँ भेंट करए चाहैत छी। | मैं वर-वधू से मिलना चाहता / चाहती हूँ। |
| 7. | आउ, भेंट करबा दैत छी। | आइए मिलवा देते हैं। |
| 8. | विवाह बड़ नीक रहल / छल। | शादी बहुत अच्छी रही। |
| 9. | कनिआँ देखबामे बड़ सुन्नरि / कनिया देखबामे बड़ सुन्नैर। | दुल्हन देखने में बहुत सुंदर है। |
| 10. | बराइत कत्त' ठहरल छै?/ रुकल छै? | बारात कहाँ ठहरी है? |

## 25. सीमा शुल्क कार्यालयमे सीमा शुल्क कार्यालय में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अहाँ ल'ग शुल्क देबा योग्य कोन - कोन वस्तु सब अछि? | आपके पास शुल्क देने योग्य क्या - क्या वस्तुएँ हैं? |
| 2. | हमरा लग शुल्क देबा योग्य किछु नहि अछि। | मेरे पास शुल्क देने योग्य कुछ नहीं है। |
| 3. | अहाँके पासपोर्ट कतए अछि? | आपका पासपोर्ट कहाँ है? |
| 4. | ई ,अछि हमर पासपोर्ट। | यह है मेरा पासपोर्ट। |
| 5. | विदेशी मुद्रा कतए बदलल जाय छै?/ विदेशी मुद्रा कतए बदलेन कएल जाए छै। | विदेशी मुद्रा कहाँ बदली जाती है? |
| 6. | हम कतेक पाइ / टाका अपना सङ ल' जा सकैत छी? | मैं कितना पैसा अपने साथ ले जा सकता / सकती हूँ? |
| 7. | अहाँ बैंकाकमे पंदरह डालर प्रतिदिनक हिसाबसँ अपना सङ ल' जा सकैत छी। | आप बैंकाक में पंद्रह डालर प्रतिदिन के हिसाब से अपने साथ ले जा सकते हैं। |
| 8. | कोन - कोन वस्तुपर सीमा शुल्क ल'गै छै? | किन - किन चीजों पर सीमा शुल्क लगता है? |
| 9. | दैनंदिन व्यवहारक वस्तुकें छोड़ि सबटा वस्तुपर सीमा शुल्क लागत। | रोजाना के उपयोग के अलावा सभी वस्तुओं पर सीमा शुल्क लगेगा। |
| 10. | अहाँ ल'ग ओकर कोनो चिट्ठा / सूची अछि? | आपके पास उसकी कोई तालिका (सूची) है? |
| 11. | हँ,' हमरा लग ओकर सूची / चिट्ठा अछि। | हाँ, हमारे पास उसकी सूची है। |



| | | |
|---|---|---|
| 12. | कृपा कएके हमरो सूचीके एक प्रति द' दिअ'। | कृपया मुझे भी सूची की एक प्रति दे दीजिए। |
| 13. | की अहाँ ल'ग घोषणा प्रपत्र अछि? | क्या आपके पास घोषणा-प्रपत्र है? |
| 14. | हमरा एक टा घोषणा प्रपत्र द' दिअ'। | मुझे एक घोषणा-प्रपत्र दीजिए। |

## 26. विश्वविद्यालयमे — विश्वविद्यालय में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | विश्वविद्यालयक हिंदी विभाग केम्हर / किम्हर छै? | विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग किधर है? |
| 2. | सोझे जा क' दायाँ कात। | सीधे जाकर दाहिनी ओर। |
| 3. | की, ई हिंदी विभाग छै? | क्या यह हिंदी विभाग है? |
| 4. | अहाँके की चाही? | आपको क्या चाहिए? |
| 5. | हमरा प्रवेश-पत्र चाही। | मुझे प्रवेश पत्र चाहिए। |
| 6. | हिमालय छात्रावास किम्हर / केम्हर छै? | हिमालय छात्रावास किधर है? |
| 7. | ओतए अहाँके केकरासँ भेट करबाक अछि? | वहाँ आपको किससे मिलना है? |
| 8. | हमर भाय, छात्रावासमे रहैत अछि। | मेरा भाई छात्रावास में रहता है। |
| 9. | की अहिठाम स्त्रीगण / बालिका सबहक लेल फराक छात्रावास छै? | क्या यहाँ लड़कियों के लिए अलग छात्रावास है? |
| 10. | विभागक अध्यक्ष के छथि? | विभाग के अध्यक्ष कौन हैं? |
| 11. | पुस्तकालय केम्हर छै? | पुस्तकालय किधर है? |
| 12. | की अहाँक / अपनेक विभागक पुस्तकालय फराक अछि? | क्या आपके विभाग का पुस्तकालय अलग है? |
| 13. | अहाँ स्नातक पाठ्यक्रममे कोन - कोन विषय लेबए चाहैत छी? | आप स्नातक पाठ्यक्रम में कौन-कौन-से विषय लेना चाहते/चाहती हैं? |
| 14. | विश्वविद्यालयक' गरमी छुट्टी (तातिल) कहियासँ प्रारंभ हेतै? | विश्वविद्यालय की गरमी की छुट्टियाँ कब शुरु होंगी? |



## 27. पुस्तकालयमे — पुस्तकालय में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | हमरा पुस्तकालयके वार्षिक सदस्यता लेबाक अछि; कतेक शुल्क भरए पड़तै? | मुझे पुस्तकालय की वार्षिक सदस्यता प्राप्त करनी है, कितना शुल्क भरना होगा? |
| 2. | वार्षिक (सलाना) शुल्क पाँच सए टाका छै। | वार्षिक शुल्क पाँच सौ रुपए है। |
| 3. | पुस्तकालयक सदस्यता शुल्क कतए भरए पड़तै | पुस्तकालय का सदस्यता शुल्क कहाँ भरना होगा? |
| 4. | अहाँक ओत' कोन - कोन विषयक किताब (पोथी) अछि? | आपके यहाँ किन - किन विषयों की किताबें हैं? |
| 5. | पढ़बाक लेल, एक बेरमे कतेक किताब ल' सकै छी एतएसँ? / एक बेरमे कतेक किताब (पोथी) पढ़बाक लेल ल' सकैत छी एतएसँ? | यहाँ से पढ़ने के लिए एक बार में कितनी किताबें ले सकते हैं? |
| 6. | एक बेरमे एके टा पोथी (पुस्तक) भेटत। पीएच.डी. के छात्र पाँचटा किताब ल' सकैत छथि। | एक बार में एक ही किताब मिलेगी। पीएच.डी. के छात्र पाँच किताबें ले सकते हैं। |
| 7. | कतेक किताब घर ल' जा सकैत छी? | कितनी किताबें घर ले जा सकते हैं? |
| 8. | मात्र एकटा। पीएच.डी. के' विद्यार्थी दू टा किताब ल' जा सकैत अछि। | सिर्फ एक। पी.एच.डी. के विद्यार्थी दो किताबें ले जा सकते हैं। |
| 9. | अहाँक ओत' कोन कोन मैथिली पत्र-पत्रिका अबैत अछि। | आपके यहाँ कौन-सी मैथिली पत्र-पत्रिकाएँ आती हैं? |

| | | |
|---|---|---|
| 10. | हमरा "मैथिली-हिंदी शब्दकोश" चाही। | मुझे "मैथिली-हिंदी शब्दकोश" चाहिए। |
| 11. | अहिठामपोथी लेखकक' नामानुसारे राखल छै वा पोथीक' नामानुसारे? | यहाँ किताबें लेखकों के नामानुसार रखी हैं या किताबों के नामानुसार? |
| 12. | दूनू तरहें / दूनू प्रकारें। | दोनों तरीकों से। |
| 13. | सोझाँ राखल ड्राअर (दराज) सँ किताबक नामानुसार वा लेखकक नामानुसार कार्ड ताकू आ' ओहि पर'क नंबर एहि परची पर लिख के ल' आनू। हम पोथी ताकि क' आनि (ऐन) देब। | सामने रखे ड्रॉअर (दराज) में से पुस्तकों के नामानुसार या लेखकों के नामानुसार कार्ड ढूँढ़िए और उस पर का नंबर इस पर्ची पर लिखकर लाइए। हम पुस्तक ढूँढ़कर ला देंगे। |
| 14. | पुस्तकालय कंप्यूटराइज्ड अछि। पोथी वा लेखकक नाम टाइप केला पर पोथीक नंबर भेटत, ओ ल' आनू आ बुकशेल्फसँ ताकि लिअ' | पुस्तकालय संगणकीकृत (कंप्यूटराइज्ड) है। पुस्तक का या लेखक का नाम टाइप करने पर पुस्तक का नंबर मिलेगा वह ले आइए और बुक शेल्फ में से ढूँढ़ लीजिए। |
| 15. | अपन बैग बाहरे छोडि- दिऔ। पोथी भीतर ल' जाएब मना अछि। केवल कौपी आ कलम ल' जाउ। | अपना बैग बाहर ही छोड़िए। किताबें अंदर ले जाना मना है। सिर्फ कॉपी और पेन ले जाइए। |
| 16. | अगर कोनो पोथी हेरा जाय त' कतेक दंड देब' पड़त। | अगर कोई किताब गुम हो गई तो कितना दंड भरना होगा? |
| 17. | पोथीक जतेक दाम हेतैक ततेक दिअ'पड़त। | किताब की जितनी कीमत होगी उतने रुपये भरने होंगे। |
| 18. | पोथी घरपर कतेक दिनुक लेल ल' जा सकैत छी? | किताब घर कितने दिनों के लिए ले जा सकते हैं? |



| | | |
|---|---|---|
| 19. | दस दिनक लेल। यदि देरी भेल त' दू रुपैया/टाका प्रतिदिनक हिसाबसँ आ एक मासक देरी भेला पर एक सय रुपया दंड दिअ' पड़त। | दस दिन के लए। अगर देरी की तो 2 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से और एक महीने की देरी पर सौ रुपये दंड भरना होगा। |
| 20. | सिक्योरिटी मनीके रूपमे पाँच सय टाका अलगसँ दिअ' पड़तै जे सालभरिक बाद अहाँकें आपस भेटत। | सिक्योरिटी मनी के रूप में पाँच सौ रुपये अलग से भरने होंगे, जो साल के अंत में आपको वापस मिलेंगे। |

## 28. सिनेमा घर — सिनेमा घर

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्लाजा सिनेमा केम्हर छै? | प्लाजा सिनेमा किधर है? |
| 2. | सोझे / सीधे जाक' बाम कातके मोड़पर पूछि लेब। | सीधे जाकर बाईं ओर मोड़ पर पूछ लीजिए। |
| 3. | अगुवार टिकस भेटबाके खिड़की कखन खुजतै? | अग्रिम टिकट मिलने की खिड़की कब खुलेगी? |
| 4. | हमरा बालकनीक एकटा टिकस द' दिअ'। | मुझे बालकनी का एक टिकट दीजिए। |
| 5. | फिलिम कखन शुरू हेतै? | फिल्म किस समय शुरू होगी? |
| 6. | की ई सिनेमाघर वातानुकूलित छै? | क्या यह सिनेमाघर वातानुकूलित है? |
| 7. | रवि'के / रैबके' कतेक शो होइत छै? | रविवार को कितने शो होते हैं? |
| 8. | की ई फिल्म अगिला हफ्ता सेहो चलतै? | क्या यह फिल्म अगले हफ्ते भी चलेगी? |
| 9. | की दुपहरिया बाद'क शोमे धिया-पुता सब जा सकैत अछि? | क्या दोपहर बाद के शो में बच्चे जा सकते हैं? |
| 10. | ई फिल्म खाली पैघ लोक / वयस्कक लेल छै। | यह फिल्म केवल वयस्कों के लिए है। |



## 29. गीतनाद'क कार्यक्रम — संगीत समारोह

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की अहाँ / अपने सुनलियै, अहिठाम एकटा पैघ गीत - नाद'क उत्सब होबए जा रहल छै। | क्या आपने सुना, यहाँ एक बड़ा संगीत समारोह होने जा रहा है। |
| 2. | नै / नहि कत्त' हेतए? | नहीं, कहाँ होगा? |
| 3. | रवीन्द्र भवनमे हेतए। | रवींद्र भवन में होगा। |
| 4. | अहाँके शास्त्रीय संगीत/ गीत नीक लगैत अछि वा सुगम संगीत? | आपको शास्त्रीय संगीत अच्छा लगता है या सुगम संगीत? |
| 5. | हमरा विद्यापतिक गीत बड़ नीक लगैत अछि। | मुझे विद्यापति के गीत बहुत अच्छे लगते हैं। |
| 6. | की आइ (आजु) साँझ'क नाटक / नाच देखए चलब? | क्या आज शाम को नाटक / नृत्य देखने चलेंगे? |
| 7. | कार्यक्रम केहन हेतइ? | कार्यक्रम कैसा होगा? |
| 8. | लगै छै, नीके हेतइ। | लग रहा है अच्छा ही होगा। |
| 9. | अहि बरखक' राष्ट्रीय संगीत सम्मेलन कहिया आ' कत्त' हेतै। | इस वर्ष का राष्ट्रीय संगीत सम्मेलन कब और कहाँ होगा? |
| 10. | किंसाइत अगहन/दिसंबर मासमे दिल्लीमे सम्पन्न हेतै। | शायद दिसंबर माह में दिल्ली में आयोजित होगा। |
| 11. | बँसुरी वादन सुनि श्रोतागण मुग्ध भ' गेला। | बाँसुरी वादन सुनकर श्रोता मुग्ध हो गए। |
| 12. | की सबटा टिकस बिका गेल छै? | क्या, सब टिकट बिक गए हैं? |
| 13. | नै, अखनो किछु बाँकी छै। | नहीं, अब भी कुछ बाकी हैं। |
| 14. | तखन हमरो लेल दूटा टिकस नेने आयब। | तब मेरे लिए भी दो टिकट लेते आइए। |

## 30. पर्यटन कार्यालयमे — पर्यटन कार्यालय में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | की अहि ठाम शहर घुमाबए लेल, गाइड भेटतै? | क्या यहाँ शहर घुमाने के लिए गाइड मिलेगा? |
| 2. | हँ, भेटत, मुदा ओकरा टाका (शुल्क) देबए पड़त। | हाँ, मिलेगा, मगर उसे पैसे देने पड़ेंगे। |
| 3. | की अहाँ लग' गाइड बुक भेटतै? | क्या आपके पास गाइड बुक मिल जाएगी? |
| 4. | हमरा दरभंगे टा देखबाक अछि। ओकरालेल कत्ते पाय / टाका देबए पड़तै? | मुझे सिर्फ दरभंगा देखना है। उसके लिए कितना पैसा देना पड़ेगा? |
| 5. | चारि घंटाके सौ / सए टाका। | चार घंटे के सौ रुपए। |
| 6. | गाइड, ई केकर मुरुत छै? | गाइड, यह किसकी मूर्ति है? |
| 7. | ई महाराजाधिराज रामेश्वर सिंहक' संगमरमरसँ बनल आदमकद प्रतिमा छै। | यह महाराजाधिराज रामेश्वर सिंह की संगमरमर से निर्मित आदमकद प्रतिमा है। |
| 8. | ई नरगौना पैलेस छै, जत्तए सम्प्रति ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालयके स्नातकोत्तर केन्द्र अछि। | यह नरगौना पैलेस है, जहाँ, वर्तमान में ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय का स्नातकोत्तर केंद्र है। |
| 9. | ई चन्द्रधारी संग्रहालय अछि जतए अनेक दुर्लभ चीज-बोस्त (वस्तु) राखल अछि। | यह चंद्रधारी संग्रहालय है, जहाँ अनेक दुर्लभ वस्तुएँ रखी हुई हैं। |
| 10. | ई महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह संग्रहालय अछि। | यह महाराजाधिराज लक्ष्मीश्वर सिंह संग्रहालय है। |





| | | |
|---|---|---|
| 11. | विद्यापतिक जन्म स्थान बिसपी अहिठामसँ किछुए दूरीपर अछि। | विद्यापत्ति का जन्म स्थान बिसपी यहाँ से कुछ ही दूरी पर है। |
| 12. | प्रसिद्ध गप्पी (गपोड़) गोनू झा के जन्म स्थल सेहो अहिठामसँ लगीचे छै। | प्रसिद्ध गप्पी गोनू झा का जन्म स्थल भी यहाँ से पास ही है। |
| 13. | कमतौल प्रखंडमे अहिल्या स्थान छै। | कमतौल प्रखंड में अहिल्या स्थान है। |
| 14. | ओही ठाम लगे पासमे गौतम मुनिके आश्रम सेहो छैन्ह। | वहीं पर पास में ही गौतम मुनि का आश्रम भी है। |
| 15. | सीताजीके जन्म स्थल सीतामढ़ी सेहो अहिठामसँ लगे छै। | सीता जी का जन्म स्थल सीतामढ़ी भी यहाँ से कुछ ही दूरी पर है। |
| 16. | याज्ञवल्क्य राजा जनकक दरबारक' एक गोट महान पंडित छलाह। | याज्ञवल्क्य राजा जनक के दरबार के एक महान पंडित थे। |
| 17. | आदि शंकराचार्य कें मंडनमिश्रक' अर्द्धांगिनी भारती मिथिलेमे शास्त्रार्थमे हरौने / पराजित कएने छलीह। | आदि शंकराचार्य को मंडन मिश्र की पत्नी भारती ने मिथिला में ही शास्त्रार्थ में पराजित किया था। |
| 18. | जनकपुर सेहो अहिठामसँ ल'ग छै। | जनकपुर भी यहाँ से पास है। |
| 19. | की हम जनकपुरसँ एक दिनमे आपस भ' सकैत छी? | क्या हम जनकपुर से एक दिन में वापस हो सकते हैं? |
| 20. | हँ, टैक्सीसँ जौं एकदम प्रात: काल जाइ' त'। | हाँ, टैक्सी से एकदम प्रात: काल जाएँ तो। |

| | | |
|---|---|---|
| 21. | मुदा ओही ठाम एक दिन ठहरनाइ / उचित रहत। | लेकिन वहाँ एक दिन ठहरना उचित रहेगा। |
| 22. | ओतए लग पास देखबाके बड़ स्थान छै। | वहाँ आस - पास देखने की / के बहुत - सी / से जगहें / स्थान हैं। |
| 23. | ट्रेन जाय छै एत'सँ? | ट्रेन जाती है यहाँ से? |
| 24. | हँ,' ट्रेन राजनगर धरि जाए छै। | हाँ, ट्रेन राजनगर तक जाती है। |



## 31. डाकघरमे — डाकघर में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | एतए ल'गमे कोनो डाकघर छै? | यहाँ पास में कोई डाकघर है? |
| 2. | जी हँ,' अगिला सड़कक मोड़पर छै। | जी हाँ, अगली सड़क के मोड़ पर है। |
| 3. | की डाकघर / एखन खुजल भेटतै? | क्या डाकघर / इस समय खुला मिलेगा? |
| 4. | हँ', हँ' डाकघर भिन्सरे दस बजे खुजि जाइ छै। | जी हाँ, डाकघर प्रात: दस बजे खुल जाता है। |
| 5. | डाकघर कखन धरि खुजल रहै छै? | डाकघर कब तक खुला रहेगा? |
| 6. | डाकघर चारि बजे साँझ धरि खुजल रहै छै। | डाकघर शाम चार बजे तक खुला रहेगा। |
| 7. | छुट्टीके दिन की कोनो डाकघर खुजल भेटतै? | छुट्टी के दिन क्या कोई डाकघर खुला मिलेगा? |
| 8. | हमरा दू टा पोस्ट कार्ड / अंतर्देशीय / लिफाफ द' दिअ'। | मुझे दो पोस्ट कार्ड / अंतर्देशीय / लिफाफा दीजिए। |
| 9. | हमरा एक–एक टाका के दू टा टिकस / दू टा रसीदी टिकस दिअ'। | मुझे एक–एक रुपए के दो टिकट / दो रसीदी टिकट दीजिए। |
| 10. | (एही) ऐ चिट्ठी के' रजिस्ट्री करेबामे कतेक पाय लगतै? | इस चिट्ठी की रजिस्ट्री करने में कितने पैसे लगेंगे? |
| 11. | की अहि ठामसँ स्पीड पोस्ट पठाओल जा' सकैत अछि? | क्या यहाँ से स्पीड पोस्ट की सुविधा है? |

| | |
|---|---|
| 12. मोबाइलसँ सए टाका पठेबामे कतेक लगतै? | मोबाइल से सौ रुपए भेजने पर कितने पैसे लगेंगे? |
| 13. नव वर्षक' बधाइ तार'क कोड नंबर की छै? | नव वर्ष के बधाई तार का कोड नंबर क्या है? |
| 14. की अहि ठामसँ एस.टी.डी. फोन करबाक सुविधा छै? | क्या यहाँ से एस.टी.डी. फोन करने की सुविधा है? |
| 15. की लाइन भेटबामे विलंब हेतै? | क्या लाइन मिलने में देरी होगी? |
| 16. नै, कनिए कालमे लाइन भेट सकैत अछि। | नहीं, थोड़ी देर में ही लाइन मिल सकती है। |
| 17. की पोस्टमास्टरक मारफत हमर कोनो डाक आयल अछि? | क्या पोस्ट मास्टर के मार्फत मेरी कोई डाक आई है? |
| 18. जी नै, कोनो डाक नै आयल अछि। | जी नहीं, कोई डाक नहीं आई। |
| 19. अहिठामसँ अंतिम डाक कते बजे निकलै छै? / निंकसै छै? | यहाँ से अंतिम डाक कितने बजे निकलती है। |
| 20. की एतए पिन कोड वला' चिठ्ठी सबहक' फराक डिब्बा छै? | क्या यहाँ पिन कोड वाली चिट्ठियों के लिए अलग डिब्बा है? |
| 21. जी हँ, बाहर जाहिपर क्यू (Q) लिखल छै, अहाँ ओकर व्यवहार कए सकैत छी। | जी हाँ, बाहर जिस पर क्यू (Q) लिखा है आप उसे इस्तेमाल कर सकते / सकती हैं। |
| 22. पार्सल कतेक वजन (ओजन) धरि के पठाओल जा सकैत अछि? | पार्सल कितने वजन तक का भेजा जा सकता है? |
| 23. एहि पार्सलक सील टूटल अछि, सीलपर मोहर नै लागल छै, एकरा सही कए क' आनू। | इस पार्सल की सील टूटी है, सील पर मुहर नहीं लगी है, इसे ठीक करके ले आइए। |



| | |
|---|---|
| 24. अही पार्सलक बीमा करेबाक छै, कत्तेक पाय लगतै? | इस पार्सल का बीमा कराना है, कितने पैसे लगेंगे? |
| 25. पोस्ट–बॉक्स नंबर लेबा लेल की करए पड़तै? | पोस्ट–बॉक्स नंबर लेने के लिए क्या करना होगा? |
| 26. की एहिठाम राष्ट्रीय बचत पत्र भेटतै? | क्या यहाँ राष्ट्रीय बचत पत्र मिलेगा? |

## 32. कंप्यूटर व्यवहार — कंप्यूटर व्यवहार

| | | |
|---|---|---|
| 1. | अहाँक कोन कंप्यूटर अछि? | आपका कौन सा कंप्यूटर है? |
| 2. | हमर कंप्यूटर आई बी एम/ एच सी एल/ कॉम्पैकके अछि। | मेरा कंप्यूटर आई बी एम / एच सी एल/ कॉम्पैक का है। |
| 3. | हमर कंप्यूटर असेंबल्ड अछि। | मेरा कंप्यूटर असेम्बल्ड है। |
| 4. | अहाँक कंप्यूटरक मेमोरी कतेक अछि? | आपके कंप्यूटर की मेमोरी कितनी है? |
| 5. | की, अहाँके कंप्यूटरक कुंजीपटल (की-बोर्ड) द्विभाषिक अछि? | क्या आपके कंप्यूटर का कुंजीपटल (की-बोर्ड) द्विभाषिक है? |
| 6. | हमरा दू-तीन गोट ई-मेल करवाक अछि। | मुझे दो-तीन ई-मेल करना है। |
| 7. | अहाँक कंप्यूटरक पासवर्ड की अछि? | आपके कंप्यूटर का पासवर्ड क्या है? |
| 8. | हमरा अपन पेनड्राइवसँ किछु दस्तावेजक प्रिंट लेबाक अछि। की अहाँक प्रिंटरसँ, प्रिंट आउट लेल जा सकैत अछि? | मुझे अपने 'पेन ड्राइव' से कुछ दस्तावेजों का प्रिंट लेना है, क्या आपके प्रिंटर से 'प्रिंट आउट' ले सकते हैं? |
| 9. | अहाँ देख लिअ', प्रिंटरमे इंक (रोसनाइ) निङ्घटि गेल अछि। | आप देख लीजिए, प्रिंटर में इंक (स्याही) खत्म हो चुकी है। |
| 10. | 'हमरा केन्द्रीय हिंदी निदेसालयके वेबसाइट देखबाक अछि। | मुझे केंद्रीय हिंदी निदेशालय की वेबसाइट देखनी है। |
| 11. | अहाँ निदेसालयक वेबसाइट www.chd.mhrd.gov.in पर लॉग इन' क' सकैत छी। | आप निदेशालय की वेबसाइट www.chd.mhrd.gov.in पर लॉग इन कर सकते हैं। |



| | | |
|---|---|---|
| 12. | आजुक युगमे कंप्यूटरक ज्ञान होयब बड़ आवश्यक छै। | आज के युग में कंप्यूटर का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। |
| 13. | हँ', घर बैसल 'विंडो'सँ' अहाँ सम्पूर्ण संसार देखि, जाइन / जानि सकैत छी। | हाँ, घर बैठकर 'विंडो' से आप संपूर्ण विश्व को देख और जान सकते हैं। |
| 14. | कंप्यूटर त' लोक सभक दशा आ' दिशा दूनू बदलि देलक। | कंप्यूटर ने तो लोगों की दशा और दिशा दोनों बदल दी। |

## 33. मैथिली संस्कृतिक विषयमे — मैथिली संस्कृति के विषय में

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मिथिलाके संस्कार आ संस्कृतिक विषयमे किछु जान' चाहैत छी। | मिथिला के संस्कार एवं संस्कृति के विषय में कुछ जानना चाहता/ चाहती हूँ। |
| 2. | प्रायः अहिठामक संस्कृतिपर ब्राह्मणवादी प्रवृत्तिक अधिक प्रभाव अछि। | प्रायः यहाँ की संस्कृति पर ब्राह्मणवादी प्रवृत्ति का अधिक प्रभाव है। |
| 3. | एतय प्रचलित विवाह पद्धतिक विषयमे किछु रुचिगर गप्प कहू। | यहाँ प्रचलित विवाह पद्धति के विषय में कुछ रुचिपूर्ण बातें बताइए। |
| 4. | मैथिल समाजमे राम-जानकी विवाह पद्धति (कोनो ने कोनो रूपें) एखनो धरि अपनाओल जा रहल अछि। | मैथिल समाज में राम-जानकी विवाह पद्धति (किसी न किसी रूप में) अभी भी अपनाई जा रही है। |
| 5. | मैथिल ब्राह्मण सभक विवाहमे वरक परिछनिकें बड़ महत्व अछि। वरकें बजाक' देखू वाणी दोष त' नै छै, विविध सामग्री देखा क' पुछू, जे आँखिमे त' कोनो दोष नहिं छै, चला क' देखू, जे नांगड़-लुल्ल त' नहिं अछि आदि-आदि। | मैथिल ब्राह्मण सब की शादी में 'वर' के परीक्षण का बहुत महत्व रहा है। 'वर' को बुलवाकर देखें कहीं वाणीदोष तो नहीं है, अनेक सामान दिखाकर पूछें दृष्टि दोष तो नहीं है। चला कर देखें कहीं लँगड़ा-लूला तो नहीं है। |
| 6. | एहि ठामक संस्कृति के की-की विशेषता अछि? | यहाँ की संस्कृति की क्या-क्या विशेषताएँ हैं? |



| | | |
|---|---|---|
| 7. | ई विशेषता अहिठामक' रीति-रेवाज पर्व-तिहार, खेनाइ-पिनाइ, पहिरन, लोक-साहित्य, चित्रकला, लोक-संगीत, नौटंकी, कीर्तन, मेला, आ'लोक परंपरा आदिमे देखल जा' सकैत अछि। | यह विशेषता यहाँ की रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार, खान-पान, पहनावे, लोक-साहित्य, चित्रकला, लोक-संगीत, नाटक, कीर्तन, मेला और लोक परंपरा में देखी जा सकती है। |
| 8. | एहि ठामक किछु विशेष पर्व-तिहारक गप्प कहू। | यहाँ के कुछ विशेष पर्व-त्योहार की बातें करें। |
| 9. | ओना त' / एहिठाम सबटा पर्व-तिहार मनाओल जाइत अछि, मुदा किछु विशेष अछि जेना 'सप्ता-विपता' जाहिमे रबि क' कथा सुनबाक बाद स्त्रीगण सब एक दोसराक हाथमे डोरा बन्हैत छथि। ई चैत्र प्रतिपदसँ प्रारंभ भ' क' वैशाख शुक्लक अंतिम रबि धरि चलैत छैक। | वैसे तो यहाँ सभी पर्व-त्योहार मनाया जाता है। लेकिन कुछ विशेष है, 'सप्ता-विपता' जिसमें रविवार को कहानी सुनने के बाद महिलाएँ एक दूसरे के हाथ में डोरी बाँधती है। यह चैत्र प्रतिपद से प्रारंभ होता है, और वैशाख शुक्ल के अंतिम रविवार तक चलता है। |
| 10. | एहिमे राजा नल-दमयंतीक खिस्सा अठवारे सुनाओल जाइत अछि। | उसमें नल-दमयंती की कहानी हर आठ दिन में सुनाई जाती है। |
| 11. | एक टा आर पर्व छै 'सामा-चकेवा' जे भाइ बहिनक प्रेमक खिस्सा पर आधारित छै। 'छठि' एहि ठामक विशिष्ट पर्व अछि। | एक और पर्व है 'सामा-चकेवा' जो भाई-बहन के प्रेम पर आधारित कहानी है। 'छठ' यहाँ का विशिष्ट पर्व है। |
| 12. | मिथिलामे बड़ पर्व तिहार मनाओल जाइत अछि। गृहदेवता, कुलदेवता, ग्रामदेवता सभक सेहो पूजा-पाठ होइत अछि। | मैथिली संस्कृति के विषय में मिथिला में बहुत से पर्व त्योहार मनाए जाते हैं। गृहदेवता, कुल देवता, ग्रामदेवता सब की पूजा-अर्चना होती है। |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | एहिठाम सौराठ सभाक कोनो समयमे बड़ मान्यता छल। | यहाँ सौराठ सभा की किसी समय बड़ी मान्यता थी। |
| 14. | एहि मेलामे सम्पूर्ण मिथिलाक विवाह योग्य ब्राह्मण कुमार अपन सर-संबंधीक सङे विवाह लेल अबैत छलाह। वरागत आ' कन्यागत दूनू लोकक मिलन-स्थली छल ई स्थान। एखनो अछि। मुदा आब ओ गप्प कतय। | उस मेले में सम्पूर्ण मिथिला के विवाह योग्य ब्राह्मण कुमार अपने संबंधियों के साथ विवाह के लिए आते थे। वर पक्ष और कन्या पक्ष दोनों लोगों के लिए यह मिलन स्थल था। अभी भी है। लेकिन अब वह बात कहाँ। |
| 15. | विद्यापतिकें गीत एखनो मिथिलामे विवाहदान, उपनयन, आदिमे गाओल जाइत अछि। | विद्यापति के गीत अभी भी मिथिला में विवाह, उपनयन आदि में गाये जाते हैं। |
| 16. | मिथिला पेंटिंग्स (चित्रकला) विश्वभरिमे बड़ प्रशंसा पओलक। | मिथिला पेंटिंग्स ने विश्व भर में बड़ी प्रसिद्धि हासिल की। |

## भाग - दू

## व्यावहारिक शब्दावली

## भाग - दो

## व्यावहारिक शब्दावली

## 1. नामवाचक संज्ञा — नामवाचक संज्ञाएँ

### (i) फ'ड़ / फल, फूल, तरकारी आ' मेवा — फल, फूल, सब्जियाँ और मेवे

| | |
|---|---|
| अखरोट | अखरोट |
| अननास, सफरी कटहर | अनन्नास |
| आदी (आद) | अदरक |
| आम | आम |
| धात्री, (अओरा) | आँवला |
| उख (कुसियार) | गन्ना ईख |
| काँकड़ि / बतिया | ककड़ी* |
| कमल | कमल |
| करेला / करै'ल | करेला |
| काजू | काजू |
| केरा | केला |
| कोबी /बंदा कोबी | बंदगोभी* |
| खजूर | खजूर* |
| गाजर / गाजौर | गाजर* |
| गुलाब | गुलाब |
| चंपा | चंपा* |
| चिनिया बदाम | मूंगफली* |
| सपाटू (चीकू) | चीकू |
| जामु (जामुन) | जामुन |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| ताड़ | ताड़ |
| ओल | जिमीकंद |
| टमाटर | टमाटर |
| तरभुज्जा / तारभुज | तरबूज |
| नारिकेल नारिकेर | नारियल |
| नासपाती | नाशपाती* |
| नेबो | नींबू |
| अंगूर, द्राक्ष, दाख | अंगूर |
| परोड़ | परवल |
| पलाँकी | पालक |
| पान | पान |
| पिस्ता | पिस्ता |
| पुदीना, पोदीना | पुदीना, पोदीना |
| बेल | बेल |
| बदाम / कागजी बदाम | बादाम |
| भाँटा | बैंगन |
| मटर (छिम्मी) | मटर |
| मरिचाइ /मेरिचाइ | मिर्च* |
| मूर / मूरइ / मूरै | मूली* |
| मेथी | मेथी* |
| मोगरा | मोगरा |
| मधु | शहद / मधु |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| मोसम्मी | मौसमी* |
| रातरानी | रात की रानी* |
| लहसुन / लसुन | लहसुन |
| सिमला मेरिचाइ | शिमला मिर्च* |
| सेओ / सेब | सेब |
| गूआ, गुआ, सुपारी | सुपारी* |
| सूरुजमुखी | सूरजमुखी* |
| झिंगुनी / घेरा | तोरई* |
| कदीमा | कद्दू |
| सजमनि / लौकी | लौकी* |
| कुम्हड़, कुम्हर | पेठा |
| बीजू (सरही आम) | छोटा आम |
| कलमी (कलमी आम) | बड़ा आम |
| केराव, केराओ | दाल (एक प्रकार) |
| खम्हारु | कंद (एक प्रकार) |

## (ii) खेबा-पीबाक वस्तु — खाने-पीने की चीजें

| | |
|---|---|
| अंडा | अंडा |
| अनरसा | अनरसा (चावल के आँटा से बना पकवान) |
| उड़ीद | उड़द* |
| भूजा / भुज्जा | भूजा* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| खीर / तसमै / पायस | खीर* |
| मुड़ही, मुरही | मुरमुरे |
| गहूम | गेहूँ |
| गुलाबजामुन | गुलाबजामुन |
| चटनी | चटनी* |
| बूटक दालि (दैल) | चना दाल* |
| चाह | चाय* |
| तेत्तरि /तेत्तैर | इमली* |
| चूड़ा / चूरा | चिड़वा, पोहा |
| जीर | जीरा* |
| जिलेबी | जलेबी* |
| दालि / दैल | दाल* |
| चौर / चाउर | चावल |
| घी / घीऊ | घी |
| राहड़ि (राहैड़) दालि (दैल) | अरहर / तुअर दाल |
| तेल | तेल |
| दही | दही |
| दूध | दूध |
| (धनिया) धनी | धनिया |
| पानि (पैन) | पानी |
| चिक्कस, चीकस | आटा |
| बरफी | बरफी* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| बिस्कुट | बिस्कुट |
| तरुआ | पकौड़ा |
| तरकारी / तीमन | सब्जी* / भाजी* / तरकारी* (पकी हुई) |
| भात | भात / चावल (पका हुआ) |
| मकई / मकै | मक्का |
| मसूर'क / मसुरीक दालि | मसूर दाल* |
| नून, नोन | नमक |
| खेरही दैल, दालि | मूँग दाल* |
| राइ, करिया सरिसओ | राई* |
| सरिसबक तेल, कड़ू तेल | सरसों का तेल, कड़ुआ तेल |
| सरिसबक साग | सरसों का साग |
| रसगुल्ला / रसिगुल्ला | रसगुल्ला |
| सोहारी (गहूमक रोटी) | रोटी* (गेहूँ की) |
| लस्सी | लस्सी* |
| लवंग | लौंग* |
| लड्डू / मुंगबा | लड्डू |
| नेबो पानि (पैन) | नींबू पानी |
| अचार | अचार |
| मक्खन / माखन | मक्खन |
| दक्षिणी (दछिनी अराँची) | इलायची* (छोटी) |
| अड़ाँची | बड़ी इलायची* |
| शरबत | शरबत |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।





| | |
|---|---|
| चीनी, चिन्नी | चीनी* / शक्कर* |
| साबुजदाना | साबूदाना |
| हरैद, हरदि | हल्दी* |
| पकवान | पकवान |
| पूआ / पू / मालपुआ | पूआ / मालपूआ |
| बगिया | चावल गुड़ का पकवान |
| माछ - भात | मछली - चावल |
| तिलकोड़ा पात, तिलकोरकपात | एक प्रकार का पत्ता जो पकौड़े बनाने के काम आता है। इसके औषधीय गुण भी होते हैं। |
| तिलकोरक तरुआ | तिलकोर के पत्ते का पकौड़ा |
| पिड़ुकिया / पुड़ुकिया | गुझिया |
| ठेकुआ | मठरी जैसा मीठा पकवान (गेंहूँ के आटे और गुड़ से बना) |
| पनितोआ | काला जामुन (काला जाम) |
| दुधपिट्ठी | सेवई के जैसा मीठा पकवान |
| चमचम | छेने की मिठाई |
| खाजा | मैदा और चीनी की बनी सूखी मिठाई |

### (iii) भानसके बरतन आ' आन चीज वस्तु — रसोई के बर्तन और अन्य चीजें

| | |
|---|---|
| लोहिया | कड़ाही* |
| कप / पियाली | कप |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| कदुकस | कद्दूकस |
| हाँसू, कत्ता | हसुआ |
| कोयला | कोयला |
| गैस | गैस* |
| गिलास | गिलास |
| चम्मस | चम्मच |
| चाहछन्नी | चायछन्नी* |
| चक्कू / छूरी | चाकू / छुरी* |
| झँपना / झॉपन | ढक्कन |
| बाढ़नि / बाढ़ैन | झाड़ू |
| छिट्टा / ढाकी | टोकरी* |
| लुत्ती | चिंगारी* |
| डिब्बा | डिब्बा |
| ताबा, त'ब | तवा |
| थारी | थाली* |
| बाटी | कटोरा |
| जलखई | जलपान / नाश्ता |
| कड़छुल | कड़छी* |
| छोलनी | छलनी* |
| चकती | चकला |
| बरफ | बर्फ* |
| तस्तरी, सराए (सराइ) | तश्तरी* |
| बोतल | बोतल* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| बाल्टीन | बाल्टी* |
| भट्ठी / भट्ठा | भट्ठी* |
| बासन | बरतन |
| सलाइ / दियासलाइ | माचिस* / दियासलाई* |
| लकड़ी, काठ | लकड़ी* |
| बेलना | बेलन |
| बोइयाम | मर्तबान |
| स्टोव / इस्टोब | स्टोव |
| लालटेन / लालटेम | लालटेन* |
| टेमी | बाती* |
| तमघैल | ताँबे का घड़ा |
| पेटार | बड़ा संदूक |
| खुरचन | सीप का बना पात्र |
| लट् - खुट (भिन्न-भन्न प्रकारक) | छोटा सामान (भिन्न-भिन्न प्रकार का) |
| भरार | भंडार |
| पीढ़ी / पीढ़ा | नीचे बैठने की चौकी* |
| बाटी | कटोरा |
| खड़िका | टूथ पिक |

## (iv) दैनिक प्रयोगक वस्तु — दैनिक प्रयोग की वस्तुएँ

| | |
|---|---|
| ऑगन | ऑगन |
| अंतर्देशीय चिट्ठी | अंतर्देशीय पत्र |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| दर्पण / ऐना (अएना) | दर्पण / शीशा / आइना |
| आराम कुरसी | आराम कुरसी* |
| अस्पताल | अस्पताल* |
| गेरुआ | तकिया |
| औषैध / औषधि / दवाइ | दवाई* / दवा* |
| सीरक | रजाई* |
| चादरि | चादर* |
| गमछा / अंगपोछा | तौलिया |
| कंप्यूटर (संगणक) | कंप्यूटर |
| अलमारी / अलमीरा | अलमारी*/ अलमीरा |
| कागद | कागज |
| रोशनाय, मोसि | स्याही* |
| काँच / काच | काँच |
| बेंत / छड़ी | छड़ी* |
| कार्यालय / ऑफिस | कार्यालय / ऑफिस |
| खटिया, खाट | खाट*, खटिया |
| पटिया | चटाई* |
| खिड़की / जंगला | खिड़की* |
| काँटी | कील* |
| कुरसी | कुरसी* |
| खेलौना | खिलौना |
| गोंद / गोन, लस्सा | गोंद* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| भीड़ - भड़क्का | भीड़* |
| घास | घास |
| पुस्तकालय / ग्रंथालय | पुस्तकालय |
| घड़ी / घ'ड़ी | घड़ी* |
| कओर / क'र | ग्रास / निवाला |
| चस्मा / ऐनक | चश्मा / ऐनक* |
| चाभी / कुंजी | चाबी* |
| छतरी / छत्ता | छाता |
| फोटो | फोटो* / तस्वीर* |
| जमीन, भुइयाँ | जमीन |
| गाछ बिरीछ | पेड़ / पौधे / वृक्ष |
| डाक | डाक* |
| ताला | ताला |
| टी वी / टी.भी | टी.वी* |
| टेबुल / मेज | मेज* |
| मेजपोश | मेजपोश |
| ढोल | ढोलक* |
| बस्ता | बस्ता |
| दरी / सतरंजी | दरी* |
| दीया / दीप | दिया / दीपक |
| दोकान | दुकान* |
| ताग | धागा / तागा |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| पाँखि / पँख | पंख |
| पंखा | पंखा |
| तास | ताश* |
| चिट्ठी / पतरी | चिट्ठी* / पत्र |
| पत्रिका | पत्रिका* |
| कोच / पलंग | पलंग |
| लिफाफा, लिफाफ | लिफाफा |
| पृष्ठ | पृष्ठ |
| झोरा | थैला |
| किताब / ग्रंथ / पुस्तक / पोथी | किताब* / ग्रंथ / पुस्तक* |
| संदूक / बाकस, संधूक | संदूक / बक्सा |
| पिलसिन / पेंसिल | पेंसिल* |
| ककवा / कंघी | कंघा |
| फल-फ'ड़ | फल |
| फुलदानी | फूलदान |
| पइसा / कैंचा | पैसा |
| फाइल | फाइल* |
| फ्रीज / फिरिज | फ्रिज |
| बुटाम | बटन |
| टाका | रुपया |
| बैंक | बैंक |
| बैग-बटुआ / झोरा | बैग |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| बगीचा / गाछी | बगीचा |
| बैसकी | बैठक* |
| भवन | भवन |
| देवार | दीवार* |
| मोमबत्ती | मोम बत्ती* |
| रस्सी / जौड़ | रस्सी* |
| मैदान | मैदान |
| कलम | कलम* |
| फीता / फित्ता | फीता |
| एक'बार | अखबार / समाचार पत्र |
| कौपी | कॉपी* |
| बीमा | बीमा |
| बिजली | बिजली* |
| पाठशाला | पाठशाला* |
| सिलाइमसीन | सिलाई मशीन* |
| खेत | खेत |
| साहित्य | साहित्य |
| स्क्रू ड्राइवर | स्क्रू ड्राइवर / पेचकस |
| टीसन | स्टेशन |
| गोरहा घर | उपले आदि रखने का घर |
| स्टेपलर | स्टेपलर |
| भनसा घर | रसोईघर |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| गोसाई घर / भगवती घर / गोसाउनिक घर | पूजाघर |
| गोहाली | गौशाला* |
| गोइठा / चिपड़ी | उपले |
| छौड़, छाउर | राख* |
| गोरु | जानवर |
| केथरी (पुरान कपड़ा लत्ता के बनल बिछौन।) | एक प्रकार का बिछावन |
| हँसुली | गले में पहना जाने वाला आभूषण |
| टिकुली | बिंदी* |
| बिछिया | बिछिया* |
| काड़ा / छाड़ा | पैर में पहना जाने वाला आभूषण |
| नकबेसर | नाक में पहना जाने वाला गहना |
| डढ़कस / कमरबंद / डॉड़मे पहिरए वाला | कमरबंद |

## (v) व्यवसाय — व्यवसाय / पेशा

| | |
|---|---|
| अध्यक्ष | अध्यक्ष |
| अनुवादक | अनुवादक |
| अभियंता | अभियंता |
| भनसिया | रसोइया |
| विधायक | विधायक |
| डाकडर / चिकित्सक | डॉक्टर |
| आयुक्त | आयुक्त |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| उप मुख्यमंत्री | उप मुख्यमंत्री |
| उपाध्यक्ष | उपाध्यक्ष |
| कवि / कवयित्री | कवि / कवयित्री* |
| कर्मचारी | कर्मचारी |
| कैशियर | कैशियर |
| सांसद | सांसद |
| राजगीर | राजगीर |
| गबैया | गायक |
| पुस्तकालय अध्यक्ष | पुस्तकालय अध्यक्ष |
| ग्राम सेवक | ग्राम सेवक |
| घड़ीसाज | घड़ीसाज |
| मोची | मोची |
| चित्रकार | चित्रकार |
| रखबार / चौकीदार | दरबान / चौकीदार |
| ड्राइवर / डरेभर | चालक / ड्राइवर |
| दाँत'क डाक्टर | दंत चिकित्सक |
| टिकट चेकर | टिकट चेकर |
| निर्देशक | निर्देशक |
| दोकानदार | दुकानदार |
| दुभाषिया / दुभखिया | दुभाषिया |
| धोबिया | धोबी |
| नट / नटुआ | अभिनेता |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| नर्स | नर्स / परिचारिका* |
| नाविक / नाह खेवैया | नाविक |
| निरीक्षक | निरीक्षक |
| सेवक / नोकर / खबास | नौकर |
| न्यायाधीस | न्यायाधीश |
| नौआ / हजाम | नाई |
| पत्रकार | पत्रकार |
| पर्यवेक्षक | पर्यवेक्षक |
| पोथी बेचएवला | पुस्तक विक्रेता |
| चपड़ासी / दफ्तरी | चपरासी / दफ्तरी |
| प्रकाशक | प्रकाशक |
| प्रधानमंत्री | प्रधानमंत्री |
| प्राचार्य | प्राचार्य |
| प्राध्यापक | प्राध्यापक |
| फेरीवाला / ठेला व्राला | फेरीवाला / ठेलेवाला |
| मजूर / ज'न / बोनिहार / बोईनहार | मजदूर |
| महापौर | महापौर |
| मुख्यमंत्री | मुख्यमंत्री |
| प्रधानाचार्य | प्रधानाचार्य |
| मुद्रक | मुद्रक |
| लिपिक / किरानी | लिपिक |
| लेखक / लेखिका | लेखक / लेखिका* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| लोहार, लौहकार | लुहार, लोहार |
| ओकील, अधिवक्ता | वकील |
| वैद | वैद्य |
| व्यवस्थापक | व्यवस्थापक |
| दरजी | दरजी, दर्जी |
| व्यापारी / बनिया | व्यापारी |
| शिल्पी / मुरुतकार / मुरुतिकार | शिल्पी, मूर्तिकार |
| शिक्षक / अध्यापक / सिखओनिहार | शिक्षक / अध्यापक |
| खेतिहर / कृषक /किसान /खेतिआहा | कृषक / किसान |
| निदेशक | निदेशक |
| सभापति | सभापति |
| सहायक / दहिना हाथ | सहायक |
| बढ़ै / कमार | बढ़ई |
| सोनार | सुनार |
| आशुलिपिक | आशुलिपिक |
| कुली / भरिआ | कुली |

## (vi) संबंधी / गोतिआ- नाता — संबंध / रिश्ते - नाते

| | |
|---|---|
| माए/ माता / माँ / माइ | माँ* |
| दादी / बाबी / पितामही | दादी* |
| नानी / मातामही | नानी* |
| पितामह / बाबा / दादा | दादा |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| मातामह / नाना | नाना |
| पीसी | बुआ* |
| कन्या / पुत्री / बेटी | बेटी* / पुत्री* / कन्या* |
| कक्का / काका / पित्ती | चाचा / ताऊ |
| मौसा / मओसा | मौसा |
| काकी / पितिआइन | काकी* / चाची* |
| जेठ दियादनी / देयादिनी | जेठानी* |
| जमाय | दामाद |
| बहिनि / दीदी / बहीन | दीदी* |
| भाय जी/ भाइजी / अग्रज /पैघ भाइ / ज्येष्ठ भ्राता | बड़ा भाई |
| बहिनोय / बहिनो | जीजा / बहनोई |
| ननदि (ननैद) / ननदी | ननद* |
| पति / स्वामी / सैआँ | पति |
| नाति / दौहित्र / पोता / पौत्र-पोती / पौत्री | नाती / नातिन / नतिनी / पोता - पोती / पौत्र - पौत्री |
| भतीजी / भतिजी | भतीजी* |
| भातीज / भातिज | भतीजा (भाई का बेटा) |
| पुत्र / बेटा | पुत्र / बेटा |
| बहिन | बहन* |
| मामा / माम | मामा |
| पीसा / पिउसा | फूफा |
| मामी | मामी* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| मौसी | मौसी* |
| मित्र / सखी / सहिआ | मित्र / सहेली* |
| कंटिरबा | छोटा लड़का |
| कंटिरबी | छोटी लड़की* |
| दौहित्री | नातिन* |
| सार / सारि | साला / साली* |
| पिता / बाबू | पिता |
| भाउजि / भौजी | भाभी* |
| ससुर / श्वसुर | ससुर |
| सासु | सास* |
| भैंसुर / भैसुर | जेठ |
| भाबहु / भावो | छोटे भाई की पत्नी* |
| भगिनमान | वह ब्याहता बेटी जो मायके में ही रह गई (उनके बच्चे) |
| पुतहु | पुत्रवधू* |
| सरबेटा / सरबेटी | साले का बेटा / बेटी* |
| साढ़ू | साढ़ू |
| ममियौत | मामा का बेटा / बेटी* |
| पिसियौत | बुआ का बेटा / बेटी* |
| जैधी | देवर / जेठ की बेटी* |
| जाउत | देवर / जेठ का बेटा |
| भागिन | भानजा |
| भगिनी | भानजी* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| ननदोसि | ननदोई |
| सरहोजि / सरहोइज | सलहज* |
| नाना / मातामह | नाना |
| परनाना / प्रमातामह | परनाना |
| परदादा / प्रपितामह | परदादा |
| गोतिया / गोतिआ / देआद | एक गोत्र वाले (सात पीढ़ी के भीतर) |
| गोतिनी (गोत्रिणी) | देवरानी* / जेठानी* (एक ही गोत्र / सात पीढ़ी के भीतर में विवाह हो जाने के कारण) |
| ननिहर/ ननिऔरा / मात्रिक / ननिहार | ननिहाल |
| ददिहर / ददिऔरा | पैत्रिक गाँव / दादा का घर |

## (vii) पशु-पक्षी आ' कीट फतिंगा — पशु-पक्षी और कीड़े-मकोड़े

| | |
|---|---|
| भौल / भालु | भालू |
| ऊँट | ऊँट |
| मूस | चूहा |
| परबा / परेबा | कबूतर |
| कौआ / काग | कौआ |
| कौछ / कछुआ / काछु | कछुआ |
| कीड़ा | कीड़ा |
| कुकुर | कुत्ता |
| मुरगा | मुरगा |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| मुरगी | मुर्गी* |
| कोइली | कोयल |
| लोमड़ि / नढ़िया | लोमड़ी* |
| गदहा / गर्दभ | गधा |
| चिलहोरि / चिल्होइ / चील्ह | चील* |
| बाज | बाज |
| उल्लू | उल्लू |
| घोड़ा | घोड़ा |
| चीता | चीता |
| चिड़ै / बगेड़ी | चिड़िया* / गौरेया* |
| मालजाल / पशु | जानवर |
| झिंगुर / झीङुर | तिलचट्टा |
| सुग्गर / सूगर | सुअर |
| लुक्खी | गिलहरी* |
| उड़ीस / ऊड़ीस | खटमल |
| लकड़बग्घा | लकड़बग्घा |
| पसु | पशु |
| गिरगिट / टिकटिकहा | छिपकली* |
| तोता / सुग्गा | तोता |
| तितली | तितली* |
| बकरा (ड़ा) / छागर | बकरा |
| बकड़ी / बकरी | बकरी* |
| बौगला | बगुला |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| तेनुआ | तेंदुआ |
| बेंग / बेङ | मेंढ़क |
| बरद / बड़द | बैल |
| बिलाड़ | बिल्ली* |
| मगरमच्छ / घड़ियार / गोहिं | मगरमच्छ |
| मधुमक्खी / मधुमाछी | मधुमक्खी* |
| बिलाड़ि | बिल्ली* |
| बानर | बंदर |
| माछी | मक्खी* |
| माछ | मछली* |
| चुट्टी / पिपरी | चींटी* |
| भेड़ / भेड़ा | भेड़* |
| महींस | भैंस* |
| मजूर / मयूर | मोर |
| मजूरनी | मोरनी* |
| बादुर | चमगादड़ |
| बाघ | बाघ |
| सतुरमुर्ग | शुतुरमुर्ग |
| गिरगिटिया | गिरगिट* |
| खरहा | खरगोश |
| साँप | साँप |
| सेर / सिंह | शेर / सिंह |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।





| | |
|---|---|
| हंस | हंस |
| हाथी / गज | हाथी |
| हरिन / हरीन | हिरन |

## (viii) सरीरक अवयव / देह'क अंग — शरीर के अवयव

| | |
|---|---|
| औंठा | अँगूठा |
| ठोर | ओठ / होंठ |
| डाँड़ | कमर* |
| माथ / मस्तक / भाल | माथा / मस्तक |
| कान / कनपट्टी | कान / कनपटी* |
| केस | केश |
| केहुनी | कुहनी* / कोहनी |
| कनहा / काँध / पाँखुड़ | कंधा |
| गरा / गरदनि | गला |
| गाल | गाल |
| ठेहुन | घुटना* |
| छाती | छाती* |
| जीह / जीभ | जीभ* |
| एड़ी | एड़ी* |
| सिर / माथ | सिर |
| आँखि | आँख* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| मुख /मुह | मुख / मुँह |
| बाँहि | बाँह |
| दाँत | दाँत |
| नौह / न'ह | नाखून |
| नाक | नाक* |
| तरहत्थी | हथेली* |
| पीठ | पीठ* |
| पिपनी | पलक* |
| पएर / टाँग | पैर / टाँग* |
| पेट / पाँजरि | पेट / पसली* |
| आंगुर / आङुर | उँगली* |
| भौं / भोम | भौंह* |
| मेरुदंड / रीढ़ | मेरुदंड / रीढ़* |
| जाँघ | जाँघ* |
| गर्दनि | गर्दन* |
| मोंछ | मूँछ* |
| दिमाग / बुद्धि | दिमाग / बुद्धि |
| शरीर / देह | शरीर |
| स्तन | स्तन |
| ठोढ़ी / ठोरी | ठोढ़ी* |
| हाड़ | हड्डी* |
| हाथ | हाथ |
| हिय / करेज | हृदय |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



## (ix) वस्त्र आ' आभूषण — कपड़े और आभूषण

| | |
|---|---|
| औँठी | अँगूठी* |
| ओढ़नी | ओढ़नी* |
| डँड़कस | कमरबंद |
| काजर / काजरि | काजल |
| बाली | बाली* |
| वस्त्र | कपड़ा |
| कुर्ता | कुर्ता |
| कोट | कोट |
| खादी | खादी |
| जेबी | जेब* |
| घघरा | घाघरा |
| घुघरू | घूंघरू |
| कम्मल / कबल | कंबल |
| चप्पल / चट्टी | चप्पल* |
| चेन | चेन* |
| आंगी / अंगिया / बेलौज / आङी | चोली* / ब्लाऊज |
| जींस | जींस* |
| गमछा / तौनी / अङपोछा | तौलिया |
| ठोप (सिनूर'क) | बिंदी* (सिंदुर की) |
| टी - शर्ट | टी - शर्ट* |
| खड़ाम / खरपा | खड़ाऊ* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| टोप / टोपी / कनटोपी | टोपी* |
| कंगन / बाला | कंगन / बाला |
| गहना | गहना |
| धोती | धोती* |
| नथुनी / नथनी | नथ* |
| लौंग / लवंग / लवङ | लौंग' (नाक की कील) |
| डोरी / रस्सी | नाड़ा |
| बेल्ट / पट्टा | बेल्ट / पट्टा |
| आँचरि (आँचैर) | पल्लू |
| घोघ | घूँघट |
| बटुआ | पर्स |
| पैंट | पैंट* |
| पजामा | पाजामा / पैजामा |
| मौजा / जुराब / पैताबा | मोजा / जुराब |
| साया | पेटीकोट |
| पायल / पाजेब | पायल* |
| पोशाक | पोशाक* |
| फरौक | फ्रॉक* |
| पाग / पगड़ी | पगड़ी* |
| चूड़ी / लहठी | चूड़ी* / लाख की चूड़ियाँ* |
| पनही / जुत्ता | जूता |
| पहुँची / ब्रेसलेट | ब्रेसलेट |
| मटरमाला / मोतीमाला | मोतियों की माला* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| मंगलसूत्र | मंगलसूत्र |
| रुमाल | रूमाल |
| पटोर / रेशमी | रेशमी* |
| लुंगी / लुङी | लुंगी* |
| नूआ | साड़ी* |
| अंगा / आङी | शर्ट* |
| साल / ओढ़ना | शॉल* |
| सलवार | सलवार* |
| सैंडिल | सैंडल* |
| सूती | सूती* |
| आलपीन / सेफटीपिन | सेफ्टीपिन* |
| स्कर्ट | स्कर्ट* |
| हार / माला | हार / माला |

## (x) रत्न, धातु आ' खनिज — रत्न, धातुएँ और खनिज

| | |
|---|---|
| अलमोनिया / अलमोनियम | ऐलुमिनियम |
| पित्तड़ि / पित्तरि | पीतल |
| फुलही / फुलहा | काँसा / कांस्य |
| तामा | ताँबा |
| मूँगा | मूँगा |
| हीरा | हीरा |
| पन्ना | पन्ना |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| रत्न / मणि | रत्न / मणि |
| काँच / काच | काँच |
| सोन / सुवर्ण | सोना |
| लोह | लोहा |
| मणि / जवाहरात | मणि / जवाहरात |
| पारा | पारा |
| अबरख | अभ्रक |
| मोती | मोती |
| नीलम | नीलम |
| चानी | चाँदी* |
| इस्पात | इस्पात |
| गंधक | गंधक |
| टीन / राँगा | टीन / राँगा |
| पुखराज | पुखराज |
| फिरोजा | फिरोजा |
| जस्ता | जस्ता |

**(xi) मासक नाम** — **महीनों के नाम**

**(क) भारतीय मास (हिंदी मास)** — **भारतीय महीने (हिंदी महीने)**

| | |
|---|---|
| चैत / चइत | चैत्र (चैत) |
| बैसाख | वैशाख (बैसाख) |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| जेठ | ज्येष्ठ (जेठ) |
| अखाढ़ / अषाढ़ | आषाढ़ (आसाढ़) |
| साओन / सावन | श्रावण (सावन) |
| भादो / भादव | भाद्रपद (भादो) |
| आसिन | आश्विन (क्वार) |
| कातिक | कार्तिक (कातिक) |
| अगहन | मार्गशीर्ष (अगहन) |
| पूस | पौष (पूस) |
| माघ | माघ |
| फागुन | फाल्गुन (फागुन) |

**(ख) अंग्रेजी मास** — **अंग्रेजी महीने**

| | |
|---|---|
| जनवरी | जनवरी |
| फरवरी | फरवरी |
| मार्च | मार्च |
| अप्रैल | अप्रैल |
| मइ / मे | मई / मे |
| जून | जून |
| जुलाय | जुलाई |
| अगस्त | अगस्त |
| सितंबर | सितंबर |
| अक्टूबर | अक्टूबर |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| नवंबर | नवंबर |
| दिसंबर | दिसंबर |

## (xii) हफ्ता के दिन — सप्ताह के दिन

| | |
|---|---|
| रवि - रैब | रविवार |
| सोम | सोमवार |
| मंगल | मंगलवार |
| बुद्ध | बुधवार |
| बेरेसपति/ बिफे / बृहस्पति | बृहस्पतिवार |
| शुक्र / शुक्कर | शुक्रवार |
| शैन (शनि) शनीच्चर | शनिवार |
| पख | पक्ष |
| अंधेरिया / अन्हरिया | कृष्ण पक्ष |
| इजोरिया | शुक्ल पक्ष |
| ऋतु | ऋतुएँ |
| गरमी / ग्रीष्म | ग्रीष्म |
| बरिसात | बरसात / वर्षा |
| हेमंत | हेमंत |
| शिशिर / शीत / जाड़ | शिशिर / शीत |
| वसंत | वसंत |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



## (xiii) विविध — विविध

| | |
|---|---|
| स्नान / नहान / नहा-धो | स्नान |
| अन्हार / अँधेरा | अंधेरा |
| अकादमी | अकादमी* |
| समस्या | समस्या* |
| अनुवाद | अनुवाद |
| दुर्घटना / घटना | दुर्घटना* |
| अभिनंदन | अभिनंदन |
| पढ़ाइ / पाठन | पढ़ाई* |
| अर्जी / प्रार्थनापत्र | अर्जी* / प्रार्थना पत्र |
| तातिल / छुट्टी | अवकाश |
| सप्ताह / हफ्ता | सप्ताह |
| विश्राम गृह / विराम गृह / विश्रामालय | विश्राम गृह |
| स्वास्थ्य | स्वास्थ्य |
| अस्पताल | अस्पताल |
| उत्तर | उत्तर |
| चालि-ढालि / ढैल | गतिविधि |
| रौद / घाम | धूप* |
| ऋतु | मौसम |
| दवाइ के दोकान | दवा की दुकान* |
| करारनामा | करारनामा |
| कला / हुनर / गुण | कला* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| कलाकार | कलाकार |
| अदृष्ट / अदिष्ट / भाग्य | अदृष्ट / भाग्य |
| उपन्यास | उपन्यास |
| कार्यक्रम | कार्यक्रम |
| काल | काल |
| भाव / दाम / मोल | दाम |
| समुद्रतल | समुद्रतल |
| किरपा / कृपा | कृपा* |
| केन्द्र | केंद्र |
| खेद / अफसोस / दुख | अफसोस / खेद |
| अनठिया | अपरिचित |
| अधा-छिधा | आधा-अधूरा |
| चिक्कन-चुनमुन / चिकन-चुनमुन | साफ सुथरा |
| ओकासी | खाँसी* |
| सुसुम (पानि वा पाइन) पानि | हल्का गर्म (पानी) |
| तपत / तप्त | गरम |
| गाड़ी | गाड़ी* |
| गाम / ग्राम | गाँव / ग्राम |
| खिस्सा | किस्सा |
| गोष्ठी | गोष्ठी* |
| घंटी / घड़िघंट | घंटी* |
| तूर / रुइ | रूई* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| हिस्सक / हिस्सख | आदत* |
| आमील | खटाई* |
| अदौरी | बड़ियाँ* |
| तिलौड़ी | तिल की बड़ियाँ* |
| चरौरी | चावल की बड़ियाँ* |
| मुँगवा | लड्डू |
| मधुर | मिठाई* |
| ढेकी | अन्न या धान कूटने का एक प्राचीन परंपरागत उपकरण |
| जाँत | चक्की* |
| झोर | कढ़ी* / तरी* |
| छिपली | मध्यम आकार की प्लेट* |
| सूप / डगरा | सूप / बाँस से बना एक पात्र जिससे अन्न साफ करने का काम किया जाता है |
| छिट्टा / पथिआ | टोकरी / बाँस का एक पात्र जिससे अन्न साफ करने का काम किया जाता है। |
| कुरूड़ / कुरुड़ | कुल्ला |
| निफिकिर / निश्चिंत | निश्चिंत |
| भोथ | मंद / कुंठित धारबाला |
| लोहछल बोल | कटु बोल / वचन |
| भानस करब | भोजन पकाना |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| भानस घर / भनसाघर | रसोई घर |
| कननमूंह | रोने जैसी सूरत |
| इनार | कुआँ |
| सिन्नुर / सिनूर | सिंदूर |
| गुड़गोबर | बेकार / बरबाद |
| अजोध | परिपक्व |
| स'रकुटुम | संबंधी |
| दरियादाग, मजगूत, लाम-चाकर | मजबूत |
| मलेच्छ / किरपिन | कंजूस |
| पनपियाइ / जलखइ | जलपान |
| भोरुका | सुबह का |
| अरिपन | अल्पना* |
| पिपही | परंपरागत वाद्य यंत्र |
| मौगी (slang) | स्त्री* |
| मनसा (slang) / मोनसा | पुरुष |
| पोखैर (पोखरि) | पोखर / तालाब |
| (मुनहैर) मुनहरि साँझ | गहराती हुई शाम* |
| राति (रैत) | रात* |
| तोड़ा / कोशल / कोसलिआ | खजाना |
| आहे-माहे | तथ्यहीन बातें |
| हॉक देब | जोर से पुकारना (दूरध्वनि देना) |
| असर्द्ध / असर्ध | गंदा / खराब / बुरा (अश्रद्धा के साथ) |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| ससर्द्ध / ससर्ध | अच्छा / साफ / भला (श्रद्धा के साथ) |
| बुझनुक | समझदार |
| पाकलपरोड़ | परिपक्व |
| बानवीर | बौना |
| कनहा | काना |
| अंधरा / आंधर / आन्हर | अंधा |
| लूल्हा / लांगड़ | लूला / लंगड़ा |
| इजोरिया | शुक्ल पक्ष |
| अंधेरिया / अन्हरिया | कृष्ण पक्ष |
| बरियाती | बारात |
| कन्यागत | लड़की पक्ष वाले |
| बटलोही | मध्यम आकार का पीतल का बरतन जिसमें दाल या चावल बनाया जाता था। |
| बियापक / बितपन | समझदार |
| बताह | पागल |
| बतहिया | पगली* |
| बकलेल | मूर्ख |
| पलखति | फुरसत |
| नेना-भुटका | बच्चे |
| धिया-पुता | बेटा - बेटी* |
| मनिहरबा / चूड़िहरबा | चूड़ीवाला |
| दिव्य | अति सुंदर |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| घरघुस्सा / घरघुसना | हरदम घर में रहने वाला |
| दीप-लेसैन | झगड़ा लगाने वाली* |
| लुत्ती लगौनिहार | झगड़ा लगाने वाला |
| चानन | चंदन |
| चान | चंद्रमा |
| तरेगण | तारा / तारे |
| चार / छप्पर | छत* / छप्पर |
| जंगल / बोन | जंगल / वन |
| संसार / जगत | विश्व |
| झंडा / ध्वज | झंडा / ध्वज |
| पर्वत / पहाड़ | पर्वत / पहाड़ |
| मथबाहि | सरदर्द |
| तारीख | तारीख* |
| इच्छा / तृष्णा | इच्छा* / तृष्णा* |
| ठंढ / ठंढी | ठंडा |
| हरारति / थकान | थकान* |
| ज'र / ज्वर | ज्वर / बुखार |
| हँस्सी / ठट्ठा | मजाक |
| दया | दया* |
| दक्षिण | दक्षिण |
| पूब | पूरब / पूर्व |
| द्वीप | द्वीप* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| गौरवाह | घमंडी* |
| नदी | नदी* |
| गोड़ / गोर लगैत छी | प्रणाम (बड़ों के लिए) (करता हूँ) |
| कनिया | दुल्हन* |
| नाटक | नाटक |
| नोत / नेओत / हकार | निमंत्रण |
| भोर / भिनसरे | प्रात:काल / सवेरे |
| बरखा / बुन्नी | वर्षा* |
| प्रशंसा | प्रशंसा |
| प्रश्न | प्रश्न / सवाल |
| घुरती काल | लौटते समय |
| विख्यात / बड़का नामधारी | विख्यात |
| चिड़ैघर / संग्रहालय | चिड़िया घर |
| इमानदार | ईमानदार |
| सिनेह / प्रेम / प्यार | प्रेम / प्यार |
| फुलदानी | फूलदान |
| हाट / बजार / पेठिया | बाजार |
| फुइस | झूठ |
| फुसियाही | झूठी* (बिना सर पैर की बातें) |
| मौगियाही | औरतों की छोटी-छोटी बातें* |
| फुलडाली | फूल रखने का पात्र |
| लजकोटर | शर्मीला |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

111 CHD/21—11A

| | |
|---|---|
| कनफुसकी | कानाफूसी* |
| घूर / घूड़ | अलाव |
| बोरसी | एक प्रकार की अंगीठी (मिट्टी या लोहे का बना पात्र जिसमें आग रख कर सेंका जाता है। (सर्दियों में) |
| चाँछैर | लकीर |
| धुरखुर | चौखट* |
| छाहरि (छाहैर) | छाया |
| छगुन्ता | आश्चर्य |
| छप्पन भोग | छप्पन प्रकार के व्यंजन / छप्पन भोग |
| छागरि / पाठा / पाठी | बकरी का बच्चा / बच्ची* |
| पाड़ा / बाछा | भैंस का नर बच्चा / गाय का बच्चा (बछड़ा) |
| पाड़ी / बाछी | भैंस / गाय की बच्ची (बछड़ी)*/ बछिया |
| तामस / पित्त | क्रोध* |
| मसीन | मशीन* |
| बेराम / अशक्त / बेमार | बीमार |
| विवाह / बियाह | विवाह |
| उपास | उपवास |
| चौरचन | चौठी चंद्र / एक व्रत / उपासना |
| छैठ / छठि | छठ |
| उपनयन / जनेउ | जनेऊ संस्कार / उपनयन संस्कार |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।





| | |
|---|---|
| महजिद | मस्जिद* |
| मास / माह / महीना | माह / महीना |
| दधि / दही | दही |
| मड़वा | मंडप |
| लोभ | लालच |
| ओजन | वजन |
| बटोहिया / बटोही | राही / यात्री |
| परदेसिया | परदेश में रहने वाला / घर से बाहर |
| वाहन / सवारी | वाहन |
| बिजली / बिजुरी | बिजली* |
| हवाइ अड्डा | हवाई अड्डा |
| नेपोभाटिनि | व्यर्थ का रोना रोने वाली* |
| किरपिन | कृपण / कंजूस (स्त्री) |
| पथिया | टोकरी* |
| पोथी | किताब* |
| मौस / मासु | माँस |
| सप्पत | शपथ |
| व्यथा / पीर / पीड़ा | दर्द |
| व्यवहार / बेवहार | व्यवहार |
| सत्य / सत्त | सत्य |
| समाज / लोकवेद | समाज |
| वस्तु / वोस्त / चीज | सामान |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| मददि / (मदैद) / मदति | सहायता* |
| अगिन / आगि | आग / अग्नि |
| साहित्य | साहित्य |
| सोन | सोना |
| स्वच्छ | स्वच्छता* / साफ |
| स्मारक | स्मारक |
| खोज-खबरि | हाल चाल / खोज-खबर |
| जड़काला / शीत लहरि | शीत लहर / जाड़े का समय / शीत ऋतु |
| सीथ / सींथि / सिउँथि | माँग* (बालों के बीच में) |
| नांगड़ि (नांगैड़) | पूँछ* |
| कनिया - पुतरा | गुड्डा-गुड़िया* |
| घिनौन / घिनाओन | घृणित |
| तमसाह | क्रोधी |
| पित्तमरू | संयमी / शांत |
| पेटहा / पेटही | पेटू |
| पुरहर- पातिल | मंगल कार्य के लिए एक मिट्‌टी का बना पात्र |
| बदियल | बदमाश |
| मुसहर | एक प्रजाति |
| उक्खरि / उक्खैरि / मूसर | ऊखल-मूसल |
| बलजोरी | जबरदस्ती* |
| ऐंठ | जूठा |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| बिहाड़ि | आँधी / तूफान |
| भाइजन / भद्रलोक | विशिष्ट व्यक्ति |
| सौंसे | संपूर्ण |
| सून-मसान | सन्नाटा |
| हथबत्ती | टॉर्च* |
| इजोत | रोशनी* |
| चौबटिया | चौराहा |
| सुभीता | सुविधा* |
| कूड़ी | हिस्सा / टुकड़ा |
| ओगरबाहि | देखरेख |
| टह-टह रौद | कड़कड़ाती धूप |
| दियारी / दियाबाती | दीया / दीपावली |
| हब्बर - हब्बर / हबर-हबर | जल्दी - जल्दी |
| अधलाह | बुरा |
| बहसल | बिगड़ा हुआ |
| घोंकचल | सिकुड़ा / सिकुड़ा हुआ |
| खिखीर | नेवला / नेवले प्रजाति का एक जीव |
| खोरनाठ | आधी जली लकड़ी* |
| कहबैका | कहलाने वाला / विख्यात |
| अपसियाँत / अपसेयाँत | परेशान |
| ठोपे - ठोप | बूँद - बूँद करके |
| खगता | जरूरत* |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| तिरपित | तृप्त |
| अहगर / पर्याप्त | ज्यादा |
| टहंकार | ऊँचे स्वर में |
| खोदवेद | पूछताछ |
| माफिक | जैसा |
| खिधाँस | बुराई* |
| माथा हाथ / मथाहाथ | पछताना / सिर पर हाथ |
| दिगर | अलग |
| चौल | मजाक |
| औरदा | आयु* |
| लुधकल | चिपका हुआ |
| खाधि | गड्ढा |
| डोका | घोंघा |
| कैंचा | पैसा |
| कोंढ़ी / कनोजरि / कली | कली* |
| चिनबारि - चिनबैर | रसोई या पूजा के लिए बना ऊँचा स्थान (चबूतरे जैसा) |
| कुटमैती | रिश्तेदारी* |
| ओसारा | बरामदा |
| लूरि / लूइर | गुण |
| डोराडोरि / डरा डोइर | कमर में बाँधने वाला धागा |
| भरिपोख - भैरपोख | जी भरकर |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| पर - पाहुन | मेहमान / अतिथि |
| उड़ाँत | उड़ने योग्य |
| साइत | शायद |
| चंसगर | होशियार |
| अहिठाम | यहाँ (से) |
| डरबूक | डरपोक |
| रूसल | असंतुष्ट / मुँह फुलाना |
| कुट्टी-कुट्टी | छोटे - छोटे टुकड़े / टुकड़े-टुकड़े |
| अपैत / ऐंठ | जूठा, दूषित |
| तीतल | भीगा |
| झटकारल | तेजी से / बड़ा - बड़ा कदम |
| अर्र - दर्र | अंट-संट |
| बमकल | गुस्से से भरा हुआ |
| सदिघड़ी / सदिखन | हमेशा |
| अधखिज्जू | आधा पका |
| सहमिल्लू | मिलनसार |
| जोगार / जोगाड़ि | योजना / युक्ति |
| लाइलपटाइ / लागिलपट / लाइलपट | दुराव छिपाव |
| ओछाओन | बिछौना |
| अगरजान | आगे की बात / या भीतर की बात जानने वाला |
| क'ल जोड़ने | हाथ जोड़ कर |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।

| | |
|---|---|
| अकछल / दिक भेल / आजिज भेल | बोर होना / उद्विग्न |
| परपंचैती | पंचायत (संबंधी) |
| घरआंगन / घरआङन | घर आंगन |
| मरमुकदमा | अदालत संबंधी |
| बाधबोन | खेत संबंधी |
| नीकबेजाय | अच्छा बुरा |
| माल - जाल | पशु / जानवर संबंधी |
| लत्ते - पत्ते | बेतहाशा |
| अधकपारी | आधा बुद्धि का |
| अजगुत | अजूबा |
| ओलती | बरामदा / ओसारा |
| वाक् | वाणी* |

## 2. सर्वनाम — सर्वनाम

| | |
|---|---|
| अहाँ / अपने | आप |
| हम / स्वयं | खुद (स्वयं) |
| हम्मर / हमर | हमारा |
| हमरा | मुझे / मुझको |
| हम | मैं |
| हम सब | हम |
| कखन | कब |

* चिह्नित शब्द स्त्रीलिंग वाची हैं।



| | |
|---|---|
| केहेन - केहन | कैसा - कैसी |
| की | क्या |
| किछु / किछ | कुछ |
| कतेक, कतोक | कितना / कितने / कितनी |
| कोन | किस |
| कत्त के | कहाँ का / की |
| कत्त / किम्हर / केम्हर | कहाँ / किधर |
| के' | कौन |
| केकरो / किनको | किसीको / किनको |
| केकर / किनकर | किस का |
| कियो | किसी ने / कोई |
| जे | जिन्होंने / जो |
| जेकरा / जिनका | जिसने / जिसको-जिनको |
| तोहर / तोरा / तोर | तेरा / रे / री / तुम्हारा / रे / री |
| अपनेक / अहाँ के | आपका / आपको |
| तों | तू / तुम |
| ओ | वे |
| वएह / वैह | वही |
| ओ सब | वे लोग |
| हुनकर / हुनक | उनका / के / की |
| हुनका | उन्हें |
| ओकर | उसका |
| हमर | मेरा / री |

| | |
|---|---|
| हिनकर | इनका / के / की |
| ई | यह (एक वचन) |
| ई सब | ये (बहुवचन) |
| यैह | यही |
| वैह | वही |

## 3. विशेषण विशेषण

| | |
|---|---|
| अनेको | अनेक |
| अस्थायी | अस्थायी |
| आधुनिक | आधुनिक |
| आश्चर्य / आश्चर्ज | आश्चर्य |
| ऊँच / उँचगर | ऊँचा |
| खूजल / फूजल | खुला |
| उचित | उचित |
| दहिन / दहिना | दायाँ |
| अभाव | अभाव |
| उनटा | उल्टा |
| एसगर / एकसर | अकेला |
| भीजल / भींगल / गील | गीला |
| काँच | कच्चा |
| कम (कनी) थोड़बे | कम |
| कँटील / कँटगर | कँटीला |
| किछु / किछुओ | कुछ |



| | |
|---|---|
| निच्चा | नीचे |
| बड़ / ढ़ेररास / बड्ड / बहुत | बहुत |
| तेज / तीव्र | तेज |
| गरीब / दरिद्र | गरीब |
| घनगर | घना |
| चतुर / बुधियार | चतुर |
| चहटगर | स्वादिष्ट |
| नीक | बढ़िया |
| छोट | छोटा |
| अधमरू / घायल | घायल |
| भारी / पैघ | भारी |
| मोह | मोह |
| बेसी | ज्यादा |
| पुरना / पुरान | पुराना |
| बाम, बामा | ब्रायाँ |
| पियासल | प्यासा |
| टटका | ताजा |
| तेलही / तेलगर | तैलीय |
| कनी / कनिए | थोड़ा |
| दयामंत / दयावान | दयालु |
| दुब्बर / अशक्त / कमजोर | दुर्बल / कमजोर |
| सुखाएल / सुखाड़ / रौदी | सूखा |
| धूमधाम / बाज़ा - गाजाके संग | धूमधाम |

| | |
|---|---|
| नरम / मोलायम | नरम / नर्म |
| नव - नव | नया |
| नाजुक / कोमल | कोमल |
| निकृष्ट | निकृष्ट |
| पातर | पतला |
| एक - एकटा के / बीछ - बीछक' | प्रत्येक |
| इमानदार | ईमानदार |
| बन्न | बंद |
| बेवकूफ | बेवकूफ |
| बौना / नाट / भुट्ट | नाटा / बौना |
| कुस्वाद | स्वादहीन |
| भीजल | भीगा |
| भुखल | भूखा |
| मंत्र-मुग्ध | मंत्र-मुग्ध |
| महग | महंगा |
| मटमैल | मटमैला / मैला |
| माननीय | माननीय |
| मुसलाधार / धुरछाड़ | मूसलाधार / धुआँधार |
| मूरख / मूरुख / मूर्ख / मुरुखहा | मूर्ख |
| पैघ / नमहर | बड़ा |
| यथोचित / नीक | यथोचित / ठीक |
| खाली / छुच्छे/ छुच्छ / छूछ | खाली |
| नमहर / लमगर | लंबा |



| | |
|---|---|
| प्रियगर | प्यारा / प्यारी |
| खराप | खराब |
| विकट | विचित्र |
| व्यस्त / बाँझल / बझल / बाझल | व्यस्त |
| वृद्ध / वृद्धा / बूढ़ - बुढ़ानुस | बुजुर्ग |
| शिक्षित | शिक्षित |
| शुद्ध / पवित्र | शुद्ध |
| अंतिम (आखरी) | अंतिम |
| अमीर / श्रीमंत / वैभववान / लक्ष्मीपुत्र / धनी | अमीर |
| संपूर्ण / सबटा / सकल | संपूर्ण |
| कान ठाढ़ | सतर्क |
| समस्त / सब | समस्त / सर्व |
| सहज | सहज |
| साफ / स्वच्छ | साफ |
| सते / आस्ते / आसते / अस्थिरसँ / गौं स' | आहिस्ता / धीरे |
| साहसी / करेज वाला / करेजगर | बहादुर |
| सुन्नर | सुंदर |
| ढील | ढीला |
| स्थाई / स्थायी | स्थायी |
| स्पष्ट / ठाँहि-पठाँहि / बिना लाग-लपेटके | स्पष्ट |
| सस्त | सस्ता |

| | |
|---|---|
| नहु-नहु | धीरे-धीरे |
| नीक | बढ़िया |
| अधमरू / खूनमखून | घायल |
| भारी | भारी |
| मोटघाँट | मोटा |
| नव / नूतन | नया |
| कोमल / पलपल/ गुलगुल | कोमल |
| पातर / पातरि | पतला |
| अखरा (बिन चादरि खाट / चौकी) | खाली (बिना चादर वगैरह की चौकी) |
| सीधा / सीध / सोझ | सीधा |
| सहज / सुद्ध / सुद्ध | सहज |
| ढीठ | दु:साहसी / निर्लज्ज |
| कोढ़ि / कोढ़ियाठ | आलसी |

## (i) सुआद — स्वाद

| | |
|---|---|
| कड़ू / कड़ुआ | कड़वा / तीखा |
| नुनगर / नोनगर | नमकीन |
| मीठ / मिठगर | मीठा |
| चटपट / चहटगर | चटपटा |
| फिक्का | फीका |
| अनोन | बिना नमक का |
| अमत / अम्मत | खट्टा |



## (ii) रंग / रङ — रंग

| | |
|---|---|
| कारी / करिया | काला |
| गुलाबी | गुलाबी |
| हरियर | हरा |
| पियर / पियर / पियरी | पीला |
| समतोला रंगक | नारंगी |
| सोनहला रंग / सोनहरा | सुनहरा |
| नील रंग | नीला |
| भाटा रंगक / भटरंगी | बैंगनी |
| (ललौन) गोला / भूरा रंगक / भुल्ल | भूरा |
| टुह-टुह लाल | लाल |

## (iii) संख्या — संख्याएँ

## (क) गणन संख्या — गणन संख्याएँ

| | |
|---|---|
| एक (1) | एक (1) |
| दू (2) | दो (2) |
| तीनि वा तीन (3) | तीन (3) |
| चारि (4) | चार (4) |
| पाँच (5) | पाँच (5) |
| छ' तथा छओ (6) | छह (6) |
| सात (7) | सात (7) |
| आठ (8) | आठ (8) |

| | |
|---|---|
| न'- नओ (9) | नौ (9) |
| दस (10) | दस (10) |
| एगारह | ग्यारह |
| बारह | बारह |
| तेरह | तेरह |
| चौदह / चउदह | चौदह |
| पनरह | पंद्रह |
| सोरह | सोलह |
| सतरह | सत्रह |
| अठारह | अट्ठारह |
| उनैस | उन्नीस |
| बीस | बीस |
| एकैस | इक्कीस |
| बाइस | बाईस |
| तइस | तेईस |
| चौबीस | चौबीस |
| पचीस | पच्चीस |
| छब्बीस | छब्बीस |
| सत्ताइस / सताइस | सत्ताईस |
| अठाइस | अट्ठाईस |
| उनतीस | उनतीस |
| तीस | तीस |
| एकतीस | इकतीस |



| | |
|---|---|
| बत्तीस | बत्तीस |
| तैंतीस | तैंतीस |
| चौंतीस | चौंतीस |
| पैंतीस | पैंतीस |
| छत्तीस | छत्तीस |
| सैंतीस | सैंतीस |
| अड़तीस | अड़तीस |
| उनचालिस | उनतालीस |
| चालीस | चालीस |
| एकतालिस | इकतालीस |
| बियालीस | बयालीस |
| तैंतालीस | तैंतालीस |
| चौआलिस | चवालीस |
| पैंतालिस | पैंतालीस |
| छियालीस | छियालीस |
| सैंतालिस | सैंतालीस |
| अड़तालीस | अड़तालीस |
| उनचास | उनचास |
| पचास | पचास |
| एकावन | इक्यावन |
| बावन | बावन |
| तिरपन | तिरपन |
| चौबन | चौवन |

| | |
|---|---|
| पचपन | पचपन |
| छप्पन | छप्पन |
| सतावन / सन्ताओन / सनताबन | सतावन |
| अठावन / अनठाओन | अठावन |
| उनसठि - उनसैठ | उनसठ |
| साठि (साइठ) | साठ |
| एकसठि / एकसैठ | इकसठ |
| बासठि- बासठम | बासठ |
| तिरसठि / तिरसैठ | तिरसठ |
| चौंसठि - चौंसैठ | चौंसठ |
| पैंसठि - पैंसेठ | पैंसठ |
| छियासठि - छियासैठ | छियासठ |
| सतसठि / सड़सठि | सड़सठ |
| अठसठि | अड़सठ |
| उनहत्तरि - उनहत्तैर | उनहत्तर |
| सत्तरि / सत्तैर | सत्तर |
| एकहत्तरि | इकहत्तर |
| बहत्तरि | बहत्तर |
| तिहत्तैर - तेहत्तरि | तिहत्तर |
| चौहत्तर - चौहत्तरि | चौहत्तर |
| पचहत्तैर - पचहत्तरि | पचहत्तर |
| छिहत्तैर - छिहत्तरि | छिहत्तर |
| सतहत्तैर - सतहत्तरि | सतहत्तर |





| | |
|---|---|
| अठहत्तैर - अठहत्तरि | अठहत्तर |
| उनासी | उनासी |
| अस्सी | अस्सी |
| एकासी | इक्यासी |
| बिरासी | बयासी |
| तिरासी | तिरासी |
| चौरासी | चौरासी |
| पचासी | पचासी |
| छियासी | छियासी |
| सतासी | सतासी |
| अठासी | अठासी |
| नबासी | नवासी |
| नब्बे | नब्बे |
| एकानबे | इक्यानवे |
| बिरानबे | बानवे |
| तिरानवे | तिरानवे |
| चौरानवे | चौरानवे |
| पनचानवे | पचानवे |
| छियानवे | छियानवे |
| सनतानवे / सन्तानबे / सन्तानब्बे | सतानवे |
| अनठानवे | अठानवे |
| निनानवे | निन्यानवे |
| सौ / सय | सौ |

| | |
|---|---|
| हजार | हजार |
| लाख | लाख |
| करोड़ / कोटि | करोड़ |
| शून्य | शून्य |

## (ख) क्रमांक / क्रमवाचक संख्या — क्रमसूचक संख्याएँ

| | |
|---|---|
| पहिल / प्रथम | पहला |
| दोसर / द्वितीय | दूसरा |
| तेसर / तृतीय | तीसरा |
| चारिम / चतुर्थ | चौथा |
| पाँचम / पंचम | पाँचवाँ |
| छठम / षष्ठ | छठा |
| सातम / सप्त | सातवाँ |
| आठम / अष्टम | आठवाँ |
| नवम / न'म | नवाँ |
| दसम / दसम | दसवाँ |

## (ग) भिन्नदर्शक संख्या — भिन्नसूचक संख्याएँ

| | |
|---|---|
| पाव (चतुर्थांस) / पाओ | पाव (चौथाई) |
| आध (असेरी) / आधा | आधा |
| डेढ़ / डेओढ़ | डेढ़ |
| अढ़ाइ / अढ़ाए | ढाई / अढ़ाई |



| | |
|---|---|
| पओन | पौना |
| पौने तीन | पौने तीन |
| साढ़े तीन | साढ़े तीन |
| पौने चारि | पौने चार |
| सवा चारि | सवा चार |
| साढ़े चारि | साढ़े चार |

## 4. क्रिया पद — क्रियाएँ

| | |
|---|---|
| रोकब | रोकना |
| सिकुड़ब / घोघचब | सिकुड़ना |
| मोन पाड़ब / मोनराखब | याद करना / याद रखना |
| आनब | लाना |
| बाँग देब | बांग देना |
| विश्राम करब | आराम करना |
| पसिन्न पड़ब | पसंद आना |
| चाहब / इच्छा करब | चाहना |
| उसनब / उसिनब | उबालना |
| उगाएब / उपजाएब | उगाना |
| खोलब | खोलना |
| उठब | उठना |
| उठायब | उठाना |
| उड़ब | उड़ना |
| उतरब | उतरना |

| | |
|---|---|
| खोआएब / खुआएब | खिलाना |
| मिलायब / भेंट कराएब | मिलाना |
| सुनब / कान पाथब | सुनना |
| कतरब | कतरना |
| फाड़ब | फाड़ना |
| जोड़ब | जोड़ना |
| खींचब / तीरब | खीचना |
| उझिलब / उझलब | उड़ेलना |
| चिकरब / सोर करब | चिल्लाना |
| चिन्हब / चेन्हब | पहचानना |
| करब | करना |
| खबरि करब / सूचित करब | खबर करना |
| कमाएब / कमायब / खटब | कमाना |
| निकालब / निकासब / बहार करब | निकालना |
| निघटब / सठब | खत्म होना |
| ठुमुकब | मचलना |
| काटब | काटना |
| बेसाहब / खरीदब | खरीदना |
| नोचब / कुड़िआयब | खुजलाना / खुजाना |
| खायब | खाना |
| कूटब | कूटना |
| घिसब / घसब | घिसना |
| डरब | डरना |



| | |
|---|---|
| खेलब | खेलना |
| नीपब | लेपना / लीपना |
| सीझब / सिद्ध होयब | सिद्ध होना / पकना |
| पिसब / पीसब | पीसना |
| फुईस बाजब | झूठ बोलना |
| गीत गायब | गाना |
| ठूसब / निगलब | निगलना |
| पहिरब | पहनना |
| लेब | लेना |
| चढ़ब | चढ़ना |
| चमकब | चमकना |
| चलब | चलना |
| चलायब | चलाना |
| चिबायब | चबाना |
| छानब | छानना |
| चूमब / चुमब / चुम्बन लेब | चूमना |
| चोरायब / चोरि करब | चोरी करना |
| जिज्ञासा करब | हालचाल पूछना |
| खोज बीन / पूछ-ताछ करब | पूछ ताछ करना |
| ताक - झाँक करब | ताक - झाँक करना |
| छापब | छापना |
| जीयब | जीना |
| जागब | जागना |

| | |
|---|---|
| बूझब | समझना |
| बुझा' पड़ब / बुझब | महसूस करना |
| जायब | जाना |
| पड़ायब / पड़ैव | भागना |
| जरायब / जरैब / पजारब | जलाना |
| जीतब / विजयी होयब | जीतना |
| जोतब / तामब | जोतना |
| नाचब | नाचना |
| प्रशंसा करब | तारीफ करना |
| बहराएब | निकलना |
| झाँपब | ढँकना |
| सूतब | सोना |
| खसैब / खसायब | गिराना |
| डँसब | डँसना |
| डूबब | डूबना |
| धकेलब / धकिआएब | धकेलना |
| हिलायब | हिलाना |
| जाँचब / परखब / परेखब | जाँचना |
| तरब / छानब | तलना |
| तोड़ब | तोड़ना |
| तोतरायब | तुतलाना |
| हकलायब | हकलाना |
| काँपब / थरथराएब | काँपना |



| | |
|---|---|
| रुकब / ठहरब | ठहरना |
| बोकिआयब | तंग करना / मजाक करना |
| कूटब | कूटना |
| कुटिया-पिसिया करब | कूटना पीसना |
| उसीनब / उसिनब | उबालना |
| दाखिल कराएब | दाखिल कराना |
| देखायब | दिखाना |
| सुझायब | सुझाना |
| सूझब | दिखाई पड़ना |
| दाढ़ी बनायब | दाढ़ी बनाना |
| दबाएब | दबाना |
| देब - लेब करब | लेन - देन करना |
| दौगब / दौड़ब | दौड़ना |
| थामब | थामना |
| धोअब / धोयब | धोना |
| बिछब / बीछब | चुनना |
| पकड़व | पकड़ना |
| गीड़ब / गिड़ब | जल्दी - जल्दी निगलना |
| आपस केनाइ (करब) / फेर देनाइ | लौटाना |
| आपस एनाय / घुरनाइ | लौटना |
| छौंकब / बघारब | तड़का देना |
| बुटाम टाँकब | बटन टाँकना |
| बदलब / फेरब | बदलना |

| | |
|---|---|
| बनायब | बनाना |
| रोपब | रोपना |
| बान्हव | बाँधना |
| बाहर जायब | बाहर जाना |
| बाजब-भूकब | बोलना |
| भरब | भरना |
| गारब | निचोड़ना |
| गाड़ब | गाड़ना |
| भाषण देब | भाषण देना |
| भेटब | मिलना |
| मदति करब (मदैद करब) | सहायता करना |
| मारब | मारना |
| माँगब / माङब | माँगना |
| भोगब | भोगना |
| मरब | मरना |
| सड़ब | सड़ना |
| सहब | सहना |
| सानब | गूँथना / मिलाना |
| मालिस करब / जाँतब | मालिश करना |
| जानब | जानना |
| बोकरब / रद्द करब | उल्टी करना |
| घूड़रके / घुड़रके ताकब | पीछे मुड़कर देखना |
| पड़ायब / पड़ाएब | भागना |



| | |
|---|---|
| साँठब | सामान सब सजाना / एकत्रित करना |
| पठायब | भेजना |
| विदा करब / अरियातब | विदा करना |
| ताकब / देखब | देखना |
| पियब / पीयब | पीना |
| पूजा करब | पूजा करना |
| हेलब / तैरब | तैरना |
| पहुँचब / आयब | पहुँचना |
| बाट ताकब / बाट हेरब / प्रतीक्षा करब | प्रतीक्षा करना |
| जतरा करब | यात्रा करना |
| फँसब | फँसना |
| फँसायब | फँसाना |
| फाटब | फटना |
| फाड़ब | फाड़ना |
| बूलब / टहलब | घूमना / टहलना |
| फूटब | फूटना |
| फेकब | फेंकना |
| तोड़ब | तोड़ना |
| देखार (होयब) | दिखाई पड़ना |
| नुकाएब / नुकब / छिपब | छुपना |
| नुकायब / छिपाएब | छुपाना |
| लाथ करब | टाल मटोल करना / बहाना करना |
| लागब | लगना |

| | |
|---|---|
| लगायब | लगाना |
| बेलब | बेलना |
| लिखब | लिखना |
| लूटब | लूटना |
| ओजन करब / तोलब / नापब | वजन करना |
| बसब / बसायब | बसना / बसाना |
| पढ़ब | पढ़ना |
| बचब / बाँचव | बचना |
| बाँचव (कथा आदि) / पढ़'व | बोलना / पोथी / किताब पढ़ना |
| बाँचल / बँचल | बचा रहना होना |
| लूटब / लुटाएब | लुटना / लुटाना |
| मूड़ब / घुरब | मुड़ना |
| मोड़ब | मोड़ना |
| बाँटब | बाँटना |
| लागब / बुझायब | लगना / महसूस होना / समझाना |
| बढ़ब | बढ़ना |
| घटायब | घटाना |
| हुलब | जबरदस्ती घुस जाना (किसी के घर या सभा आदि में) |
| हूरब / हुरब | खाना (तिरस्कार पूर्ण) |
| परसब | परोसना |
| काढ़ब | निकालना / परोसना |
| बहब | बहना |



| | |
|---|---|
| सुखब / सुखायब | सूखना / सुखाना |
| केश काढ़ब / केश झाड़ब | बाल बनाना |
| सोचब | सोचना |
| पूछब | पूछना |
| बिनब | बुनना |
| बिसरब | भूलना |
| बिजुरी चमकब | बिजली चमकना |
| चुनब / बीछब | चुनना |
| सीखब | सीखना |
| सीयब / सीब / सिअब | सीना |
| सेदब | सेंकना |
| ताकब / हेरब | ढूँढ़ना / खोजना / देखना |
| सम्हारब | संभालना |
| सजायब | सजाना |
| बूझब / बुझब / बुझायब | समझना / समझाना |
| भोगब | भोगना |
| लोढ़ब / तोड़ब | फूल तोड़ना |
| बतायब / बुझायब | बताना / समझाना |
| साफ करब / झाड़ पोछ करब | साफ करना |
| रच्छा / रक्षा करब / सुरच्छा करब | सुरक्षा करना |
| सौंपब | सौंपना / सुपुर्द करना |
| छूब / छुअब | छूना |
| मोन राखब / मोन पाड़ब | याद करना |

| | |
|---|---|
| सुआगत करब | स्वागत करना |
| मुस्की मारब | मुस्कुराना |
| हारब | हारना |
| हरायब | हराना |
| हँसब | हँसना |
| बजायब / सोर पारब | पुकारना |
| निकालि देब (निकैल देब) | निकालना |
| मारि पीट करब (मैर पीट करब) | मारपीट करना |
| नीक जकाँ चिन्हब | ठीक तरह से पहचानना |

## 5. क्रियाविशेषण (अव्यय) क्रिया-विशेषण (अव्यय)

| | |
|---|---|
| औचक | अचानक |
| एकदम / एकदमे | बिल्कुल / एकदम |
| आर / आओर | और |
| अहि पार (ऐ पार) | इस पार |
| अवस्स | अवश्य |
| आइ / आय / आजु | आज |
| आइ काल्हि (आय कैल्ह / कैल) | आज - कल |
| भीतर / भीत्तर | अंदर |
| एखन | अभी |
| एम्हर | इधर |
| चाही / त' | चाहे (तो) |
| एत्तय / एत्त' / एत्तै | यहाँ / यहीं |



| | |
|---|---|
| काल्हि / कैल / कैल्ह | कल |
| किंस्यात् / किंसाइत | शायद |
| कखन | कब |
| कखनो | कभी भी |
| कोना | कैसे |
| किएकत' | क्योंकि |
| कत्तए / किम्हर / केम्हर | कहाँ / किधर |
| कत्तौ / कतहु | कहीं भी |
| निच्चा / नीचाँ | नीचे |
| बड्ड / खूब | बहुत / खूब |
| बड़ दूर / दूरस्थ | बहुत दूर |
| चुप्पे-चाप | चुपचाप |
| अवस्से | जरूर / अवश्य ही |
| लगेमे / लगीचे | पास में / नजदीक |
| जखन | जब |
| तुरंत / अविलंब | तुरंत / फौरन |
| उम्हर / ओम्हर | उधर |
| ओत्तए / ओत' | वहाँ |
| तखन | तब |
| जेना कि | जैसे कि |
| निःसंदेह | निःसंदेह |
| सदिखन | हमेशा |
| परसू | परसों |

| | |
|---|---|
| ओहि पार / ओहि कात | उस पार / उस तरफ |
| खाली / मात्र / केवल | सिर्फ / केवल |
| बाहरि (बाहैर) | बाहर |
| मध्यमे / मध्य | बीच में |
| माँझ / मध्येमध्य / बीचोबीच | बीचों बीच |
| पाछाँ | पीछे |
| मात्र / केवल | मात्र / केवल |
| प्रतिदिन | हर रोज / प्रतिदिन |
| शीघ्र | जल्दी |
| ऊप्पर / ऊपर | ऊपर |
| बेरमबेर / बेरबेर / प्राय: | अक्सर / प्राय: / बार - बार |
| अंत / आखिर | अंत |
| सर्वत्र / सब जगह / सब ठाम | सब जगह |
| समान | समान |
| सोझाँ | सामने |
| अहिना / अहि तरहें / एहि तरहें | यूँ ही / ऐसे ही |
| शनै:शनै: / मन्द-मन्द | धीरे-धीरे |

## 6. उभयान्वयी अव्यय / समुच्चय बोधक — समुच्चय बोधक

| | |
|---|---|
| अथवा / वा / किंवा / किंतु | अथवा |
| मुंदा | लेकिन |
| हालाँकि | हालाँकि |



| | |
|---|---|
| आओर / आर | और |
| कारण | कारण |
| कि | कि |
| जौं | अगर / यदि |
| तौं / तइयो | तो भी |
| नहि त' | नहीं तो |
| किंतु / किंवा / मुदा / फेर | किंतु / पर / लेकिन / फिर |
| अहि सें / एहि लेल | इसलिए |

## 7. सामान्य सूचना / निर्देश — सामान्य सूचना / निर्देश

| | |
|---|---|
| भीतर एनाइ निषिद्ध अछि / थीक।<br>भीतर एनाइ मना अछि / थीक। | अंदर आना मना है। |
| आगाँ गति-रोधक अछि। | आगे गति रोधक है। |
| ई-आम रास्ता नहि अछि / थीक। | यह आम रास्ता नहीं है। |
| एकतरफा रस्ता | इकतरफा रास्ता |
| एकपेड़िया रस्ता | अत्यंत छोटा सँकरा रास्ता। |
| दूमुँहाघर | दो मुँह (दरवाजा) वाला घर। |
| इश्तहार नै लगाबी / इश्तहार नै लगाउ | इश्तहार न लगाएँ |
| एकरा हाथ नै लगाएब | इसे हाथ न लगाएँ |
| कुकूर / कुक्कुरसँ सचेत रहू<br>कुकूर / कुक्कुरसँ सावधान। | कुत्तों से सावधान |
| कृपा क' काउंटर छोड़बासँ, पहिने नोट / टाका गैन (गनि) लिअ'। | कृपया काउंटर छोड़ने से पहले नोट / रुपए गिन लें। |

| | |
|---|---|
| घास पर नै चलू | घास पर न चलें। |
| जनसुविधा | जनसुविधाएँ |
| पाकिटमारसँ सतर्क / सावधान। | जेब कतरों से सावधान। |
| प्रवेश निषेध | प्रवेश निषेध |
| एतय कूड़ा नै फेकू। | यहाँ कूड़ा न डालें। |
| एतय नै थुकियौ। | यहाँ न थूकें। |
| एतय वाहन / सवारी नहि ठाढ़ करू। | यहाँ वाहन खड़ा न करें। |
| लाइन / पाँती में जाकए ठाढ़ होउ। | लाइन में जाकर खड़े हो। |
| धूम्रपान निषेध। | धूम्रपान निषेध। |
| एतय लघु-शंका केनाय दंडनीय अछि। | यहाँ लघु-शंका करना दंडनीय है। |
| हार्न बजेनाइ निषिद्ध अछि। | हॉर्न बजाना मना है। |
| काज प्रगति पर छै।<br>काज चालू छै। | कार्य प्रगति पर है। |
| कृपाकरिक' फूल नहि तोड़ू। (कृपाकैरक' फूल नै तोड़ू।) | कृपया फूल न तोड़ें। |
| दुर्घटना / अपघात संभव क्षेत्र | दुर्घटना संभावित क्षेत्र |
| मोबाइल फोन बन्न राखू। | मोबाईल फोन बंद रखें। |
| वाहन / सवारी / धीमा गतिसँ चलाउ, आगाँ पाठशाला / विद्यालय छै। | वाहन धीमी गति से चलाइए, आगे स्कूल है। |
| एहि ऐतिहासिक वस्तु के रच्छा / संरक्षण करू। | इस ऐतिहासिक वस्तु का संरक्षण करें। |



| **8. शब्द युग्म** | **अर्थ** |
|---|---|
| अनेर-धुनेर | बिना रखवाला के / बिना मालिक के |
| अलगटेंट | अलग स्वर में बोलने वाला / असहमत |
| एकछाहा | एक जैसा |
| कुकुरा कटाउझि | कुत्तों के समान लड़ना |
| खटबताह | अर्धविक्षिप्त |
| कोटंग | छोटा बड़ा पैरवाला / अप्रिय दर्शन |
| राताराती | रातों रात |
| खरकट्टल | जूठा बर्तन, बिना पानी के सूख कर कठोर बना हुआ। |
| रित्ती-छित्ती | तितर - बितर / बिखरा हुआ |
| लाबा-दुआ / मङनी | खरीदी हुई वस्तु से कुछ ज्यादा / बिना मूल्य के |
| लारू बातू | अत्यंत अबल |
| लू - लू थू - थू | मूर्ख बनाना / बेइज्जत करना |

| **9. लोकोक्ति / कहबी** | **लोकोक्तियाँ** |
|---|---|
| अनेर गाय के राम रखवार | जिसका कोई नहीं उसका भगवान मालिक है। |
| अनहामे कनहा राजा | मूर्ख समाज में अल्पज्ञ भी प्रतिष्ठित। |
| अघायल बकके पोठी तीत। | पेट भरा रहने पर स्वादिष्ट वस्तु भी व्यर्थ लगती है। |
| अपने नीक त' आनो नीक। | आप भला तो जग भला। |

| | |
|---|---|
| तीनमे की तेरहमे। | किसी चीज में शामिल नहीं। |
| थोथी आगाँ पोथी की करत। | मूर्ख या जिद्दी व्यक्ति को समझाना कठिन है। |
| नव जोगीके कटिमे जटा। | नए कार्यकर्ता को अनभिज्ञता के कारण उपहास का शिकार बनना पड़ता है। |
| फेर गवैछी गाओल गीत। | किसी बात की पुनरावृत्ति। |
| बगड़ा चलल खंजनिके चालि तए अपनो चालि बिसरि गेल। | अपनी वस्तु छोड़कर दूसरे की अंगीकृत करने से अपनी ही चीज़ भूल जाना। |
| अगिया बेताल | उद्दंड, क्रोधी |
| अड्डा जमाएब | जमा होना, महफिल जमाना |
| अपन उल्लू सीधा करब | अपना काम निकालना |
| घाट-घाटक पानि पीअब | अनेक प्रकार का अनुभव करना |
| चलता - पुर्जा | चालाक |
| चुटकीमे | अतिशीघ्र |
| चुरुक भरि पानिमे डूबब | शर्म से मुँह छिपाना। |
| चंडाल चौकडी | नृशंस कार्य करने वालों की गोष्ठी |
| छठिहारक दूध मोन पाड़व | अत्यंत कष्ट अनुभव |
| टाँग अड़ायब | टाँग अड़ाना / बाधा डालना |
| ठन - ठन गोपाल | निर्धन, बिना पैसे का |
| डूमरिक फूल | अलभ्य वस्तु |
| थाह पायब | पूरा परिचय प्राप्त करना। |
| दिन घूरब | अच्छा समय आना |
| दालि (दैल) गलब | वश चलना। |
| दू कौड़ीक लोक | तुच्छ व्यक्ति |



| | |
|---|---|
| पाग राखब | प्रतिष्ठा बचाना |
| पएर धरती पर नहि पड़ब | घमंड होना |
| अस्सीमोन पानि (पैन) पड़ब | हतोत्साहित हो जाना |
| लुत्ती लगायब | झगड़ा लगाना। |
| कोड़ि आयल मूस बियर लेल साँप | किसी ने मेहनत की एवं किसी और ने लाभ उठाया। |
| पानिमे माछ नौ-नौ कुट्टी बखरा | कार्य अधर में मगर फल की चिंता। |

# परिशिष्ट

## (क) मिथिलाक विभूति

### महान व्यक्ति / प्रतिष्ठित व्यक्ति

**जनक**
मिथिलाक राजा छलाह। हिनका शतपथ ब्राह्मण आ बृहदारण्यकोपनिषदमे बड़ पैघ (विशिष्ट) स्थान प्राप्त छन्हि। ई सीताके पिता छलाह।

**याज्ञवल्क्य**
राजा जनक'क दरबार'क एक उद्भट विद्वान आ' महान पंडित। कतेको दूर-दूरसँ शोधार्थी मिथिला आबि क' याज्ञवल्क्यसँ धर्मक शिक्षा देबाक प्रार्थना करैत छलाह। हिनका भगवान विवस्वान (सूर्य) एवं सरस्वतीक कृपासँ यजुर्वेदक संपूर्ण मंत्र भेटल छलैन्ह।

**'अष्टावक्र'**
मिथिला नरेश राजा जनक'क समकालीन, एक गोट विश्वविश्रुत महान तत्ववेत्ता, ब्रह्मज्ञानी। हिनक शरीर आठ ठामसँ वक्र छल, ताहि लेल ऋषि खोडके अहि विलक्षण पुत्रक नाम अष्टावक्र पड़ल। बारह बरखक अल्पायुमे ज्ञानसँ भरल ई परम विशिष्ट ऋषि राजा जनकके, जे स्वयं बड़ पैघ तत्वज्ञानी आ' ब्रहमज्ञानी छलाह, राजा जनक आ' हिनका मध्य

## मिथिला की विभूतियाँ

### महान व्यक्ति / प्रतिष्ठित व्यक्ति

**जनक**
मिथिला के राजा थे। उनको शतपथ ब्राह्मण एवं बृहदारण्यकोपनिषद् में बड़ा महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। ये सीता के पिता थे।

**याज्ञवल्क्य**
राजा जनक के दरबार के एक उच्च प्रकांड विद्वान और महान पंडित। विभिन्न प्रांतों से जिज्ञासु, शोधार्थी, मिथिला आकर याज्ञवल्क्य से धर्म की शिक्षा देने की प्रार्थना करते थे। इनको भगवान विवस्वान (सूर्य) एवं सरस्वती की कृपा से यजुर्वेद के संपूर्ण मंत्र मिले थे।

**'अष्टावक्र'**
मिथिला नरेश राजा जनक के समकालीन एक विश्वविश्रुत महान तत्ववेत्ता, ब्रहमज्ञानी। इनका शरीर आठ स्थानों से टेढ़ा था, इसीलिए ऋषि खोड के इस विलक्षण पुत्र का नाम अष्टावक्र पड़ा। बारह वर्ष की अल्पायु में ज्ञान से भरा यह परम विशिष्ट ऋषि राजा जनक को, जो स्वयं बहुत बड़े तत्व-ज्ञानी और ब्रम्हज्ञानी थे, उनके आग्रह पर अपना शिष्य बनाने



जे ब्रह्मचर्चा भेल से 'अष्टावक्रगीता' वा 'अष्टावक्र संहिता'क नामसँ विख्यात भेल।

**उदयनाचार्य**
वैदिक संस्कृतिक रक्षा करबाक श्रेय मिथिला के जाहि परमपूज्य विद्वान सबकेर छैन्ह, ताहिमे उदयनाचार्य अग्रगण्य छलाह। नास्तिक बौद्ध सबकें शास्त्रार्थमे पराजित कय 'अस्तिवादक' स्थापना करबामे हिनक बड़ पैघ योगदान छल।

**गौतम**
मिथिला निवासी गौतम महर्षि न्यायदर्शनक प्रवर्तक छलाह। ओ 'न्यायशास्त्रक' अतिरिक्त, एक गोट स्मृतिक सेहो रचना कएने छलाह। किंस्यात् वाणविद्या पर सेहो हुनक एक ग्रंथ छल, जे आब अनुपलब्ध अछि। ई छतरी (छत्ता) आ' पनही (जूता) के प्रथम प्रयोग कर्ता सेहो छलाह।

**सीता**
सीता के शाब्दिक अर्थ, हर'क फाड़सँ कोड़ल धरती... (धरतीसँ सीताक जन्म भेल छल) ताहि लेल हुनक नाम सीता पड़ल)। हुनक आओर ढेर रास नाम अछि' जेना जानकी, किशोरी, मैथिली, मिथिलेश्वरी, सुकुमारी, वैदेही आदि।

की स्वीकृति दे दी थी। राजा जनक और उनके बीच जो ब्रम्हचर्चा हुई वह 'अष्टावक्रगीता' या 'अष्टावक्र संहिता' के नाम से विख्यात हुआ।

**उदयनाचार्य**
वैदिक संस्कृति की रक्षा का श्रेय मिथिला के जिन परमपूज्य विद्वानों को है, उन में उदयनाचार्य अग्रगण्य थे। नास्तिक बौद्धों को शास्त्रार्थ में परास्त कर 'अस्तिवाद' की स्थापना करने में इनका बहुत बड़ा योगदान रहा।

**गौतम**
मिथिला निवासी महर्षि गौतम न्यायदर्शन के प्रवर्तक थे। उन्होंने न्याय शास्त्र के अतिरिक्त एक स्मृति की भी रचना की थी। संभवत: वाणविद्या पर भी उनका एक ग्रंथ था, जो अब अनुपलब्ध है। उन्हें छाता और जूते का प्रथम प्रयोग कर्ता माना जाता है।

**सीता**
सीता का शाब्दिक अर्थ हल के अग्र भाग से खोदी गई जमीन (गहरी लकीर बनी धरती), जहाँ से सीता जी ने जन्म लिया था। इसलिए सीता कहलाई। उनके और भी नाम हैं, जानकी, किशोरी मैथिली, मिथिलेश्वरी, सुकुमारी वैदेही

राजा जनकक अद्‌वितीय रूप-गुणसँ संपन्न दुहिता (पुत्री) श्री रामक भार्या।

आदि। राजा जनक की अद्‌वितीय रूप, गुण संपन्न पुत्री, श्री राम की अर्द्धांगिनी।

**सीता जीक विवाह**

श्री राम'क संग जाहि तिथिके भेल, से विवाह पंचमी'क नामसँ आइ धरि एकगोटपवित्र 'व्रत - त्योहारक' रूपमे पूजनीय अछि। ई तिथि अगहनमासक द्‌वितीय पक्षक पंचमी तिथिकें पड़ैत अछि, मिथिलामे एकरा'जानकी विवाह आ' दक्षिण भारतमे 'सीता-कल्याणम्' कहल जाइत अछि।

**सीता जी का विवाह**

श्रीराम के साथ जिस तिथि को सीता जी का विवाह हुआ, वह 'विवाह पंचमी' के नाम से आज तक एक पवित्र व्रत-त्योहार के रूप में पूजनीय है। यह तिथि अग्रहण माह के द्‌वितीय पक्ष की पंचम तिथि को पड़ती है। मिथिला में इसे 'जानकी विवाह' और दक्षिण भारत में 'सीता-कल्याणम्' के नाम से जाना जाता है।

**गार्गी** - याज्ञवल्क्यक पत्नी

**गार्गी** - याज्ञवल्क्य की पत्नी

**मैत्रेयी** - याज्ञवल्क्यक दोसर विदुषी पत्नी

**मैत्रेयी** - याज्ञवल्क्य की दूसरी विदुषी पत्नी

**भारती / शारदा**

मंडन मिश्रक विदुषी पत्नी भारती जनिक विद्‌वत्ताक कारण हुनक शारदा नाम सेहो पड़लैन्हि। ई शास्त्रार्थमे आदिगुरु शंकराचार्य के हरौने छलीह।

**भारती / शारदा**

मंडन मिश्र की विदुषी पत्नी भारती विद्‌वत्ता के कारण उनका नाम शारदा भी पड़ा। इन्हौंने शास्त्रार्थ में आदिगुरु शंकराचार्य को हराया था।

**चण्डेश्वर**

तिरहुतमे व्यवहार (कानून) के लेल चण्डेश्वरक 'विवाद रत्नाकर' एकटा बड़ पैघ प्रामाणिक ग्रंथ अछि। हिनक काल चौदहम सदीक प्रथम चरण छल। मैथिल एवं बंगाली लोक सबपर हिनक बड़ प्रभाव छल।

**चंडेश्वर**

तिरहुत में व्यवहारों (कानून) के लिए चंडेश्वर का 'विवाद-रत्नाकर' एक प्रामाणिक ग्रंथ है। इनका काल चौदहवीं शताब्दी का प्रथम चरण है। चंडेश्वर ने मैथिल एवं बंगाली लेखकों पर बहुत प्रभाव डाला।



**वाचस्पति मिश्र**

मिथिलाक सर्वश्रेष्ठ निबंधकार सबमे एक गोट' प्रमुख विद्‌वान्। हिनक 'विवाद चिन्तामणि' ग्रंथ बड़ प्रसिद्ध छल।

**वाचस्पति मिश्र**

मिथिला के सर्वश्रेष्ठ निबंधकारों में एक। कानूनों के संसार में इनका 'विवाद-चिन्तामणि' बहुत प्रसिद्ध रहा।

**विद्‌यापति**

मिथिलाक महान यशस्वी कवि, आठ सयसँ बेसी वैष्णव आ' शैव पदक रचयिता। 36 वरख धरि राजकवि। 'पुरुष परीक्षा', 'कीर्तिलता', 'गोरक्ष प्रकाश', 'मणिमंजरी नाटिका', 'लिखनावली', 'दानवाक्यावली', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी', आदि पोथीक रचयिता। कहल जाइत अछि जे हिनक भक्तिसँ प्रसन्न भ' स्वयं महादेव 'उगना'क रूप धरि हिनक घ'रमे चाकरी कएने छलाह।
मिथिलासँ बाहर, नेपाल आ' बंगालमे सेहो हुनक विशेष प्रभाव देखल गेल अछि।

**विद्‌यापति**

मिथिला के महान यशस्वी कवि आठ सौ से ज्यादा वैष्णव और शैव पदों के रचयिता। 36 वर्ष तक राजकवि रहे। 'पुरुष परीक्षा', 'कीर्तिलता', 'गोरक्ष प्रकाश', 'मणिमंजरी नाटिका', 'लिखनावली', 'दानवाक्यावली', 'दुर्गाभक्ति तरंगिणी' आदि अनेक पुस्तकों के रचयिता। किंवदंती है कि इनकी भक्ति से प्रसन्न होकर स्वयं महादेव ने 'उगना' का वेश धारण करके इनके घर में काम किया था।
मिथिला से बाहर, नेपाल और बंगाल के साहित्य पर भी इनका विशेष प्रभाव देखा गया है।

**लखिमा ठकुराईन**

दरभंगा महाराज शिवसिहंक विदुषी पत्नी। तत्कालीन स्त्री समाजपर हिनक विशेष प्रभाव छल। विद्‌यापति अपन गीतसँ हिनका अमर कए देलनि।

**लखिमा ठकुराईन**

दरभंगा महाराजा शिवसिहं की विदुषी पत्नी। तत्कालीन स्त्री समाज पर इनका बहुत प्रभाव था। विद्‌यापति ने अपने गीतों से इन्हें अमर कर दिया।

**चन्दा झा**

मैथिली रामायणक रचयिता।
कवीश्वर चन्दा झा केर जन्म २० जनबरी १८३१ ई. कें भेल छलन्हि। आधुनिक

**चंदा झा**

मैथिली रामायण के रचयिता थे।
कवीश्वर चन्दा झा का जन्म २० जनवरी १८३१ ई. को हुआ। आधुनिक

मैथिली कविताक आरम्भ सेहो हिनकहिसँ भेल मानल जाएछ। 'पुरुष परीक्षाक' अनुवादक संग अनेक पोथी हुनका द्वारा लिखल गेल। हिनकर पूरा नाम चन्द्रनाथ झा छलन्हि। ई महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह तथा महाराजा रामेश्वर सिंह केर दरबारक सम्माननीय पण्डित सेहो छलाह। हिनक मृत्यु १४ दिसम्बर १९०७ ई. मे वाराणसीमे भेल छलन्हि। मैथिली भाषा ओ साहित्यक्षेत्रमे महाकवि विद्यापतिक बाद हिनकहि नाम लेल जाएत छन्हि, ताहिसँ हिनकहि मैथिलीकें आधुनिक युगमे स्थापित करयवला स्रष्टाक रूपमे गनल जाएछ, आर एहि तरहें एकटा युगपुरुषक रूपमे ई प्रसिद्धि पौलनि। मिथिलाक सीमा संबंधमे हुनक कविताक अंश छन्हि- "पश्चिम सीम सदानीरा बह, दक्षिण सीम गंगा। पूर्व सीममे नदी कौशिकी, विस्तर तरल तरंगा।।"

**महामहोपाध्याय महेश ठाकुर**

ई मिथिलाक 'भौर' (राजग्राम) गामक निवासी छलाह। हिनका मुगलशासक सम्राट अकबरसँ तिरहुतक राज प्राप्त भेल छलन्हि, ई मिथिलामे खंडबला कुलक शासनक संस्थापक छलाह। हिनक पूर्वज लोकनि 'भौर'मे एकटा विद्यालयक स्थापना कयल जाहिमे ई

मैथिली कविता का आरम्भ भी इन्हीं से माना जाता है। 'पुरुष परीक्षा' के अनुवाद के साथ अन्य अनेक ग्रन्थ इनके द्वारा लिखे गये। इनका पूरा नाम चन्द्रनाथ झा था। ये महाराजा लक्ष्मीश्वर सिंह एवं महाराजा रामेश्वर सिंह के दरबार के सम्माननीय पण्डित भी थे। इनकी मृत्यु १४ दिसम्बर १९०७ ई. में वाराणसी में हुई। मैथिली भाषा और साहित्य के क्षेत्र में महाकवि विद्यापति के बाद इन्हीं का नाम लिया जाता है। इसलिए इनको मैथिली का आधुनिक युग में स्थापित करनेवाला स्रष्टा के रूप में गिना जाता है और इसी तरह एक युगपुरुष के रूप में इनकी प्रसिद्धि है। मिथिला की सीमा (भौगोलिक) के संबंध में इनकी कविता का अंश है- "पश्चिम सीम सदानीरा बह, दक्षिण सीम गंगा। पूर्व सीम में नदी कौशिकी, विस्तर तरल तरंगा।"

**महामहोपाध्याय महेश ठाकुर**

ये मिथिला के 'भौर' (राजग्राम) ग्राम के निवासी थे। इनको मुगलशासक सम्राट अकबर से तिरहुत का राज्य प्राप्त हुआ था। मिथिला में खंडबलाकुल के शासन के संस्थापक थे। इनके पूर्वजों ने 'भौर' गाँव में एक विद्यालय की स्थापना की, जिसमें ये अध्यापन करते थे।





अध्यापन करैत छलाह हिनक परम प्रिय शिष्य पंडित रघुनंदन राय विद्याबले सम्राट अकबरसँ हिनका नामे सनद लिखवाय गुरुदक्षिणाक रूपमे तिरहुतक राज समर्पित कएल। हिनक विद्वत्ताक कारण 'भौर' गामक शिक्षा-कैंद्रक तुलना काशी, नदिया आ शांतिपुर आदिक संस्कृत-शिक्षा-कैंद्रसँ होब' लागल। ई न्याय, वेदांत, ज्योतिष आदिमे पारंगत छलाह।

**मण्डन मिश्र**

सहरसा जिलाक महिषीक निवासी छलाह जत' भगवती उग्रताराक सिद्धपीठ अछि। दिग्विजय हेतु पहुँचल जगद्गुरु शंकराचार्यसँ हिनक शास्त्रार्थ भेल छल, किंवदंती अछि जे हिनका ओतय शास्त्रार्थ होइत छल जकर देखादेखी ओत' पिजरामे रह'वाला सुग्गा सब 'स्वतः प्रमाण-परतः प्रमाण' विषय पर परस्पर वार्ता करैत छल।

**बच्चा झा**

प्रकांड विद्वान, महान शिक्षक

**हरिमोहन झा**

मैथिली कथा साहित्य'क बड़ विख्यात लेखक।

**पं. राम चतुर मल्लिक**

प्रसिद्ध ध्रुपद गायक।

इनके परम प्रिय शिष्य पं.रघुनंदन राय ने विद्याबल के प्रताप से सम्राट अकबर से इनके नाम सनद लिखवाकर गुरुदक्षिणा के रूप में तिरहुत का राज सौंप दिया। इनकी विद्वत्ता के कारण 'भौर' गाँव के शिक्षाकेंद्र की तुलना काशी, नदिया और शांतिपुर आदि के संस्कृत शिक्षा केंद्रो से होने लगी। वे न्याय वेदांत-ज्योतिष आदि में पारंगत थे।

**मण्डन मिश्र**

सहरसा जिला में 'महिषी' के निवासी थे। जहाँ भगवती उग्रतारा का सिद्धपीठ है। दिग्विजय के लिए पहुँचे जगद्गुरु शंकराचार्य से इनका शास्त्रार्थ हुआ था। किंवदंती है कि इनके यहाँ शास्त्रार्थ हुआ करता था जिसकी देखादेखी वहाँ पिजरे में रहने वाले तोते भी 'स्वतः प्रमाण-परतः प्रमाण' विषय पर परस्पर बात किया करते थे।

**बच्चा झा**

प्रकांड विद्वान, महान शिक्षक

**हरिमोहन झा**

मैथिली कथा साहित्य के बहुत विख्यात लेखक थे।

**पं. रामचतुर मल्लिक**

प्रसिद्ध ध्रुपद गायक।

**अयाची मिश्र**
पन्दरहम शताब्दीक भवनाथ मिश्र बड़ ख्यातिलब्ध नैयायिक छलाह आ' कहियो ककरोसँ कोनो वस्तुके याचना नहि कएलन्हि, ताहि लेल हुनक नाम अयाची मिश्र पड़ल।

**अयाची मिश्र**
पंद्रहवीं शताब्दी के भवनाथ मिश्र एक ख्याति प्राप्त नैयायिक थे। उन्होंने कभी किसी से कुछ याचना नहीं की। इसलिए उनका नाम अयाची मिश्र पड़ा।

**गोनू झा**
सुविख्यात गप्पी, बुधियार।
हिनक तुलना बीरबल आ' तेनालीरामसँ कएल जाइत अछि।

**गोनू झा**
मिथिला के सुविख्यात गप्पी बुद्धिमान। इनकी तुलना बीरबल और तेनालीराम से की जाती है।

**नागार्जुन**
स्वयंके चिरप्रवासी कहए वला, नागार्जुन, मिथिलासँ दूर रहियो क' अपन पैतृक गाम तरौनी के नहिं बिसरलाह। हिन्दी आ' मैथिलीक यशस्वी कवि छलाह।

**नागार्जुन**
स्वयं को चिरप्रवासी कहने वाले नागार्जुन मिथिला से बाहर रहकर भी अपने पैतृक गाँव तरौनी को नहीं भूले। हिंदी और मैथिली के यशस्वी कवि थे।

**कामेश्वर सिंह**
दरभंगा महाराज। कला, साहित्यक अनन्य प्रेमी, देशक स्वाधीनता संग्राम में पूर्ण तन्मयतासँ भाग लेलनि।

**कामेश्वर सिंह**
दरभंगा के महाराजा। कला, साहित्य के अनन्य प्रेमी, देश के स्वाधीनता संग्राम में पूरे मन से भाग लिया था।

**ज्योतिरीश्वर** (1320ई.)
मिथिला के राजा हरिसिंहक राजकवि। ई धूर्तसमागम प्रहसनम् (संस्कृत एवं मैथिलीमे) पंच सायकम् (कामशास्त्र) एवं वर्णरत्नाकर (मैथिली गद्य) लिखने छलाह।

**ज्योतिरीश्वर** (1320ई.)
मिथिला के राजा हरिसिंह के राजकवि, इन्होंने धूर्त्त-समागम प्रहसनम् (संस्कृत एवं मैथिली में) पंच सायकम् (कामशास्त्र) एवं वर्णरत्नाकर (मैथिली गद्य) लिखे।



**दारिपाद** (850ई.)
ई बौद्ध सिद्ध छलाह। दोहाकोश, चर्यागीत एवं बौद्ध दर्शनमे हिनक अनेको पद देखल जाइत छैन्ह।

वैदिक ब्राह्मण सबसँ हिनक भंग (पराजय) होएबाक कारणे ओहि स्थानक नाम 'दारिपाद'क नाम पर दरिभंगा पड़ल।

**दारिपाद** (850ई.)
ये बौद्ध सिद्ध थे। दोहा कोश, चर्यागीत एवं बौद्ध दर्शन में इनके अनेक पद देखने को मिले।

वैदिक ब्राह्मणों से इनका भंग (पराजय) होने के कारण उस स्थान का नाम "दरिभंगा" (दरभंगा) पड़ा।

**विंध्यवासिनी देवी**
प्रसिद्ध लोकगायिका 'बिहार रत्न', 'पद्मश्री' अनेक पुरस्कारसँ सम्मानित।

**विंध्यवासिनी देवी**
प्रसिद्ध लोक गायिका 'बिहार रत्न', 'पद्मश्री' आदि अनेक सम्मानों से सम्मानित

### (ख) ऐतिहासिक / धार्मिक प्रसिद्ध स्थान

### ऐतिहासिक / धार्मिक प्रसिद्ध स्थान

**कुशेश्वर महादेवक मंदिर**
दरभंगासँ करीब साठि (60) कि.मी. दूर कुशेश्वर महादेवक प्रसिद्ध मंडील (मन्दिर), जेकरा मिथिला के वैद्यनाथ-धाम कहल जाइत अछि। कहवी अछि जे कुशसँ भरल जंगलमे ई शिवलिंग पायल गेल छल, ताहि कारणसँ ई बाबा कुशेश्वर भेलाह।

**कुशेश्वर महादेव मंदिर**
दरभंगा से करीब 60 कि.मी. दूर कुशेश्वर महादेव का प्रसिद्ध मंदिर, जिसे मिथिला का वैद्यनाथ धाम कहा जाता है। कहा जाता है कि कुशों से भरे इस जंगल में, शिवलिंग मिला इसलिए ये बाबा कुशेश्वर कहलाए।

**तिलकेश्वर महादेव**
कुशेश्वरसँ करीब 15 कि.मी. दूर तिलकेश्वर महादेवक मंडील (मन्दिर)। विशालतामे एतयके शिवलिंग अद्वितीय अछि।

**तिलकेश्वर महादेव**
कुशेश्वर से करीब 15 कि.मी. दूर तिलकेश्वर महादेव का मंदिर है, विशालता में यहाँ का शिवलिंग अद्वितीय है।

**जनकपुर**
एक गोट वैष्णव तीर्थ स्थल। उपनिषद् कालीन ब्रह्मज्ञान आ' रामावत, वैष्णव सम्प्रदाय दूनूसँ एकर विशेष संबंध। सीतामढ़ी वा दरभंगासँ जनकपुर करीब 100 मील दूर नेपाल राज्यक अन्तर्गत अछि; जेकरा चारू कात पूर्वक्रमसँ, शिलानाथ, कपिलेश्वर, कूपेश्वर, कल्याणेश्वर, जलेश्वर आदि छथि।
एहि सबके चारू कात विश्वामित्र गौतम, वाल्मीकि आ याज्ञवल्क्यक' आश्रम छल जे एखनो कोनो' ने कोनो रूपे विद्यमान अछि।· महाभारत कालमे ई जंगलक' रूपमे छल, जतए साधु-महात्मा तपस्या करैत छलाह।

**जनकपुर**
एक वैष्णव तीर्थ स्थल। उपनिषद्कालीन ब्रह्मज्ञान, तथा रामावत वैष्णव संप्रदाय दोनों से इसका संबंध है। सीतामढ़ी या दरभंगा से करीब सौ मील दूर नेपाल राज्य के अंतर्गत है, इसके चारों ओर क्रम से, शिलानाथ, कपिलेश्वर, कूपेश्वर, कल्याणेश्वर जलेश्वर आदि है।
इस सबके चारों तरफ विश्वामित्र, गौतम, वाल्मीकि और याज्ञवल्क्य के आश्रम थे, जो अभी भी किसी न किसी रूप में विद्यमान है। महाभारत काल में, यह जंगल के रूप में था, जहाँ साधु महात्मा तपस्या करते थे।

**लुंबिनी**
महात्मा बुद्धक जन्मस्थल, आब नेपालमे। मूलत: बौद्ध तीर्थ अछि।

**लुंबिनी**
महात्मा बुद्ध का जन्म स्थल, अब नेपाल में है। मूलतः बौद्ध तीर्थ है।

**गौतम स्थान**
ब्रह्मपुर गाम'क लगीच एक गोट प्राचीन पुष्करणी जेकरा लोक "गौतम कुण्ड"क नामसँ जनैत अछि।

**गौतम स्थान**
ब्रह्मपुर गाँव के निकट एक प्राचीन पुष्करणी जिसे लोग "गौतम कुण्ड" के नाम से जानते हैं।

**बिसपी / बिसफी**
कवि कोकिल विद्यापतिक जन्म स्थल अछि।

**बिसपी / बिसफी**
कवि कोकिल विद्यापति का जन्म स्थान है।

**उच्चैठ (भगवतीक मंदिर)**
भगवतीक मंडील (मन्दिर)। किंवदंती अछि जे कालिदासक ई आराध्य देवी

**उच्चैठ (भगवती का मंदिर)**
भगवती का मंदिर। किंवदंती के अनुसार कालिदास की आराध्य देवी थी। खुदाई



छलीह। खोदाइमे निकलल ई भगवतीक जागृत मंडील अछि।

में निकली, अभी भी ये जागृत देवी मंदिर है।

**बाणेश्वरी मंदिर**
दरभंगा राज द्वारा निर्मित भगवती वाणेश्वरीक मंडील (मंदिर)

**वाणेश्वरी मंदिर**
दरभंगा के राजा द्वारा निर्मित भगवती वाणेश्वरी देवी का मंदिर।

**पुनौरा (सीतामढ़ी) ग्राम**
सीतामढ़ीसँ एक कोसक दूरी पर पुनौरा गाम। किंवदंतीक अनुसारे ह'र चलेबा काल राजा जनकके धरतीसँ ई कन्या भेटल। ताहिसँ ई स्थान पुण्यमयी भेल, पछाति पुनौरा कहाओल।

**पुनौरा (सीतामढ़ी) गाँव**
सीतामढ़ी से एक कोस की दूरी पर पुनौरा नाम का गाँव। किंवदंती के अनुसार राजा जनक को यहीं पर हल जोतते समय धरती से सीता जी कन्या के रूप में मिली थी। इस कारण यह पुण्य स्थान कालांतर में पुनौरा कहलाया।

**अहिल्यास्थान**
कमतौल स्टेशनसँ करीब 5 कि.मी. पश्चिम अहियारी नामक गाममे अहिल्या स्थान अछि, जे प्रसिद्ध न्यायविद गौतम ऋषिक स्त्री छलीह। सरापक कारणे पाथर भेलीह। आब तीर्थस्थान अछि।

**अहिल्या-स्थान**
कमतौल स्टेशन से करीब 5 कि.मी. पश्चिम अहियारी नामक ग्राम में अहिल्या स्थान है, जो प्रसिद्ध न्यायविद गौतम ऋषि की पत्नी थी। शाप के कारण पाषाण की हुई। यह स्थान अब एक तीर्थ स्थल है।

**वर्द्धमानेश्वर महादेव मन्दिर**
दरभंगासँ मात्र 3 कि.मी. दूरी पर दक्षिण -पूर्वमे देकुली नामक गाममे वर्द्धमानेश्वर महादेवक मंडील अछि, जाहि विषयमे कहल जाए छै कि अभिनव वर्द्धमान एहि शिवलिंगक प्रतिस्थापना कएने छलाह।

**वर्द्धमानेश्वर महादेव मंदिर**
दरभंगा से मात्र 3 कि.मी. दूर दक्षिण - पूर्व में देकुली नामक गाँव में वर्द्धमानेश्वर महादेव का मंदिर है, जिनके बारे में कहा जाता है कि अभिनव वर्द्धमान ने इस शिवलिंग की प्रतिस्थापना की थी।

**मिथिला चित्रकला (पेंटिंग्स)**

मिथिला चित्रकारीक प्रसिद्धि विश्व भरिमे पसरल अछि। मूलत: ई भीति-चित्र छल, जे घरक देवाल, आङन धरि सीमित छल मुदा कालांतरमे एकरा कागत, कपड़ा आदिपर चित्रित कए क' दूर-दूर-धरि पहुँचाओल गेल। मिथिला चित्रकला के कतोक कलाकार सबकें राष्ट्रपति पुरस्कार भेट चुकल अछि। एहिमे, सीता देवी, महासुन्दरी देवी, गोदावरी दत्ता आदि प्रमुख छथि। चित्रकारी त' सम्पूर्ण मिथिलामे कएल जाइ छै, मुदा, किछु गाम जेना, राँटी, जितवारपुर एहि क्षेत्रमे बड़ ख्याति प्राप्त कएने अछि। अमेरिकी राष्ट्रपति ओबामाके स्त्री मिशैल भारत यात्रा के समय मिथिला पेंटिंग्स कीनि कए एहि पेंटिंगकें प्रति पूर्ण सम्मान देलनि।

**मिथिला चित्रकला (पेंटिंग्स)**

मिथिला चित्रकारी की प्रसिद्धि विश्व भर में फैली हुई है। मूलत: ये भित्ति-चित्र थे, जो घर की दीवार, आँगन, तक ही सीमित थे, लेकिन कालांतर में इसे कागज, कपड़ों आदि पर चित्रित करके दूर-दूर तक पहुँचाया गया। मिथिला चित्रकला के बहुत से कलाकारों को राष्ट्रपति पुरस्कार मिल चुका है, जिसमें सीता देवी, महासुंदरी देवी, गोदावरी दत्ता आदि प्रमुख हैं। चित्रकारी तो संपूर्ण मिथिला में की जाती है लेकिन कुछ गाँव जैसे राँटी, जितवारपुर आदि इस क्षेत्र में काफी प्रसिद्ध है। सन् 2010 की भारत यात्रा के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की पत्नी मिशैल ने मिथिला पेंटिंग खरीद कर मिथिला चित्रकारी को सम्मान दिया।

**अड़िपन**

मिथिलामे अड़िपनक प्रथा वैदिक युगसँ आबि रहल अछि, भूमिचित्र अड़िपन मांगलिक कार्य, विभिन्न पर्व-तिहार, उत्सव, विवाह, उपनयन संस्कार आदिमे अड़िपन बनेबाक विधान अछि। मड़बा पर, चौकी पर, भगवतीक घर आ आङनमे अवसरक अनुसार प्रत्येक मांगलिक काजमे भिन्न-भिन्न तरहक अड़िपनक प्रयोग होइछ। चौरठ (चाउरक) चिक्कस, सिंदूर, गेरू आदि द्वारा अड़िपन देल जाइत छैक।

**अड़िपन**

मिथिला में अड़िपन की प्रथा वैदिक युग से चली आ रही है। भूमिचित्र अड़िपन मांगलिक कार्य, विभिन्न पर्व-त्योहार, उत्सव, विवाह, उपनयन (जनेऊ) संस्कार आदि में अड़िपन बनाने का नियम है। मंडप पर, चौकी पर, देवी की पूजा की जगह और आँगन में जैसा अवसर हो उसके अनुसार प्रत्येक शुभ काम में अलग-अलग तरह का अड़िपन बनाया जाता है। चावल का आँटा सिंदूर तथा गेरू आदि से अड़िपन बनाया जाता है।



**सौराठ सभागाछी**

सौराठसभा मिथिलांचलक प्रतिवर्ष आयोजित होब'बाला विशाल सभा अछि, जाहिमे योग्य वरक चयन ओत' आएल कन्याक पिता करैत छथि। चयनसँ पहिने सौराठ सभागाछीमे उपस्थित लोकक बीच अनेक प्रकारक चर्चा होइत अछि जाहिमे मुख्यरूपसँ कुल, मूल आ पाँजिक चर्चा होइछ। जकर जतेक पैघ कुल-मूल, पाँजि होइत अछि ओकर महत्त्व अधिक होइत छैक। किंतु आधुनिकताक चमक-दमकमे आब लोककें केवल कुल-मूल, पाँजिसँ उपर वरक व्यक्तिगत गुण, आचरण आ वृत्ति, व्यवसाय वा नोकरीकें मुख्य जाँचक विषय मानल जाइत अछि।

परंपरानुसार एत' पहिने गुरुकुलसँ सोझे योग्य युवककें सौराठसभागाछीमे आनल जाइत छल आ मैथिल ब्राह्मण एवं कायस्थक लेल प्रारंभ कयल गेल एहि सभामे लाखक संख्यामे लोक पहुँचैत छल। विवाह करेवासँ पूर्व वरक पैतृक परिवारक सात पीढ़ीमे आ मातृक परिवारक पाँच पीढ़ीमे पहिने कहियो सोझे रक्त संबंध नहि बनल भेला पर मात्र अधिकारक निर्णय कराओल जाइत छल। एहेन अधिकार निर्णयकें एक तालपत्रपर मिथिलाक्षरमे लाल मोइससँ लिखबौल जाइत छल जकरा 'सिद्धांत' कहल जाइत अछि। ई परंपरा आइयो चलि रहल अछि।

**सौराठ सभागाछी**

सौराठ सभा मिथिलांचल में प्रतिवर्ष लगने वाली एक विशाल सभा है, जिसमें योग्यवर का चुनाव वहाँ आए कन्याओं के पिता करते हैं।

चुनाव से पहले सौराठ सभागाछी में उपस्थित लोगों के बीच बहुत प्रकार के चर्चाओं जिसमें मुख्य रूप से कुल, मूल और पंजिका होती है; जिनके जितने बड़े कुल-मूल-पाँजि होते हैं उनकी प्रतिष्ठा उतनी ही अधिक होती है। हालाँकि इस आधुनिकता के चमक-दमक ने अब लोगों को केवल कुल-मूल-पाँजि से कहीं ऊपर लड़कों का व्यक्तिगत गुण, आचरण और रोजगार को मुख्य जाँच का विषय बना दिया है।

परंपरानुसार यहाँ पहले गुरुकुल से सीधे योग्य युवकों को सौराठ सभागाछी में लाया जाता था और मैथिल ब्राह्मणों एवं कायस्थों के लिए शुरु किये गए। इस सभा में लोग लाखों की तादाद में पहुँचते थे। विवाह कराने से पूर्व लड़कों के पैतृक परिवार के सात पुश्तों में और मातृक परिवार के पाँच पुश्तों में पहले कभी सीधा रक्त संबंध नहीं बने होने पर मात्र अधिकार निर्णय करवाते थे। ऐसे अधिकार निर्णय को एक तार के पत्ते पर मिथिलाक्षर में लाल स्याही से लिखबाया जाता था जिसे सिद्धांत कहा जाता है और यह परंपरा आज भी कायम है। इस समूचे संसार

| | |
|---|---|
| संपूर्ण संसारमे मिथिलांचलक ई वैवाहिक परंपरा सर्वोत्तम मानल जाइत अछि कियैक त' अधिकार निर्णयक अनुपम रीतिकें बादमे विभिन्न वैज्ञानिक अपन-अपन ढंग सँ समुचित माननलनि अछि। | में शायद मैथिलों का यह वैवाहिक परंपरा सर्वोत्तम माना जाता है क्योंकि अधिकार निर्णय की अनूठी रीति को बाद में विभिन्न वैज्ञानिकों ने अपने-अपने ढंगों से समुचित करार दिया है। |
| **(ग) पाबैन तिहार / पाबनि (पर्व) तिहार** | **पर्व - त्योहार** |
| **मधुश्रावणी** | **मधुश्रावणी** |
| एकर महत्त्व मिथिलामे बेसी देखले जाइत अछि। साओन मासमे नवविवाहिता महिला सब गौरीक संग नागक पूजा अक्षय सौभाग्यक कामनासँ करैत छथि। तेरह दिन धरि नवविवाहिताकें लोकाचारक अनुसार जेठ महिलावर्ग कथा सुनबैत छथि। सधवा सबकें भोजन कराओल जाइत अछि। नवविवाहिताक वर अनिवार्यरूपसँ एहि अवसर पर उपस्थित रहैत छथि आ नवविवाहिताकें गहना आदि उपहार हुनका दिससँ भेटैत छन्हि। वरपक्ष दिससँ कन्यागतक ओत' मखान, चूरा, दही आदिक विशेष भार पठाओल जाइत छन्हि। मिथिलामे मधुश्रावणीक भार बड़ नामी अछि। | इसका महत्व मिथिला में बहुत अधिक दिखाई पड़ता है। सावन महीने में नव विवाहिता महिलाएँ गौरी के साथ नाग की पूजा अक्षय सौभाग्य की कामना से करती है। लोकाचार के अनुसार अधिक उम्र की महिलाएँ नवविवाहिताओं को तेरह दिन तक कथा सुनाती हैं। सधवा महिलाओं को खाना खिलाया जाता है। इस अवसर पर नवविवाहिता के दूल्हे को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहना पड़ता है और वे अपनी ब्याहता को आभूषण आदि का उपहार देते हैं। वरपक्ष से कन्यापक्ष के यहाँ मखाना, चूरा, दही आदि का विशेष भार (उपहार) भेजा जाता है। मिथिला में मधुश्रावणी का भार बड़ा नामी है। |
| **सीता विवाह क तिथि / विवाह पंचमी** | **सीता विवाह की तिथि (विवाहपंचमी)** |
| मैना पञ्चमी | मैना पंचमी |
| बहुला पूजा | बहुला पूजा |
| कुशी अमावस्या | कुशी अमावस्या |



| | |
|---|---|
| हरितालिका व्रत (तीज) | हरितालिका व्रत (तीज) |
| अनंत पूजा | अनंतपूजा |
| पितर पक्ष (पितृ पक्ष) आ' मातृनवमी | पितृपक्ष और मातृनवमी |
| जीमूतवाहन व्रत (जितिया) | जीमूतवाहनव्रत (जितिया) |
| शारदीय व्रत / नवरात्र / महाष्टमी | शारदीयनवरात्र / महाष्टमी |
| दीयाबाती / दीवाली | दीपावली |
| चित्रगुप्त पूजा | चित्रगुप्तपूजा |
| छठि पूजा | छठपूजा |
| अक्षय नवमी | अक्षयनवमी |
| रविव्रतक आरंभ | रविव्रत |
| मकर संक्रांति | मकरसंक्रान्ति |
| सुकराती (सुखरात्रि) - कालीपूजा | सुखरात्रि - कालीपूजा |
| पृथ्वी पूजा | पृथ्वीपूजा |
| तुसारी, तुषारीपूजा | तुषारीपूजा |
| साँझपाबैन | साँझपाबैन |
| सपता-विपता कथा | सपता-विपताकथा |
| जूड़ शीतल (मेष संक्रान्ति) | मेषसंक्रान्ति / जूड़शीतल |
| धुर खेल | धुर-खेल |
| सोमवती/ सोमवारी | सोमवती / सोमवारी |
| गंगा दशहरा | गंगादशहरा |
| होरी / फगुआ - होली | होली |
| सामा चकेवा (पूजा) | सामा चकेवा (पूजा) |
| घड़ही पाबैन | घड़ही पर्व |
| मधुश्रावणी | मधुश्रावणी |
| कोजागरा - लक्ष्मीपूजा | कोजागरा लक्ष्मीपूजा |
| एकादशी - यज्ञ | एकादशी -यज्ञ |
| द्वादशी | द्वादशी |
| त्रयोदशी | त्रयोदशी |

**(घ) मिथिलाक नृत्य**

**आदिम नृत्य**
विषहरा
अघौड़ी
लुखेसरी
बघेसरी, आ'
शशिया

लोकगाथा नृत्य
लोरिक सलहेस
नयका बनजारा
डोमकछ नृत्य
दयाल सिंह,
कमला कोमला नृत्य

**पौराणिक नृत्य**
राधा कृष्ण नृत्य
रास
पारिजात हरण
चीर हरण
नारदीय
अंकिया
कीरतनियाँ / किरतनियाँ

**सामाजिक नृत्य**
छकड़बाजी
असिनृत्य
डामर
कामट
झरनी
बतहा - बतही नृत्य

**मिथिला के नृत्य**

**आदिम नृत्य**
विषहरा
अघौड़ी
लुखेसरी
बघेसरी, आ'
शशिया

लोकगाथा नृत्य
लोरिक सलहेस
नयका बनजारा
डोमकछ नृत्य
दयाल सिंह,
कमला कोमलानृत्य

**पौराणिक नृत्य**
राधा कृष्ण नृत्य
रास
पारिजात हरण
चीर हरण
नारदीय
अंकिया
कीरतनियाँ / किरतनियाँ

**सामाजिक नृत्य**
छकड़बाजी
असिनृत्य
डामर
कामट
झरनी
बतहा - बतही नृत्य



**नारी नृत्य**
नयना जोगिन
घसकट्टी
सामा चकेबा

**जाट-जटिन (महिलावर्गक नृत्य)**
ई गीत-नृत्यमय खेल अछि। अकाल आ सुखाइक स्थितिमे इंद्रदेवकें प्रसन्न करबाक हेतु मुसलाधार वर्षाक कामनासँ महिलावर्गद्वारा ई खेल खेलाएल जाइत अछि। एहिमे पुरुषवर्गक प्रवेश वर्जित अछि। अषाढ़, साओन, भादवक शुक्लपक्षमे चंद्रमाक इजोतमे ई गीत-नृत्यमय खेल होइछ। ई खेल आङन, दलान, खड़िहान वा पड़ती पड़ल खेतमे कतहु आयोजित होइछ। वाद्य-यंत्रक प्रयोग एहिमे नहि होइत छैक।

**झिझिया (महिला लोक नृत्य)**
शारदीय नवरात्रमे दुर्गापूजाक अवसर पर रातुक दोसर-तेसर पहरमे महिलावर्ग द्वारा एकर आयोजन होइत अछि। नौ दिन धरि ई नृत्य चलैत अछि आ विजयदशमी दिन एकर विसर्जन होइत अछि। एहिमे देवताक मंगलगान आ लोककल्याणक गीत गाओल जाइत अछि। नृत्य करै काल माथ पर भूर कएल माटिक घैल राखि जाहिमे जरैत दीप राखल जाइत अछि, नृत्य कयल जाइत अछि। जरैत दीप देवीक प्रतीक मानल जाइत अछि।

**नारी नृत्य**
नयना जोगिन
घसकट्टी
सामा चकेबा

**जाट-जटिन (महिलाओं का नृत्य)**
यह गीत-नृत्यमय खेल है। अकाल और सूखे की स्थिति में इंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए झमाझम मूसलाधार वर्षा की कामना से महिलाओं के द्वारा यह खेल खेला जाता है। इसमें पुरुषों का प्रवेश मना है। आषाढ, सावन और भादो के शुक्ल पक्ष में चाँदनी में यह गीतनृत्यमय खेल होता है। यह खेल आँगन, दालान, खलिहान या परती खेत में कहीं भी खेला जाता है। वाद्य-यंत्र का प्रयोग इसमें नहीं होता।

**झिझिया (महिला लोकनृत्य)**
शारदीय नवरात्र में दुर्गापूजा के अवसर पर रात के दूसरे तीसरे पहर में महिलाओं द्वारा इसका आयोजन होता है। नौ दिन तक यह नृत्य चलता है। विजयदशमी के दिन इसका विसर्जन होता है। उस में देवताओं का मंगलगान, और लोक कल्याण के गीत गाए जाते हैं। नृत्य करते समय सिर पर छेद किए मिट्टी के घड़े रखेजाते हैं उसमें जलते दिओं को रखा जाता है। जलते दीप देवी के प्रतीक मानेजाते हैं।

| | |
|---|---|
| **शिशु नृत्य** | **शिशु नृत्य** |
| मेघ नृत्य | मेघ नृत्य |
| करिया झूमरि (झूमैर) | करिया झूमरि (झूमैर) |
| बगुला - बगुली | बगुला - बगुली |

MGIPRRND—111 CHD/21—500 Copies.




मूल्य : ₹ 20 (बीस)

खरीदने के लिए संपर्क करें

**सहायक निदेशक (बिक्री)**
**केंद्रीय हिंदी निदेशालय**
पश्चिमी खंड-7, रामकृष्णपुरम
नई दिल्ली - 110066
दूरभाष : 011-26105211

**Assistant Director (Sales)**
**Central Hindi Directorate**
West Block-7, Ramakrishnapuram
New Delhi - 110066
Phone: 011-26105211
Website: www.chd.mhrd.gov.in
www.chdpublication.mhrd.gov.in

प्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, रिंग रोड, मायापुरी, नई दिल्ली – 110064 द्वारा मुद्रित